

Daily सच के हक में... THE PHOTON NEWS

Jacqueline Fernendaz Nargis Fakhri...

Ranchi ● Tuesday, 24 December 2024 ● Year : 02 ● Issue : 331 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi



चरनी में छिपा है प्रभु के जन्म का संदेश

क्रिसमस को लेकर काउंटडाउन शुरू हो चुका है। शहर में क्रिसमस कार्निवल चल रहे हैं। जगह-जगह पर कार्यक्रम हो रहे हैं। कुछ जगहों पर मेले भी लगे हैं। अब कुछ घंटों के बाद ही प्रभु के जन्म का उत्सव मनाया जाएगा। चर्च में प्रार्थना होगी। समाज के लोग धूमधाम से इस पर्व को मनाएंगे। इस बीच चर्च में चरनी सजाई गई है। इसमें प्रभु के जन्म की पूरी कहानी दिखाई जा रही है। यह चरनी यीशु के जन्म के बारे में बताती है। यदि हम गौर से चरनी को देखें तो हम बाइबल के जीवित वचन को अपनी आंखों के सामने पाते हैं। चरनी में क्रिसमस का अद्भुत संदेश छिपा है। चरनी में वर्णित मिरयम, जोसफ और अन्य लोगों के जीवन हमें आदर्श मां, कर्तव्यनिष्ठ पिता और आज्ञाकारी संतान बनने के लिए प्रेरित करते हैं।

: 25,377.55

6,795 (नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

नहीं रहे फिल्म निर्माता श्याम बेनेगल, 90 की उम्र में निधन MUMBAI : प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक,



पटकथा लेखक और बेनेगल का सोमवार गया है। उन्होंने मुंबई सेंट्रल के वोकहार्ट

अस्पताल में शाम 6:38 बजे आखिरी सांस ली। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को किया जाएगा। उनकी बेटी पिया बेनेगल ने बताया, 'वे लंबे समय से किडनी की बीमारी से जझ रहे थे।' दो साल पहले उनकी दोनों किडनी खराब हो गई थीं। उसके बाद से उनका

पूर्व जज रामसुब्रमण्यम बने एनएचआरसी के अध्यक्ष

डायलिसिस के साथ इलाज चल रहा था।

NEW DELHI: उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा का कार्यकाल एक जून को पुरा होने के बाद से एनएचआरसी अध्यक्ष का पद रिक्त था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रामसुब्रमण्यम को एनएचआरसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

केंद्र सरकार ने 71 हजार से अधिक युवाओं को दिया नियुक्ति पत्र राकेश तिर्की ने जीता

डेढ़ साल में लगभग 10 लाख गोल्ड, पूरे देश में चौथे स्थान पर रहा झारखंड युवाओं को दी नौकरी: पीएम

AGENCY NEW DELHI:

सोमवार को देशभर में 45 स्थानों पर आयोजित रोजगार मेले में 71 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरियों के नियक्ति पत्र बांटे गए। मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने पिछले एक या डेढ़ साल में लगभग 10 लाख यवाओं को सरकारी नौकरी दी है, यह एक रिकॉर्ड है। पीएम मोदी ने कहा कि चयनित सभी युवा नई सरकारी व्यवस्था का हिस्सा बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जिसे युवा पा ना सकें। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे देश के युवा आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। आज भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप वाला देश है। युवाओं को हर सेक्टर में आगे बढाने के लिए कार्य किया जा रहा है। इसके लिए केंद्र सरकार कई योजनाएं चला रही है। ग्रामीण भारत में रोजगार देने के लिए बैंक सखी जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री देश के 45 स्थानों पर लगाया गया रोजगार नरेंद्र मोदी ने लोगों को किया संबोधित मेला, 22 अक्टूबर 2022 को हुई थी शुरुआत



सबसे बड़ा स्टार्टअप वाला देश

- चयनित सभी युवा नई सरकारी व्यवस्था का बनने जा रहे हिस्सा
- युवाओं को हर सेक्टर में आग बढ़ाने के लिए तेजी से किया जा रहा काम

इन विभागों में काम करेंगे चयनित अभ्यथी चयनित अभ्यर्थियों को केंद्र संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार

सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में नियुक्त किया जाएगा। इनमें गह मंत्रालय. डाक विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा शामिल हैं। रोजगार मेले की शुरुआत २२ अक्टूबर २०२२ को हुई थी। हाल ही में

ने बताया था कि रोजगार मेले के जरिए अब तक कई लाख युवाओं को जब दिया जा चुका है। पीएम ने कहा, 'रोजगार मेलों के जरिए हम लगातार इस दिशा में काम कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों से सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संस्थानों में सरकारी नौकरी देने का अभियान चल मैनेजमेंट स्टंट'

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोजगार बांटने का 'इवेंट मैनेजमेंट स्टंट' किया है, जो हर साल दो करोड़ नौकरियां देने के वादे को छिपाने के लिए लीपापोती करने का प्रयास है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी जी ने आज फिर चंद हजार रोजगार बांटने का 'इवेंट मैनेजमेंट स्टंट' किया है। अपने दो करोड़ हर साल नौकरियां देने के वादे को छिपाने के लिए उन्हें समय-समय पर ऐसी लीपापोती करनी पड़ती है। उनका कहना है कि सूचना के अधिकार कानून के तहत दायर आवेदन से पता चला है कि केवल केंद्र सरकार के 80 विभागों में अकेले ९.५६ लाख पद खाली हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, देश की सरक्षा से जुड़े रक्षा विभाग में भी 2.13 लाख पद रिक्त हैं। अग्निवीर योजना ने युवाओं का भविष्य बिगाड दिया है। रेलवे में ३.१६ लाख अधिकारियों और कर्मचारियों की कमी है, मानव संसाधन की कमी के चलते रेल हादसे बढ़ें हैं।



इंटरनेशनल की ओर से वाराणसी में चल रही ऑल इंडिया ओपेन कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता संपन्न हो गई। इसमें झारखंड के खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन किया। दो स्वर्ण पदक, एक रजत और चार कांस्य पदक जीतकर कराटे खिलाड़ियों ने झारखंड को चौथा स्थान दिलाया। प्रतियोगिता के पहले दिन आदित्य राज ने एक स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीता था, जबकि मिस्टी कुमारी ने दो कांस्य पदक जीते। प्रतियोगिता के आखिरी दिन सोमवार को राकेश तिर्की ने पुरुष वर्ग के काता स्पर्धा में मेजबान उत्तर प्रदेश के खिलाडी को हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। साथ ही 55 किलो के कुमिते स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 50 किलो वर्ग के कुमिते स्पर्धा में झारखंड के खिलाड़ी अभिजीत बनर्जी ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को हरा कर कांस्य पदक जीत झारखंड के खाते में एक और पदक जोड़ा।

- वाराणसी में ऑल इंडिया ओपेन कराटे चैंपियनशिप संपन्न
- झारखंड के 4 खिलाडियों ने प्रतियोगिता में किया था पार्टिसिपेट

खिलाड़ियों ने किया गौरवान्वित

झारखंड के खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन पर कोच अनिल किस्पोट्टा ने कहा कि झारखंड से चार खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लिए थे। सभी ने पदक जीतकर राज्य को गौरवान्वित किया है। विजेता खिलाडियों को कराटे इंडिया ऑगेर्नाइजेशन के अध्यक्ष हंसी भरत शर्मा ने पुरस्कृत किया। कराटे इंडिया ऑगेर्नाइजेशन के टाइबल और माइनॉरिटी कमीशन के चेयरमैन शिहान सुनील किस्पोट्टा ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

जीवन रक्षक

गंभीर श्रेणी के रोगियों पर दिखा सकारात्मक असर

हीमोफीलिया मरीजों के लिए नई उम्मीद बनी जीन थेरेपी

AGENCY NEW DELHI:

चिकित्सा विज्ञान में हीमोफीलिया एक वंशानुगत बीमारी है। इसमें शरीर के बाहर बहता हुआ खून जमता नहीं है। इसके कारण चोट लगने या दुर्घटना में यह जानलेवा साबित होती है, क्योंकि रक्त का बहना जल्द बंद नहीं होता। विशेषज्ञों के अनुसार, इस रोग का कारण रक्त में एक विशेष प्रोटीन की कमी होती है, जिसे थ्रंबोप्लास्टिन या 'क्लॉटिंग फैक्टर' कहा जाता है। इस फैक्टर की विशेषता यह है कि यह बहते हुए रक्त के थक्के जमाकर उसका बहना रोकता है। इस बीमारी का कोई स्थायी इलाज नहीं। नियमित दवा सेवन के माध्यम से इसे नियंत्रण में रखा जाता है। इसके इलाज के लिए लगातार रिसर्च हो रहा है। इस

इलाज के लिए मानव जीन थेरेपी की प्रक्रिया वैज्ञानिकों ने खोजी है। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित इस स्टेंडी में सीएससीआर के शोधकर्ताओं ने बताया कि गंभीर हीमोफीलिया ए से ग्रस्त रोगियों में फैक्टर 8 नामक थक्के बनाने वाले प्रोटीन की मात्रा कम होने लगती है।

बीच भारत में हुए एक महत्वपूर्ण रिसर्च में इसके

इस बीमारी में कटने या चोट लगने पर शीघ्र बंद नहीं होता खून का बहना साथ की गई मानव जीन

सीएमसी भविष्य में इस वेल्लोर में प्रकार के रोगों सीएससीआर के इलाज में के विशेषज्ञों खुलेगा ने दी विस्तृत संभावनाओं जानकारी का नया द्वार

थेरेपी की शुरुआत एक विशेष प्रोटीन की कमी

के कारण

थक्का

समय पर रक्त

का नहीं बनता

भारत में 1,36 लाख से अधिक मामले

हीमोफीलिया गंभीर रक्तस्राव विकार है जो क्लॉटिंग कारकों (फैक्टर 8 और फैक्टर 9 प्रोटीन) की कमी के कारण होता है। भारत में करीब 1.36 लाख से भी अधिक मामले दर्ज हैं। भारत दुनिया में सबसे अधिक रोगियों में दूसरे स्थान पर है। इनके इलाज में बड़ा खर्च लगता है। बार-बार अस्पताल कभी चक्कर लगाते रहना पड़ता है। इस थेरेपी के लिए सीएससीआर के वैज्ञानिकों ने एएवी वेक्टर की जगह लेंटीवायरल वेक्टर का उपयोग करके फैक्टर ८ अभिव्यक्ति को बहाल करने के लिए वैकल्पिक प्रणाली खोजी। इसमें वायरल वेक्टर का उपयोग किया जाता है। इससे मरीज को

थेरेपी से खून का थक्का बनाने वाली कोशिकाओं का होता है निर्माण

फैक्टर ८ उत्पन्न करने की क्षमता मिलती है। प्री क्लिनिकल डाटा के आधार पर गंभीर हीमोफीलिया ए से ग्रस्त पांच मरीजों में इस थेरेपी का पहला परीक्षण सफल रहा। परीक्षण में इन रोगियों को ऑटोलॉगस हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल (एचएससी) प्राप्त हुए, जो लेंटीवायरल वेक्टर फैक्टर 8 के साथ ट्रांसड्यूसर किए गए। विश्लेषण में यह पाया कि ऑटोलॉगस हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल ने मरीजों में पर्याप्त समय के लिए आढवीं प्रोटीन का उत्पादन करने वाली रक्त कोशिकाओं को जन्म दिया, जो बार-बार होने वाले संक्रमण का जोखिम खत्म करती है।

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हुई वर्षा ने बढ़ाई सर्दी

बारिश के कारण फिर कंपाने लगी ठंड रांची सहित कई जिलों में गिरा तापमान

PHOTON NEWS RANCHI: झारखंड में राजधानी रांची सहित अधिकतर इलाकों में 20 से 22 दिसंबर तक ठंड अपनी सामान्य अवस्था में दिख रही थी। मौसम विभाग ने पूर्वार्नुमान में बताया गया था कि 22 दिसंबर के बाद फिर ठंड बढ़ेगी। 23 दिसंबर को ऐसा ही हुआ। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से गुमला, हजारीबाग, कोडरमा जिले में हुई बारिश के बाद मौसम और ठंडा हो गया। इसका असर अन्य जगहों पर भी दिखा। गुमला का न्यूनतम तापमान पिछले 24 घंटे के दौरान झारखंड में सबसे

जमशेदपुर के अधिकतम तापमान में 1.5 डिग्री की वृद्धि गुमला जिले का न्युनतम तापमान पहुंच गया ६.८ डिग्री सेल्सियस पर

बिशुनपुर में हुई सबसे अधिक 2.5 मिलीमीटर वर्षा

सबसे अधिक 2.5 मिलीमीटर वर्षा गुमला जिले के बिश्रुनपुर में हुई। कोडरमा में 2 मिलीमीटर और बरही में 1 मिलीमीटर वर्षा हुई। भारत मौसम विभाग, रांची की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, गुमला का

न्यूनतम पारा फिसल कर 6.8 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। दूसरी जगह बारिश के प्रभावसे राजधानी रांची, जमशेदपुर, बोकारो, चाईबासा समेत कई जिलों के न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

बैंक में उचक्कों ने ग्राहक का थैला काटा, उड़ा लिए एक लाख रूपये

कैश काउंटर के पास खड़े थे अपराधी, ब्लेड से काटे थे बैग

बैंक से पैसे निकाल कर घर जाने वाले लोगों को अक्सर बाइकर्स गैंग और उचक्के अपना शिकार बनाते हैं। सोमवार को इन शातिर अपराधियों ने बैंक ऑफ बड़ौदा के अंदर ही एक ग्राहक का थैला ब्लेड से काट दिया। बैंक के कैश काउंटर पर पैसे जमा करने गई महिला से एक लाख रुपए उड़ा लिए। महिला को इसकी भनक तब लगी जब वह कैश काउंटर पर अपने थैले से रुपए निकालने

लगी। उसने देखा कि थैला फटा

हुआ है और 500 के दो बंडल

गायब हैं। यह घटना एक ऐसी

महिला के साथ घटी है जो रांची

रोड मरार में जुते और चप्पल

बेचती है। पीड़िता गुड़िया देवी

सोमवार को अपने पति सनील



बैंक प्रबंधक से शिकायत करती महिला

कुमार के साथ रामगढ़ थाना चौक

के समीप बैंक ऑफ बड़ौदा के

ब्रांच में पहुंची थी। यहां उसे एक

कंपनी के खाते में 1.70 लाख

रुपए जमा करने थे। बैंक में तीन

कैश काउंटर मौजूद हैं। लेकिन

एक ही काउंटर संचालित किया

जा रहा था। इसकी वजह से वहां

भीड़ हो गई थी। महिला नगद जमा

BRIEF NEWS

गृदडी में जल्द खोलें सरकारी बैंक की शाखा : डीसी

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिला के समाहरणालय सभागार में सोमवार

को उपायुक्त कुलदीप चौधरी की अध्यक्षता में जिलास्तरीय बैंकर्स समिति की

बैठक हुई। इसमें उपायुक्त ने सुदुरवर्ती गुदड़ी प्रखंड की जन समस्याओं को

देखते हुए वहां जल्द से जल्द सरकारी बैंक की शाखा एवं जेएसएलपीएस

का प्रखंड मैनेजमेंट यूनिट खोलने का निर्देश अग्रणी जिला प्रबंधक को

दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिले में सीडी रेशियो का मानक स्तर न्यूनतम

40% होना चाहिए, जो सितंबर में समाप्त हुई तिमाही में 12.56% रहा, जो

काफी खेदजनक है। उन्होंने मानक के अनुसार सीडी रेशियो को नियमित

रखने तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जेएसएलपीएस के

माध्यम से अधिकाधिक महिला समूह को क्रेडिट लिंकेज से जोड़ने का

निर्देश दिया। जिला अंतर्गत गुदड़ी और टोंटो प्रखंड आकांक्षी प्रखंड के रूप

में चयनित है। यहां सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं से आमजन

को जोड़ना है। इसके लिए पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर क्षेत्र के सभी

लोगों का बैंक खाता खोलना, दुर्घटना सुरक्षा बीमा एवं जीवन ज्योति बीमा

एटीएम, 4861 ग्राहक सेवा केंद्र, बैंक बीसी, पेमेंट बैंक बैंकिंग सेवा उपलब्ध करा रही है। बैठक में अपर उपायक्त प्रवीण केरकट्टा, पोडाहाट-

चक्रधरपर अनुमंडल पदाधिकारी श्रति राजलक्ष्मी, स्थापना प्रभारी कमार

राउरकेला-टाटानगर-राउरकेला मेमू और चक्रधरपुर-राउरकेला-

चक्रधरपुर मेमू शामिल है। इन ट्रेनों के रद्द होने से राउरकेला, झारसुगड़ा

की ओर जाने वाले यात्रियों को समस्या होगी।

इसी दौरान वहां तीन उचक्के पहुंचे। उन लोगों ने उसका ध्यान भटकाया और बैंक की पर्ची भी फाड़ दी। जब महिला ने अपने पति को दोबारा पर्ची भरने के लिए भेजा, इसी दौरान उचक्कों ने ब्लेड से उसका थैला काट दिया और एक लाख रुपये लेकर फरार हो गए। बैंक परिसर से उचक्के जितने आराम से ग्राहकों को लूट कर

तेज रफ़्तार कार ने पेड़ को

मारी टक्कर, दो की मौत

KHUNTI : तोरपा थाना क्षेत्र के

कुलडा जंगल के पास सोमवार को एक तेज रफ्तार इनोवा कार ने

सड़क किनारे एक पेड़ को जारदार

टक्कर मार दी। इससे कार पर

सवार दो यवकों की घटनास्थल

पर ही मौत हो गई, जबकि चालक

माम्ली रूप से घायल हुआ।

मृतकों में आशीष कुमार सिंह

(31) और अरशद अली (30)

शामिल हैं। जानकारी के अनुसार

आशीष कुमार सिंह उत्तर प्रदेश के

जौनपुर जिले के हुरहुरी गांव का

वर्तमान में डोरंडा मणिटोला में

रहता था, जबिक अरशद अली

डोरंडा दर्जी मुहल्ला का रहने

वाला था। इस घटना में इनोवा

कार का चालक विजय कुमार

सिंह घायल हो गया। वह

औरंगाबाद का रहने वाला है।

मिली जानकारी के अनुसार

HAZARIBAG: राजस्व विभाग

की समीक्षा बैठक उपायुक्त नैन्सी

निकल जा रहे हैं, उससे यह साबित होता है कि बैंक कर्मचारी और उनके सुरक्षाकर्मी बेहद लापरवाह हैं। जब कैश काउंटर पर ग्राहकों का थैला काट कर पैसे निकाले जा रहे हैं तो बैंक के बाहर ग्राहकों की सरक्षा असंभव है। कहीं ना कहीं इन उचक्कों को बैंक कर्मचारियों की शह मिल रही है। ब्रांच मैनजर आशुतोष कुमार आनंद ने बताया कि बैंक परिसर में सभी कर्मी ग्राहकों की सुरक्षा को तवज्जो देते हैं, लेकिन इस घटना ने सबको चौका दिया है। हालांकि वहां मौजूद अन्य ग्राहकों ने बैंक मैनेजर और कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ थाना प्रभारी कष्ण कमार बैंक ऑफ बड़ोदा परिसर पहुंचे।

कोल वाहन की चपेट में आने से मोपेड सवार की मौत विरोध में ट्रांसपोर्टिंग ठप



टंडवा–सिमरिया मुख्य पथ पर उड़सु चालक को अपनी चपेट में ले लिया। इससे मोपेड सवार की मौत मौके पर हो गई। मुतक की पहचान टंडवा थाना क्षेत्र के तेलियाडीह गांव निवासी गोपाल साव के रूप में की गई। यह घटना सोमवार दोपहर बाद की है। गोपाल साव निजी कार्य परा कर अपनी मोपेड से तेलियाडीह जा रहा था। इसी बीच उड़स् के समीप हाईवा (जेएच 02 बी आर ८९६७) पीछे से जबरदस्त टक्कर मार दी। इससे गोपाल साव की मौत मौके पर हो गई। घटना की सूचना पर मिलते ही परिजन सहित ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और घटनास्थल पर शव के साथ के ट्रांसपोर्टिंग ठप कर दिया। इसकी सूचना मिलते ही थाना

प्रभारी सुरेश राम, प्रखंड विकास पदाधिकारी देवलाल उरांव, अंचलाधिकारी विजय दास, पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। ग्रामीण १५ लाख रुपए मुआवजा, आश्रित को नौकरी तथा अलग टांसपोर्टिंग रोड बनाने की मांग पर कर रहे थे।

हाथियों ने एक व्यक्ति को मार डाला पूर्व मंत्री ने दी आर्थिक सहायता



घटनास्थल पर शव के पास जटे लोग

AGENCY GIRIDIH:

जिले के डुमरी थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के चार हाथियों के दल ने शिकरा हेम्ब्रम के घर को तोड़ डाला और उसे रौंदकर मौत के घाट उतार दिया। घटना की सचना मिलने पर पर्व मंत्री बेबी देवी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और तत्काल 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी। साथ ही कहा कि शेष

KHUNTI : जिले के प्रसिद्ध पांडूपुड़िंग जल प्रपात में अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने आये विकास कुमार सिंह (21) का शव सोमवार को बरामद कर लिया गया। विकास सिंह रविवार को रांची से अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने पांडूपुड़िंग आया था। शाम को जब उसके दोस्त वापस जाने लगे और विकास सिंह की खोज करने लगे, तो उसका कुछ पता नहीं चला। जलप्रपात के पास उसके पकड़े और जुते रखे हुए थे। देर शाम जब विकास का कुछ पता नहीं चला, तो उसकें दोस्तों ने तपकारा थाना की पुलिस को इसकी सूचना दी। रात होने के लापता युवक की खोज नहीं की जा सकी। पुलिस ने सोमवार को स्थानीय गोतोखोरों की मदद से उसकी तलाश कराई, जलप्रपात में ही विकास सिंह का

3,60,000 रुपये की राशि जल्द से जल्द दी जाएगी। पूर्व मंत्री ने कहा कि आज तड़के शिकरा हेम्ब्रम को हाथियों ने कुचलकर मार दिया। उन्होंने कहा कि वन विभाग को निर्देश दिया गया है कि पीडित परिवार को सहयोग प्रदान किया जाए। वन विभाग ने बताया है कि हाथियों को भगाने के लिए बांकुड़ा से विशेषज्ञों की टीम बुलाई जा रही है। उल्लेखनीय है

कि इससे पहले शनिवार को भी सुगवाटांड़ में हाथियों ने तीन घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

पीड़ित गीता देवी, विलसी देवी और कौशल्या देवी के घर मलबे में तब्दील हो गया है। गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने रविवार को घटनास्थल का दौरा किया और पीड़ित परिवारों को 10,000 रुपये का चेक और एक-एक पेटी चावल दिया।

पांडूपुड़िंग जलप्रपात में डूबे टीबी उन्मूलन को ले डीसी युवक का शव बरामद ने की समीक्षा, दिए निर्देश

चाईबासा में हजारीबाग की महिला का शव हुआ बरामद

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में रविवार को आचू गांव में बरामद महिला के शव की पहचान कर ली गई है। मृतक महिला हजारीबाग के कोरा निवासी रशिम मोनिका सममनी है। महिला के शव की पहचान उसके पास मिले आधार कार्ड और पैन कार्ड से हुई। पुलिस ने उसके घर वालों से संपर्क किया तो उन्होंने मृतक की पहचान कर ली। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को महिला का शव चरवाहों ने देखा था। मुफस्सिल थाना प्रभारी रंजीत उरांव ने घटनास्थल पर मामले की जांच-पड़ताल की तो पता चला कि महिला की हत्या धारदार हथियार से गला रेत कर की गई थी। बाद में अपराधियों ने साक्ष्य छिपाने की नीयत से शव को झाड़ी में फेंक दिया। घटना की सूचना पाते ही मृतक का भाई जानसन

संदीप समसमी सोमवार को सदर अस्पताल पहुंचा। उन्होंने बताया कि उसका जीजा निर्मल एक्का हजारीबाग के सेंट्रल जेल में कार्यरत है। उसका एक दोस्त कुछ दिनों पहले आया था। उसने किसी काम के लिए उसकी मारुति वाहन मांग कर ले गया। जब कुछ दिन बाद जीजा निर्मल एक्का अपनी गाड़ी की मांग करने लगा तो वह टालमटोल करने लगा। 17 दिसंबर को जीजा निर्मल एक्का और बहन रशिम मोनिका सममनी हजारीबाग से चाईबासा के लिए घर से निकले। 19 दिसम्बर तक दोनों से बात हुई। इसके बाद दोनों का फोन बंद हो गया। हजारीबाग के कोरा थाना में 20 दिसंबर को गुमशुदगी का सनहा दर्ज कराया गया। इसके बाद रविवार शाम को घटना की सूचना मुफस्सिल थाना पुलिस द्वारा

से सभी योग्य लाभुकों को जोड़ा जाए। इसी क्रम में उपायुक्त ने केनरा बैंक अरशद और आशीष गेल कंपनी में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉक्टर प्रबंधक को गोईलकेरा, चक्रधरपर, नोआमंडी आदि क्षेत्रों में झारखंड किष स्वराज के जरिये डीसी को ऋण माफी योजना का लाभ किसानों को प्रदान करने तथा निष्क्रिय बीसी को म्युटेशन मामले पर उपायुक्त दिखीं हटाने का निर्देश दिया। अग्रणी बैंक प्रबंधक ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल से सितंबर के दौरान जिले में कुल 471 करोड़ का ऋण बेहद गंभीर, दिए सख्त निर्देश विभिन्न बैंकों के माध्यम से दिया गया। जिले में 130 बैंक शाखाएं, 1023

हर्ष, सिंहभूम सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मी नारायण लागुरी, भारतीय रिजर्व बैंक से सहाय की अध्यक्षता में सोमवार उदित प्रकाश, अग्रणी बैंक प्रबंधक दिवाकर सिन्हा आदि उपस्थित थे। को समाहरणालय सभागार में हुई। निर्मल महतो की जयंती पर 25 को श्रद्धांजलि सभा उपायक्त ने अकारण 90 दिनों तथा 30 दिनों से ज्यादा म्यूटेशन के JAMSHEDPUR: झामुमो (जेएमएम) पूर्वी सिंहभूम जिला समिति की लंबित मामलों पर नाराजगी जाहिर बैठक सोमवार को हुई, जिसमें वीर शहीद निर्मल महतो की 74वीं जयंती करते हुए तीव्र गति से समय पर मनाने पर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस बार भी 25 निष्पादित करने का निर्देश दिया। दिसंबर को कदमा स्थित उलियान में श्रद्धांजलि सभा होगी, जबिक म्यूटेशन के अत्यधिक लंबित कार्यक्रम की शुरूआत दोपहर 11.45 बजे बिष्टुपुर के चमरिया गेस्ट मामलों पर अंचलाधिकारियों को हाउस में श्रद्धासुमन अर्पित करने से होगी। जिला समिति ने सभी प्रखंड, गंभीरता के साथ कार्य करने का पंचायत और नगर समितियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों सख्त निर्देश देते हुए कार्रवाई की में वीर शहीद निर्मल महतो की जयंती सुबह में मनाएं। इसके बाद सभी बात कही। डीसी ने कहा कि म्यूटेशन से संबंधित मामलों में उलियान स्थित समाधिस्थल पहुंचें। अगर किसी आवेदन को रिजेक्ट टाटानगर से चलने वाली 6 ट्रेनें आज रद्द करते है तो उन आवेदनों पर पहले JAMSHEDPUR: चक्रधरपुर रेल मंडल में विकासात्मक कार्यों के सेल्फ सैटिस्फाइड हो लें। अंचल कारण मंगलवार को टाटानगर से चलने वाली 6 ट्रेनों का परिचालन रह कार्यालयों के कर्मचारियों पर सीओ अपना नियंत्रण रखें। रहेगा। इसमें टाटा-इतवारी -टाटा एक्सप्रेस, हावड़ा-कांटाबाजी एक्सप्रेस,



बैठक को संबोधित करते डीसी चंदन कुमार

RAMGARH: रामगढ़ जिले में

टीबी उन्मूलन के लिए 100

दिवसीय निक्षय शिविर अभियान

चलाया जा रहा है। सोमवार को

डीसी चंदन कुमार ने इस अभियान

की समीक्षा की और सिविल सर्जन

डॉक्टर महालक्ष्मी प्रसाद को कई

बैठक के दौरान सिविल सर्जन

डॉक्टर महालक्ष्मी प्रसाद और

जोरदाग गांव में बनी सड़क

को जल्द पूरा करें : डीसी HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय ने सोमवार को अपने कार्यालय सभागार में एनटीपीसी के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें उपायुक्त ने चट्टी बरियातू कोल माइनिंग परियोजना के अधिकारी को जोरदाग गांव में बने 2.2 किमी ट्रांसपोर्टिंग सडक की निर्माण प्रक्रिया को पूर्ण कर जल्द शुरूआत करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने जोरदाग स्कूल के बच्चों को मुंडाटोली स्कूल में शिफ्ट करने, स्कूल और बिरहोर परिवारों को बसाने के लिए जमीन चिह्नित करने का निर्देश संबंधित अंचलाधिकारी व संबंधित माइनिंग परियोजना के अधिकारी को दिया।



जानकारी गई की सात दिसंबर

2024 से 24 मार्च 2025 तक

संचालित 100 दिवसीय निक्षय

शिविर अभियान के तहत पूरे जिले

में संभावित टीवी मरीजों की

पहचान एवं उनके उपचार के लिए

कार्य किया जा रहा है। अभियान

के तहत टीबी रोग के लक्षण

अथवा संभावित टीबी मरीजों का

निःशुल्क चेस्ट एक्स-रे सहित

अन्य स्वास्थ्य जांच किया जा



JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला के पटमदा प्रखंड अंतर्गत सुदूर गांव चिरूडीह में रहने वाली महिला किसान अब जमीन में आटी-पुआल से मशरूम की खेती करेंगी। इस नई तकनीक की खोज किसान विशेषज्ञ डॉ. अमरेश महतो ने की है। महतो ने चिरूडीह में भ्रमण कर वहां के किसानों के साथ उन्नत कृषि पर परिचर्चा की। उन्होंने कहा किं देश व राज्य के किसानों की तकदीर अब बदलने वाली है, क्योंकि इस नई तकनीक को अपनाकर हर किसान अपनी आर्थिक रिथिति सुधार सकते हैं। डॉ. महतो ने बताया कि आटी-पुआल से मशरूम की खेती सभी प्रकार के जमीन में सालों भर हो सकती है और इसे महीने में दो बार उपजाया जा सकता है। नई तकनीक से मशरूम के साथ-साथ एक ही समय में कसावा और स्वीट पोटैटो की खेती भी उसी जमीन में किया जा सकता है, जो सोने पे सुहागा साबित होता है।

'प्रशासन गांव की ओर' विषय पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

रामगढ़ जिले में 19 से 24 दिसंबर तहत ₹प्रशासन गांव की ओर₹ पर सोमवार समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान जिला योजना पदाधिकारी संतोष कुमार भगत के जरिये जानकारी दी गई कि प्रशासन गांव की ओर अंतर्गत सुशासन सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवधि के दौरान अभियान मोड में जन शिकायत मामलों अथवा सीपीग्राम पोर्टल पर आए मामलों को निष्पादित किया जाना है। सुशासन सप्ताह के तहत प्रखंड और पंचायत स्तर पर भी कार्यशाला एवं बैठक आयोजित की जा रही है।



कार्यशाला में उपस्थित पदाधिकारी

कार्यशाला के दौरान रामगढ़ जिले में विगत पांच वर्षों में सुशासन सप्ताह के उद्देश्यों के तहत किए गए विकास कार्यों से संबंधित पीपीटी प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया। इसमें रामगढ जिला अंतर्गत खनन प्रभावित क्षेत्रों में बंद पड़े खदानों में मत्स्य पालन, रामगढ़ शहर अंतर्गत डीएमएफटी मद से निर्मित लाइब्रेरी, आंगनबाड़ी केंद्रों में बर्तन आपूर्ति सहित अन्य सुविधाओं की उपलब्धता, नवजात

बच्चों के स्वास्थ्य के लिए संचालित स्पेशल न्यू बोर्न केयर यूनिट उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यशाला के दौरान विजन डॉक्यूमेंट हंड्रेड पर भी चर्चा की गई। इस दौरान सभी विभागों के जरिये विभिन्न प्रकार की योजनाओं से आम लोगों को अच्छादित किया जाएगा। कार्यशाला के दौरान जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों सहित

अन्य उपस्थित थे।

प्रकृति की गोद में बसा डैम पर्यटकों को लंबे समय से करता आ रहा आकर्षित

नववर्ष पर गुलजार हुआ बुरुडीह, मोहित हो रहे सैलानी

उपायुक्त ने कड़े शब्दों में कहा कि

सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण के

मामले आ रहे हैं।

जमशेदपुर से लगभग 45 किलोमीटर दूर प्रकृति की गोद में बसा घाटशिला प्रखंड के कालचिती पंचायत अंतर्गत बुरुडीह डैम पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। खूबसूरत वादियों की छटा देखने अक्टूबर से फरवरी के अंतिम सप्ताह तक पश्चिम बंगाल, ओडिशा व झारखंड के विभिन्न जिलों से पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। घाटशिला पहुंचने के लिए पर्यटकों को सड़क एवं रेल मार्ग की सुविधा उपलब्ध है। घाटशिला रेलवे स्टेशन से बुरुडीह डैम की दूरी 8 किलोमीटर तय करने के लिए ऑटो तथा यात्री वाहन की सुविधा है। पर्यटकों को ठहरने के

लिए काफी संख्या में लॉज तथा



बुरुडीह डैम में घूमने आए पर्यटक

<u>नौका परिचालन शुरू नहीं होने से पर्यटक निराश</u>

सरकार की ओर से प्रत्येक वर्ष नौका परिचालन को लेकर नीलामी करती है। इस वर्ष भी ८ लाख २७ हजार रुपया पर नोका परिचालन की नीलामी हुई। ग्रामीणों के विरोध के बाद से नौका परिचालन शुरू नहीं होने से काफी संख्या में पर्यटक नौका विहार के लिए बुरूडीह डैम आ रहे हैं। डैम पर नौका परिचालन शुरू नहीं होने से निराश होकर लौटना पड़ रहा। हालांकि नौका परिचालन समिति द्वारा प्रशासन को एक सप्ताह का दिया गया अल्टीमेटम पूरा होने के बाद निजी स्तर पर नौका परिचालन शुरू करने की बात कह रहे हैं।

रिजॉर्ट बने हैं। इसके अलावा पर्यटक धारागिरी जलप्रपात, बंगाल के साहित्यकार विभूति भूषण बंदोपाध्याय का आवास, स्वर्णरेखा नदी की कलकल धारा

पिकनिक स्पॉट के रिजॉर्ट भी तैयार

घाटशिला प्रखंड क्षेत्र के कई पिकनिक स्पॉट हैं, जहां लोग 25 दिसंबर से पिकनिक मनाने आते हैं। झारखंड के आसपास जिले से भी काफी संख्या में लोग यहां पिकनिक मनाने आते हैं। इसमें मुख्य रूप से बुरूडीह डैम, स्वर्णरेखा नदी मऊभंडार ग्रामीण क्षेत्र के कई रिजॉर्ट पूरी तरह तैयार हैं।

का आनंद लेने रातमोना, पांच पांडव, सूर्य मंदिर, फूलडुंगरी पहाड़ सहित अन्य पर्यटक स्थल देखने आ रहे हैं। इन सभी पर्यटक स्थलों की दूरी घाटशिला रेलवे स्टेशन से 2 किलोमीटर से 15 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है।

आज ६ घंटे का मेगा ब्लॉक लेकर होगा



CHAKRADHARPUR: चक्रधरपुर के फकीर मोहल्ले की तरफ मंगलवार 24 दिसंबर को होने वाले अंडरपास के आरसीसी ब्लॉक्स लॉन्चिंग को लेकर सोमवार से ही काम शुरू हो गया है। सोमवार शाम को थर्ड लाइन को काट कर अलग कर दिया गया। सोमवार से ही थर्ड लाइन में टेनों का परिचालन ठप कर दिया गया है। आरसीसी ब्लॉक्स लॉन्चिंग के लिए रेलवे 6 घंटे का मेगा ब्लॉक लेगी। इससे थर्ड लाइन में कुल 30 घंटे तक ब्लॉक रहेगा। रेलवे के अनुसार, सोमवार सुबह से ही 6 घंटें का मेगा ब्लॉक लेकर आरसीसी ब्लॉक्स लॉन्चिंग की जाएगी। अंडरपास के लिए कुल 18 आरसीसी ब्लॉक्स को रेल पटरी के नीचे पोकलेन मशीन से गड्ढा करके नीचे डाला जाएगा। मंगलवार को दोनों अप डाउन रेल पटरी को कार्यस्थल पर काटकर हटाया जाएगा। ट्रेनों के रद्द रहने के कारण हजारों लोगों को परेशानियों का सामना करना पडेगा।

सामुदायिक पुलिसिंग के तहत कंबल सहित अन्य सामानों का किया वितरण



जरूरतमंदों में कंबल बांटते पुलिस पदाधिकारी

LOHARDAGA : सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम के तहत सोमवार को लोहरदगा जिला के किस्को प्रखंड के तिसिया बाजार टांड़ के समीप ठंड से बचाव के लिए कंबल,धोती,साड़ी और स्कूल बैग और कॉपी का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा,सशस्त्र सीमा बल के असिस्टेंट कमांडेट ज्ञानेश्वर सिंह, थाना प्रभारी हसवर्धन सिंह और पुलिस बल के जवान मौजूद थे। मौके पर पुलिस द्वारा सैकड़ो गरीब,असहाय और जरूरत मंद लोगो के बीच सामग्रियों का

वितरण किया गया। सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस हर कदम पर आम लोगों के साथ है। कोई भी समस्या होने पर लोग अपनी समस्या पुलिस के समक्ष रख सकते हैं।कार्यक्रम का मकसद जनता और पुलिस के बीच की खाई को पाटना है। उन्होंने लोगों को गलत आदतों और कुरीतियों से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इससे जहां समाज का पतन होता है।

www.thephotonnews.com Tuesday, 24 December 2024

O BRIEF NEWS

झाप्रसे के दो अफसरों को मिला दंड, तीन दोष मुक्त

RANCHI: राज्य सरकार ने कतिपय आरोपों को लेकर झारखंड प्रशासनिक सेवा के पांच अधिकारियों के विरुद्ध चल रहे विभागीय कार्यवाही का निष्पादन कर दिया है। नामकुम के तत्कालीन अंचल अधिकारी मनोज कमार और वंशीधर नगर पंचायत गढ़वा के कार्यपालक पदाधिकारी अमित कुमार को दंडित किया गया है। वहीं टाटीझरिया के तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमुदिनी टुडू और रामगढ़ के तत्कालीन भूमि सुधार उप समाहर्ता गौरांग महतो को दोष मुक्त करार दिया गया है। साथ ही, जामताड़ा के तत्कालीन भूमि सुधार उप समाहर्ता प्रभात कुमार को निलंबन मुक्त कर दिया गया है। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने इस संबंध में पिछले दिनों अलग अलग आदेश जारी कर दिया है। झाप्रसे अधिकारी मनोज कमार नामकम के अंचलाधिकारी पद पर तैनात थे। उन पर आरोप था कि ये सुरेंद्र कुमार सिंह को जनसूचना पदाधिकारी के रूप में आवेदक को शपथ पत्र उपलब्ध नहीं कराए। साथ ही सूचना आयोग के समक्ष अपना पक्ष नहीं रखा। इस कारण इनके विरुद्ध आरोप गठित कर रांची जिला प्रशासन ने राज्य सरकार से अग्रेतर कार्रवाई की

8वीं प्री बोर्ड परीक्षा सात से 50 सवालों के देने होंगे जवाब

RANCHI: रांची जिला के जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय द्वारा 8वीं बोर्ड की परीक्षा में बेहतर परिणाम को लेकर कदम उठाया गया है। अब आठवीं कक्षा के छात्रों की प्री बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा के लिए जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज द्वारा शिड्यूल जारी कर दिया गया गया है। सात से 13 जनवरी तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। सात जनवरी को हिंदी, आठ जनवरी को अंग्रेजी, नौ जनवरी को संस्कृत या उर्दू या बांग्ला, 10 जनवरी को साइंस, 11 जनवरी को सोशल साइंस और 13 जनवरी को गणित विषय की परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्रत्येक विषय में 50 सवाल के जवाब परीक्षार्थियों को देने होंगे। जिला शिक्षा अधीक्षक ने सिलेबस और परीक्षा पैटर्न के अनसार शिक्षकों को अभ्यास कराने के लिए कहा है।

तीन से सात जनवरी तक सीबीटी मोड में होगी परीक्षा

RANCHI: यूजीसी नेट दिसंबर सेशन का एनटीए द्वारा जारी कर दिया गया है। परीक्षा 3 जनवरी से 16 जनवरी 2025 के बीच होगी। सब्जेक्ट के हिसाब से यूजीसी नेट परीक्षा का पूरा शेड्यूल वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली शिफ्ट की परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे के बीच होगी। परीक्षा की सिटी स्लिप एग्जाम शुरू होने से 8 दिन पहले जारी की। सिटी स्लिप में परीक्षा केंद्र के शहर की जानकारी मिलेगी। इसके बाद यूजीसी नेट एडमिट कार्ड जारी किया जाएगा।

अगली बार से तैयारी के साथ अधिकारियों को आने का दिया निर्देश

सवालों का जवाब नहीं दे पाए अधिकारी, नाराज हो गई मंत्री

सोमवार को कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की पशुपालन भवन में आयोजित कार्यशाला में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा। लेकिन, अधिकारियों के पास कोई जवाब नहीं था। इसके बाद कृषि मंत्री नाराज हो गईं। उन्होंने अधिकारियों से स्पष्ट निर्देश दिया कि वे पूरी तैयारी के साथ आएं। बता दें कि राज्य स्तरीय रबी फसल कार्यशाला का उद्देश्य किसानों को रबी फसल की सही जानकारी प्रदान करना और उन्नत कृषि की दिशा में कदम बढ़ाने का निर्देश देना था। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कार्यशाला के दौरान जिला कृषि पदाधिकारियों से विभागीय योजनाओं और उनके लाभार्थियों के बारे में सवाल पूछे, लेकिन अधिकतर अधिकारियों के पास संतोषजनक जवाब नहीं था। मंत्री ने बोकारो, धनबाद, दुमका, गोड़ा समेत कई जिलों के कृषि पदाधिकारियों से योजनाओं के लाभार्थियों की संख्या और योजनाओं के बारे में जानकारी मांगी। इससे मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

राज्य स्तरीय रबी फसल कार्यशाला में कई जिलों के अधिकारी हुए शामिल

कार्यशाला में मौजूद कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की व अन्य।

काफी नाराज हो गईं। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल दफ्तर में बैठने के लिए नहीं, बल्कि योजनाओं के सही क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार हैं। मंत्री ने कहा कि 31 दिसंबर तक अलग-अलग कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। इसकी रिपोर्ट 2 से 3 जनवरी तक राज्य कृषि निदेशक को सौंपने का निर्देश उन्होंने दिया। रिपोर्ट में योजनाओं की जमीनी हकीकत और लाभार्थियों की संख्या को विशेष रूप से अंकित

गोड्डा के पदाधिकारी

को शोकॉज गोड्डा जिला कृषि पदाधिकारी के कार्यशाला में अनुपस्थित रहने पर मंत्री ने उन्हें शोकॉज करने का निर्देश भी दिया। इसके अलावा उन्होंने विभागीय अधिकारियों को यह स्पष्ट कर दिया कि वे अगली बार किसी भी कार्यशाला में पूरी तैयारी के साथ आएं। मंत्री ने कहा कि अधिकारियों को सप्ताह में दो दिन फील्ड विजिट करने के निर्देश पहले ही दिए गए थे। इसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा।

झारखंड में आएं निवेशक, हर सुविधा मुहैया कराएगी सरकार : संजय यादव

सोमवार को राज्य के उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने प्रोजेक्ट बिल्डिंग में उद्योग विभाग की कार्य समीक्षा की। विभाग के विभिन्न निदेशालयों और संस्थाओं के कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने राज्य में उद्योगों के विकास के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कहा कि राज्य के विकास और मख्यमंत्री हेमंत सोरेन की विकसित झारखंड की परिकल्पना को साकार करने के लिए यह जरूरी है कि राज्य में उद्योगों को बढ़ावा दिया जाए। झारखंड में अधिक से अधिक उद्योग स्थापित हों और निवेशक राज्य में आएं। सरकार उन्हें हर सुविधा मुहैया कराएगी। समीक्षा के दौरान उद्योग विभाग में रिक्त पदों पर चर्चा हुई। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जल्द ही रिक्त पदों की सची तैयार की जाए, ताकि मख्यमंत्री से विचार-विमर्श कर त्वरित भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा सके। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित



सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए न केवल निवेशकों को आकर्षित करना, बल्कि उन्हें सरकार द्वारा दी जाने वाली सारी सविधाओं की सही जानकारी देना भी आवश्यक है। उद्योग विभाग के सचिव जितेंद्र सिंह, अपर सचिव आकांक्षा रंजन, निदेशक सुशांत गौरव, प्रबंध निदेशक जियाडा, जिडको. झारक्राफ्ट, मुख्यमंत्री लघु, कुटीर एवं उद्यम विकास बोर्ड, झारखंड माटीकला बोर्ड, झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के प्रमुख सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मंईयां सम्मान योजना : सीएम ने की बैठक

28 को भव्य कार्यक्रम की तैयारी में सरकार



अधिकारियों के साथ बैठक करते सीएम हेमंत सोरेन।

PHOTON NEWS RANCHI: मंईयां सम्मान योजना की राशि 28 दिसंबर को लाभार्थियों के खाते में ट्रांसफर किए जाएंगे। इसे लेकर सरकार ने राजधानी रांची में भव्य कार्यक्रम का आयोजन करने की तैयारी की है। कार्यक्रम का आयोजन नामकुम में होगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को अपने आवासीय कार्यालय में बैठक की। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री अधिकारियों से कार्यक्रम की तैयारी को लेकर जानकारी ली। सुत्रों के मुताबिक, तीन लाख से अधिक लाभार्थियों को रांची लाने की तैयारी है। उनके रांची

आने और लौटने को लेकर

तैयारी की जा रही है। साथ ही

कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया बाबा

कार्यक्रम के दौरान उनके लिए जलपान की व्यवस्था भी की जायेगी। सीएम ने इस बात का ख्याल रखने का निर्देश दिया है कि कार्यक्रम में शामिल होने वाली किसी भी महिला को किसी भी तरह की असविधा ना हो। सोमवार को हुई बैठक में मख्यमंत्री ने जेएसएससी की सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगित परीक्षा-2023 की भी समीक्षा की। साथ ही अधिकारियों से स्थिति की जानकारी ली। बैठक में राज्य के मख्य सचिव अलका तिवारी, डीजीपी अनुराग गप्ता, कई विभागों के सचिवों के साथ रांची के डीसी मंजुनाथ भंजत्री, एसएसपी चंदन सिन्हा समेत अन्य

अधिकारी उपस्थित थे।

महाकुंभ में सभी को आमंत्रित करने के लिए रांची पहुंचे यूपी के दो मंत्री

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ आयोजित है। सोमवार को महाकुंभ में सभी को आमंत्रित करने उत्तर प्रदेश के मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और राज्य मंत्री सुरेश राही झारखंड पहुंचे है। रांची के लालपुर स्थित होटल रैनडीव में मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और राज्य मंत्री सरेश राही ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी को महाकुंभ के लिए आमंत्रित किया। मंत्रियों ने बताया कि देश के सभी राज्यों की राजधानी जाकर वहां के राज्यपाल, मुख्यमंत्री समेत आम लोगों को मंत्री आमंत्रित कर रहे कांके ब्लॉक चौक पर ऑटोमोबाइल

PHOTON NEWS RANCHI:

सोमवार को ब्लॉक चौक अरसंडे

वेटनरी रोड पर कांके ऑटोमोबाइल

कार वाश सेंटर का उद्घाटन हुआ।

मुख्य अतिथि पंजाब नेशनल बैंक,

बोडेया की शाखा प्रबंधक खेता

सिंह, विशिष्ट अतिथि सरिता टोपनो,

लियाकत हुसैन, संचालक पंकज

वर्मा तथा इमरान अंसारी ने फीता

काटकर इस सेंटर का उद्घाटन किया।

संचालक पंकज वर्मा तथा इमरान

अंसारी ने बताया कि यहां सभी प्रकार

के चार पहिया वाहनों की सर्विसिंग,

वाशिंग, डेंटिंग, पेंटिंग, टेफलान

कोटिंग, जंगरोधक कोटिंग, एसी

सर्विस, इंजन तथा गियर बाक्स आदि

के कार्य उपलब्ध होंगे। चार पहिया

वाहनों से जुड़ी पूरी सेवा ग्राहकों को



मिलकर उन्हें महाकुंभ के लिए आमंत्रित करेंगे। वहीं मुख्यमंत्री से अभी समय नहीं मिलने की बात भी उन्होंने कही। प्रेस मीट में मंत्रियों ने महाकुंभ का प्रचार-प्रसार किया। उन्होंने बताया की उत्तर प्रदेश सरकार महाकुंभ-2025 को भारतीय संस्कृति और एकता का वैश्विक प्रतीक बनाने

समय से तथा उचित दर पर उपलब्ध

कराई जाएगी। इस अवसर पर शाखा

प्रबंधक श्वेता सिंह ने संचालकों को

अपनी शभकामनाएं दी। इस अवसर

पर समाजसेवी पंकज सिंह, चार्ली

डेविस, पवन कुमार, कांग्रेस नेता

मदन महतो, गुलजार अहमद, बसंत

कुमार सिंह, रेफा मोदक, बबलू

ठाकुर, जीनत परवीन, गीता वर्मा,

अंसारी, दिनेश बड़ाइक, राहुल

लोहरा, तौफीक अंसारी, धर्मेंद्र सहित

अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आलम, अमीरउल्लाह

कार वाश सेंटर का हुआ उद्घाटन

महाकुंभ नगरी में 35 पुराने और नए पक्के घाट बनाए गए हैं, जो श्रद्धालुओं के स्नान में काफी सहायक साबित होंगे। 12 किलोमीटर क्षेत्र में फैले सभी 44 घाटों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जाएगी। मंत्रियों ने कहा कि मुंबई की मरीन ड्राइव की तर्ज पर गंगा किनारे लगभग 15.25 किलोमीटर क्षेत्र में संगम से नागवासुकी मंदिर तक, सुरदास से छतनाग तक, कर्जन ब्रिज के समीप से महावीर पुरी तक रिवर फ्रंट का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा इंट्रीग्रेटेड कंट्रोल कमांड सेंटर को अपग्रेड किया गया है। इससे भीड़ प्रबंधन में

बाउंसरों ने युवक को पीटा गोडा थाना में मामला दर्ज

RANCHI: कांके स्थित एक बार में

बाउंसरों ने एक युवक के साथ मारपीट की है। युवक का नाम प्रियांशु जायसवाल बताया जा रहा है। मारपीट में युवक का एक पैर टूट गया है और सर में काफी चोटें आई है। यवक का कहना है कि जन्मदिन मनाने अपने दोस्त के साथ ग्रीका गया था, जहां बार बंद होने का नाटक कर बाउंसर द्वारा उसे पीटा गया। इस मामले को लेकर युवक के पिता ने गोंडा थाना में मामला दर्ज कराया है। प्रियांशु के पिता ने कहा कि मेरे बच्चे के साथ इंसाफ होना चाहिए। मेरे बच्चे को सीढ़ी से फेंक दिया गया, जिससे उसका पैर टूट गया। बता दे की राजधानी में बार रेस्टोरेंट में बाउंसरों को लेकर आए दिन घटना घटती है।

बाबा साहब को नीचा दिखाने में कांग्रेस पार्टी ने कोई कसर नहीं छोड़ी : संजय सेट

करना है कि विभाग में किसी प्रकार के

कार्य में कोई रुकावट न हो। उद्योग

RANCHI: रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कांग्रेस पार्टी बड़ा निशाना **PHOTON NEWS RANCHI:** साधा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर को नीचा दिखाने में कांग्रेस पार्टी ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। यह कांग्रेस पार्टी का पुराना इतिहास है। पंडित नेहरू से लेकर सोनिया गांधी और राहुल गांधी तक सभी ने एक ही परंपरा का निर्वहन किया है। सेठ सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। सेठ ने कहा कि विगत दिनों संसद सत्र के दौरान संसद भवन के मकर द्वार पर जो दृश्य भारत ही नहीं पूरी दुनिया के लोगों ने देखा वह लोकतंत्र को कलंकित

साहब व संविधान के अपमान आरोप

सोमवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कांग्रेस भवन में संवाददाता सम्मेलन किया।विधायक और राज्य के पूर्व वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने भाजपा व गृह मंत्री अमित शाह पर संविधान और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान करने का गंभीर आरोप लगाया। कहा कि भारत का संविधान बहुजनों को अधिकार और सम्मान प्रदान करता है। लेकिन, भाजपा और आरएसएस इसके खिलाफ हैं। ये लोग संविधान में बदलाव की कोशिश कर रहे हैं, जिससे कि बहजन समदाय को उनके अधिकारों से वंचित किया जा सके। कांग्रेस इस संविधान विरोधी



देगी। उरांव ने 18वीं लोकसभा के सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता शीतकालीन सत्र का उल्लेख करते हए कहा कि इस सत्र में भाजपा द्वारा संविधान और बाबा साहब अंबेडकर अमित शाह के बयान को लेकर विरोध जताया, जिसमें अमित शाह ने कहा था कि अभी एक फैशन हो गया है अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर।

रांची कुंभ मेला स्पेशल 20 जनवरी

उन्होंने भाजपा द्वारा संविधान और डॉ. अंबेडकर के करने की साजिश कर रही है। संविधान में बदलाव करने का प्रयास कर रही है, जिसे जनता ने 2024 के लोकसभा चुनाव में नकार दिया था।

रांची से करने का किया गया एलान

महाकंभ मेला 2025 प्रयागराज में 13 जनवरी, 2025 से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित होने जा रहा है। महाकुंभ मेला के अवसर पर ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने रांची टूण्डला रांची (ट्रेन संख्या 08067/08068) कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन करने का ऐलान किया है। ट्रेन संख्या 08067 रांची ट्रण्डला कुंभ मेला स्पेशल 19 जनवरी को रांची से प्रस्थान करेगी(केवल 01 ट्रिप)। इस ट्रेन का रांची प्रस्थान 10:30 बजे, मूरी आगमन 11:38 बजे प्रस्थान 11:40 बजे, बोकारो स्टील सिटी आगमन 12:55 बजे प्रस्थान 13:00 बजे. गोमो आगमन



14:05 बजे प्रस्थान 14:10 बजे, गया आगमन 16:10 बजे प्रस्थान 16:15 बजे, पंडित उपाध्याय आगमन 19:45 बजे प्रस्थान 19:55 बजे. प्रयागराज आगमन 23:10 बजे प्रस्थान 23:20 बजे, गोविन्दपुरी आगमन 02:00 बजे प्रस्थान 02:05 बजे एवं टूण्डला आगमन ०६:३० बजे होगा। ट्रेन संख्या ०८०६८ ट्रण्डला

को टुण्डला से प्रस्थान करेगी (केवल 01 ट्रिप)। इस ट्रेन का टुण्डला प्रस्थान 16:20 बजे, गोविन्दपुरी आगमन 20:00 बजे प्रस्थान 20:05 बजे, प्रयागराज आगमन 01:00 बजे प्रस्थान 01:10 बजे, पंडित दीन दयाल उपाध्याय आगमन 05:20 बजे प्रस्थान दीन दयाल 05:30 बजे, गया आगमन 08:40 बजे प्रस्थान 08:45 बजे, गोमो आगमन 11:25 बजे प्रस्थान 11:30 बजे, बोकारो स्टील सिटी आगमन 12:45 बजे प्रस्थान 12:50 बजे, मुरी आगमन 13:50 बजे प्रस्थान 13:52 बजे और रांची आगमन

राज्य सरकार ने राष्ट्रपति पुलिस पदक के लिए कंद्र को भेजे 27 नाम

RANCHI: राज्य सरकार ने इस बार राष्ट्रपति पदक-पुलिस पदक के लिए 27 नामों की अनुशंसा की है। सूची केंद्रीय गृह विभाग को भेज दी गई है। इनमें आईपीएस अफसर से लेकर सिपाही तक शामिल हैं। केंद्र सरकार की समीक्षा के बाद तय होगा कि किसे कौन सा पदक दिया जाएगा। नाम तय होने के बाद गणतंत्र दिवस के अवसर पर इन्हें सम्मानित किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, विशिष्ट सेवा के लिए जैप के आईजी राजकुमार लकड़ा और झारखंड पुलिस अकादमी की निरीक्षक विजेयता के नाम की अनुशंसा

राहत : गरीब मरीजों के लिए अस्पताल प्रबंधन ने की बडी पहल

रिम्स में जल्द ही कई जरूरी टेस्ट के घटाए जाएंगे चार्ज

VIVEK SHARMA@RANCHI

राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के लिए बड़ी खुशखबरी। उन्हें राहत मिलने वाली है। गरीब मरीजों के लिए अस्पताल प्रबंधन ने बड़ी पहल की है। सब कुछ ठीक रहा तो कई जरूरी टेस्ट के चार्ज भी घटाए जाएंगे। इसका सीधा लाभ मरीजों को मिलेगा। बता दें कि रिम्स द्वारा नई जांच उपकरणों की खरीद को लेकर जारी किए गए टेंडर में तकनीकी जांच पूरी हो चुकी है। क्रय समिति द्वारा प्रस्तुत निविदा की तकनीकी रूप से जांच करने के बाद यह निर्णय लिया गया कि हॉस्पिटल में नई व्यवस्था के तहत जांच दरों में कमी आएगी और इससे रिम्स को भी लाभ होगा। रिम्स में हाल ही में हुए टेंडर में चयनित नई कंपनी एल १ द्वारा हॉस्पिटल में की जाने वाली जांचों की दरों में लगभग 50 फीसद तक की कमी आ सकती है। उदाहरण स्वरूप वर्तमान में टीएसएच (थायराइड स्टिम्युलटिंग हॉरमोन) जांच के लिए 37.2 रुपये खर्च होते हैं, जबिक नई कंपनी के आने के बाद यह दर घटकर केवल 18 रुपये रह जाएगी। इसी तरह अन्य महत्वपूर्ण जांचों की

दरों में भी कमी आने की उम्मीद है।

नए उपकरणों की खरीदारी को लेकर पूरी हो चुकी है तकनीकी जांच उपकरण की सप्लाई करने के लिए कंपनी का हो चुका है चयन



हर दिन आते हैं ढाई हजार मरीज

बता दें कि रिम्स में इलाज कराने के बिहार, झारखंड, ओडिशा और बंगाल से हर दिन लगभग ढाई हजार मरीज पहुंचते है। जिसमें इमरजेंसी में 500 मरीज होते है। ओपीडी में 2000 मरीज इलाज के लिए आते हैं। इन मरीजों के लिए जांच सस्ती होना किसी संजीवनी से कम नहीं है। आखिर हो भी क्यों न, बाजार से काफी कम कीमत पर उनकी जांच हो सकेगी। इससे उनकी जेब पर बोझ और कम हो

६० से अधिक मापदंडों की हुई

तुलना नई कंपनी द्वारा दिए गए उपकरणों के साथ विभिन्न प्रकार की जांचों के 60 से अधिक मापदंडों की तुलना की गई। इस तुलना में यह पाया गया कि आने वाले पांच वर्षों में रिम्स को री-एजेंट की खरीद पर लगभग 8-10 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। रिम्स को बड़ी वित्तीय बचत भी होगी। साथ ही स्वास्थ्य सेवा सस्ती और सुलभ हो

पूर्व पार्षद वेद प्रकाश हत्याकांड का मुख्य आरोपी सत्यम गिरफ्तार

RANCHI: धुर्वा के पूर्व पार्षद वेद प्रकाश हत्याकांड का मुख्य आरोपी सत्यम पाठक को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सत्यम पाठक को पुलिस ने उस समय गिरफ्तार किया, जब वो पंडरा स्थित अपने घर आया है। हालांकि गिरफ्तारी की आधिकारिक तौर पर पृष्टि नहीं हो पाई है। गौरतलब है कि वेद प्रकाश सिंह पर अपराधियों ने उस वक्त हमला किया था, जब वे सात जुलाई की शाम धुर्वा बस स्टैंड के पास स्थित एक चाय दुकान में बैठे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन अपराधी वहां आये। एक अपराधी पैदल ही हाथ में देशी कट्टा लिए वेद सिंह के पीछे पहुंचा और उस पर गोली चलाना शुरू कर दी। गोलीबारी में वेद सिंह को तीन गोली लगी। जबिक दो अपराधी बाइक पर ही बैठे थे। गोलीबारी के समय चाय दुकान में भगदड़ मच

दो पालियों में संघ लोक सेवा आयोग का रिक्रूटमेंट टेस्ट संपन्न



PHOTON NEWS RANCHI: संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित रिक्रूटमेंट टेस्ट दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल रांची में शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त तरीके से रविवार को संपन्न हो गया। प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर उनकी सराहना की। आयुक्त ने कहा कि परीक्षा के आयोजन से लेकर उसकी समाप्ति तक सभी अधिकारियों ने अपने-अपने दायित्वों का बेहतरीन तरीके से पालन किया। यहीं वजह है कि परीक्षा बिना किसी समस्या के संपन्न हुई। साथ ही बताया कि परीक्षा 22

दिसंबर को दो पालियों में आयोजित की गई थी। परीक्षा के लिए राजकीय बालिका +2 उच्च विद्यालय बरियातु रांची को उप केंद्र बनाया गया था। परीक्षा के दौरान 21 और 22 दिसंबर को उप केंद्रों पर किसी भी प्रकार की गतिविधियों पर रोक लगाई गई थी,जिससे परीक्षा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का खतरा न हो। आयुक्त ने बैठक के दौरान उप केंद्र पर्यवेक्षकों और पदाधिकारियों से परीक्षा के आयोजन से संबंधित सुझाव भी मांगे, ताकि भविष्य में और बेहतर तरीके से परीक्षाओं का आयोजन किया जा सके।

चलती ट्रेन से यात्रियों

का बैग चुराने वाले दो हुए अरेस्ट

के मामले में चक्रधरपुर रेल डिवीजन

के आरपीएफ स्क्वायंड ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही

पुलिस ने लैपटॉप चोरी के मामले का

उद्भेदन भी किया है। दरअसल ट्रेन

का लैपटॉप बैग चोरी हो गया था,

एफआईआर के आधार पर केस

टाटानगर भेजा गया। इसके बाद

आरपीएफ ने सूचना के आधार पर

सीसीटीवी की मदद से एक संदिग्ध

व्यक्ति की खोजबीन की। सीसीटीवी की मदद से एक अन्य व्यक्ति को भी

चिद्धित करके रखा था और लगातार

उसकी खोजबीन कर रहे थे। संदिग्ध

विकास को टाटानगर रेलवे स्टेशन में

गोविंदपुर निवासी अमन कुमार के घर

चोरी बिरसानगर के रहने वाले विकास

दुबे ने की थी। इन दोनों को आरपीएफ

ने रेल थाना टाटानगर के सुपुर्द कर

से बरामद किया गया। लैंपटॉप की

पकड़ा गरा। उसकी निशानदेही पर

लैपटॉप एवं मोबाइल गदरा, छोटा

नंबर– 12906 से यात्री कुणाल कुमार

इसकी प्राथमिकी बिलासपुर जीआरपी में दर्ज कराई गई थी। जीरो

समाचार सार

बाल विवाह रोकने पर हुई विस्तृत चर्चा

GHATSILA: प्रखंड स्तरीय बाल संरक्षण समिति की बैठक सोमवार को प्रखंड कार्यालय के सभागार में हुई, जिसमें आदर्श सेवा संस्थान की ओर



से बाल विवाह पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति की प्रमुख सुशीला टुडू की अध्यक्षता में आयोजित परिचर्चा में संस्थान की गुड्डी सिंह व मनोज मिश्रा ने कहा कि बाल विवाह को रोकने

के लिए सर्वप्रथम समाज के लोगों को आगे आना होगा। इसके लिए बच्चों को शिक्षा से जोड़े रखना है। बाल विवाह में शामिल हर व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है, चाहे पुजारी हो या टेंट वाला।

9 वकीलों को मिला सुप्रीम कोर्ट का प्रमाणपत्र

CHAIBASA: जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा



पैनल अधिवक्ताओं को

प्रमाणपत्र प्रदान किया। प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले पैनल अधिवक्ताओं में एनएन पांडेय, सुभाष मिश्रा, अगस्टिन कुल्लू, जी. रविशंकर, अमर बख्शी, नंदा सिन्हा, मिली बिरुआ, प्रणव दारीपा व संतोष गुप्ता हैं।

शाह ने पहुंचाई लाखों दिलों को ठेस : सुबोधकांत

JAMSHEDPUR : प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर बिष्टुपुर स्थित जिला कांग्रेस

कार्यालय में सोमवार को प्रेस वार्ता हुई, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने

एफआईआर दर्ज किए जाने की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। सदन में गृह मंत्री अमित शाह ने डॉ. अंबेडकर के बारे में जो कहा, उससे उन लाखों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है, जो डॉ. अंबेडकर को समानता, न्याय और सामाजिक परिवर्तन का प्रवर्तक मानते हैं।

मारवाड़ी स्कूल के वार्षिकोत्सव पर छात्र सम्मानित

CHAKRADHARPUR : मारवाड़ी प्लस टू विद्यालय का 76 वां वार्षिकोत्सव सोमवार को



पोड़ाहाट स्टेडियम में हुआ, जिसमें विधायक सुखराम कुमार ने मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्य सोसन प्रभावती खेस ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए स्कूल

की उपलब्धियों की जानकारी दी।

डहरे दुसु के लिए घाटशिला में जनसंपर्क

JAMSHEDPUR: वृहद झारखंड कला संस्कृति मंच द्वारा 5 जनवरी



आमबगान तक आयोजित डहरे दुसु के लिए गालुडीह, घाटशिला, धालभूमगढ़ और जनसंपर्क अभियान चलाया

दीपक रंजीत ने बताया कि इस वर्ष डहरे दुसु का आयोजन और भी भव्य होगा। सांस्कृतिक नत्य टीम द्वारा आकर्षक झांकी प्रस्तृत की जाएगी, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगी।

राकेश वर्णवाल बने चक्रधरपुर के एसीएम

JAMSHEDPUR : आद्रा के चीफ कमर्शियल इंसपेक्टर रहे राकेश कमार वर्णवाल को दक्षिण पर्व रेलवे जोन के चक्रधरपर रेल डिवीजन में एसीएम-2 पद पर नियुक्त किया गया है। विभागीय स्तर पर हुए परीक्षा के आधार पर राकेश कमार वर्णवाल को प्रमोशन दिया गया है। इस सबंध में दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के उपमुख्य कार्मिक अधिकारी मणिक शंकर ने पत्र जारी कर दिया है।

डीएवी में गणित प्रदर्शनी में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

JAMSHEDPUR : डीएवी पब्लिक स्कूल बिष्टुपुर में श्रीनिवासन रामानुजन की 137वीं जयंती पर गणित प्रदर्शनी लगी, जिसमें कक्षा तीसरी



से सातवीं तक के छात्र शामिल हुए। छात्रों ने रामानजन और गणित के क्षेत्र में उनके योगदानों को अपने शब्दों में प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुरजमल

जैन डीएवी चाईबासा की प्राचार्या रेखा कमारी उपस्थित थीं। विद्यार्थियों ने गणित के प्रोजेक्ट और उनके खोजों पर आधारित नंबर थ्योरी. इंफिनिटी सीरीज, कंटीन्यूड फ्रैक्शन इत्यादि पर 165 कार्यकारी मॉडल प्रस्तत किए। वहीं कक्षा आठवीं से दसवीं तक के छात्रों के लिए गणित

मानगो के मेडिकल स्टोर से हो रहा था नशे का कारोबार

25 लाख की दवा के साथ तीन हुए गिरफ्तार, पुलिस ने किया खुलासा

रविवार को दवा दुकान में हुई थी छापेमारी, वहीं से बड़े मामले का हुआ भंडाफोड़

पलिस ने नशे के कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए 25 लाख रुपये से अधिक की प्रतिबंधित दवा बरामद की है। यह कार्रवाई उलीडीह ओपी क्षेत्र स्थित एक दवा दुकान पर गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस ने दुकान संचालक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें संचालक राजकुमार गुप्ता, उमेश कुमार गुप्ता और चालक सोन् पांडेय शामिल है। सोमवार को एसएसपी किशोर कौशल ने इस मामले का खुलासा किया।

एसएसपी ने जानकारी दी कि डिमना रोड स्थित मां वैभव लक्ष्मी मेडिकल स्टोर से नशे का यह अवैध कारोबार चल रहा था।

खरसावां शहीद दिवस पर आएंगे सीएम हेमंत व राज्यपाल संतोष



SERAIKELA : खरसावां शहीद दिवस एक जनवरी को मनाया जाएगा। इसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का आगमन प्रस्तावित है। इसे लेकर शहीद पार्क खरसावां परिसर में उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला व पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत ने शहीद स्मारक समिति के सदस्यों तथा विभिन्न राजनीतिक दल के सदस्यों के साथ बैठक की। एसपी ने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से आवश्यकतानुसार चिह्नित स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष हुई चूक से सीख लेते हुए सभी तैयारी ससमय पूर्ण की जाएगी।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी व मामले की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल

कोलकाता से मंगाई जाती थी दवा

पुलिसिया पूछताछ में खुलासा हुआ कि ये दवा कोलकाता से मंगाई जाती थी। मेंडिकल स्टोर का लाइसेंस राजकुमार गुप्ता के नाम पर था, लेकिन इसका संचालन उमेश कुमार गुप्ता कर रहा था। पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि दुकान में क्षमता से अधिक मात्रा में दवा का स्टॉक किया गया था।

नशीली दवा के धंधे को छिपाने के की दुकान के पीछे और अपने घर लिए दुकानदार ने एक ऑटो पाटर्स में गोदाम बना रखा था। छापेमारी

मोबाइल चार्जर फटने से फ्लैट में लगी आग, मची अफरातफरी



मानगो डिमना रोड में फ्लैट के सामने लगी भीड़

JAMSHEDPUR : मानगो के डिमना रोड स्थित देवेंद्रलोक अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 505 में सोमवार शाम मोबाइल चार्जर फटने से आग लग गई। इससे फ्लैट में अफरातफरी मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। घटना की जानकारी झारखंड अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग का एक वाहन मौके पर पहुंचा। हालांकि, दमकल कर्मियों को पानी की पाइप घटना स्थल तक पहुंचाने में दिक्कतों का

भाजपा हमेशा से अंबेडकर

व संविधान विरोधी : बलमुचू

बिष्टुपुर में पत्रकारों को संबोधित करते प्रदीप बलमुचू

CHAIBASA : प. सिंहभूम जिला

मुख्यालय कांग्रेस भवन में सोमवार

को आदिवासी कांग्रेस के राष्टीय

उपाध्यक्ष सह पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ.

प्रदीप कुमार बलमुचू ने कहा कि

भाजपा व आरएसएस हमेशा से

अंबेडकर और संविधान विरोधी

रही है। 18वीं लोकसभा का

शीतकालीन सत्र भाजपा द्वारा

संविधान और संविधान निमार्ता

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के

अपमान के लिए संसदीय इतिहास में

दर्ज हो गया है। बीजेपी हमेशा से

लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों के

जिला कांग्रेस कमिटी, पश्चिमी सिंहभूम

गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कुलवंत के घर से 1.10 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया

है। पूरे मामले का सूत्रधार केशव

अकाउंटेंट ने की थी 58 लाख

की धोखाधड़ी, दो गिरफ्तार

साकची स्थित न्यू श्री दुर्गा ज्वेलरी

के मालिक भरतचंद्र नंदी के बैंक

खाते से 58.50 लाख रुपये की

धोखाधड़ी का खुलासा हुआ है।

पुलिस ने दुकान के अकाउंटेंट

साथी कुलवंत सिंह उर्फ हैप्पी को



SERAIKELA: एनआर प्लस-2 हाई स्कूल की शकीला महतो ने सोमवार को रांची में आयोजित राज्य स्तरीय युवा उत्सव प्रतियोगिताओं में एकल लोक नृत्य में दूसरा पुरस्कार हासिल किया। इसके साथ ही उसने 12 जनवरी को नई दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिस्पर्धा के लिए अर्हता प्राप्त कर ली। इससे पहले शकीला महतो ने 12 दिसंबर 2024 को सरायकेला में आयोजित कार्यक्रम में एकल लोक नृत्य में जिला स्तर पर प्रथम परस्कार और १९ दिसंबर २०२४ को चाईबासा में आयोजित क्षेत्रीय स्तर पर एकल लोक नत्य प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार हाँसिल किया था। नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा पदाधिकारी क्षितिज, जिला खेल पदाधिकारी अमित कमार, एनएसएस के जिला समन्वयक डॉ. ओम प्रकाश एवं एनआर स्कूल के प्रमोद कुमार राउत ने बधाई दी।

नशेड़ियों को होम डिलीवरी की सुविधा

एसएसपी ने बताया कि प्रतिबंधित एक दवा की कीमत बाजार में 10-15 रुपये होती है, लेकिन इसे 30 से 40 रुपये तक बेचा जा रहा था। इन दवा का इस्तेमाल नशे के लिए किया जाता था और दुकानदार नशेड़ियों को होम डिलीवरी की सुविधा भी प्रदान करता था। उमेश गुप्ता पूर्व में भी इसी तरह के मामलों में जेल जा चुका है। दुकानदार इन प्रतिबंधित दवा को स्थानीय नशेड़ियों तक आसानी से पहुंचा रहा था। जांच में यह भी पाया गया कि ग्राहकों की संख्या बढ़ाने के लिए दवा की होम डिलीवरी की जा रही थी।

लाइसेंस रह करने की अनुशंसा

पुलिस ने जब्त की गई सभी दवा को सील कर दिया है और मेडिकल स्टोर का लाइसेंस रद्द करने की अनुशंसा की है। एसएसपी ने बताया कि इस तरह के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

दौरान इन गोदामों से 25.10.049 रुपये मल्य की

प्रतिबंधित दवा की खेप बरामद

जमीन विवाद में पड़ोसी की हत्या मामले में दो

आरोपियों को जेल

JAMSHEDPUR : मानगो थाना क्षेत्र की कुमरुम बस्ती में रविवार को जमीन विवाद में 48 वर्षीय रसिक माझी की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी प्रसन्न प्रिय और उसके भाई प्रियम पीयुष को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

रविवार को आरोपी रसिक की जमीन पर रास्ता बनाने के लिए खोदाई कर रहे थे। जब रसिक ने इस पर आपत्ति जताई, तो दोनों भाइयों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पिटाई के कारण रसिक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद आरोपी रसिक को खाट पर लिटाकर मौके से फरार हो गए। इस संबंध में मृतक के भाई विनोद के बयान पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज

सड़क दुर्घटना में घायलों की



सड़क सुरक्षा पर बैठक करते उपायुक्त कुलदीप चौधरी

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय में सोमवार को उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर की संयुक्त अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें उन्होंने सड़क सुरक्षा को लेकर कई निर्देश दिए। उपायुक्त ने सड़क दुर्घटना में घायलों को मदद करने वाले राजा राम गुप्ता, मजहरुल हक समशी व तहसीन अमीन को प्रशस्ति पत्र देकर

सम्मानित किया। इसी क्रम में उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा के सभी संबंधित पदाधिकारियों को बैठक में विस्तृत रिपोर्ट के साथ आने और ट्रॉमा का प्रपोजल तैयार करने के लिए चिकित्सा पदाधिकारी को निर्देश दिया। इसके अलावा अंचल तथा अनुमंडल में लंबित मुआवजा से संबंधित मामले को जल्द से निष्पादित करने तथा बड़े स्तर पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम करने का निर्देश दिया।

एकल लोकनृत्य में द्वितीय कांग्रेस ने कभी नहीं किया रही शकीला महतो अंबेडकर का सम्मान : सांसद



साकची में पत्रकारों को संबोधित करते सांसद बिद्युत बरण महतो व अन्य

JAMSHEDPUR : सांसद बिद्युत बरण महतो ने सोमवार को प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं को आड़े हाथों लिया। सांसद ने कांग्रेस पार्टी पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति कांग्रेस का रवैया हमेशा दोहरा और अपमानजनक रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर बाबा साहेब के नाम का इस्तेमाल केवल वोट बैंक की राजनीति के लिए करने और उनके

सिद्धांतों को कचलने का आरोप लगाया। 1952 और 1954 के चुनावों में उन्हें हराने के लिए कांग्रेस ने हरसंभव प्रयास किया। प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने कांग्रेस पार्टी पर लोगों को भ्रमित करने और झुठ फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी गहमंत्री अमित शाह के सात मिनट के भाषण से कुछ सेकंड के वीडियो को निकालकर उन्हें बेवजह कठघरे में खड़ा कर रही है।



घाटी में ट्रैक्टर के पलटने से बच्ची की मौत, महिला घायल

GOILKERA: गोइलकेरा के

पोकाम घाटी में एक टैक्टर के

पलटने से सात वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। हादसे में उसकी मां गंभीर रूप से घायल है। उसे उपचार के लिए गोइलकेरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से चाईबासा रेफर किया गया है। मां-बेटी गोइलकेरा बाजार जाने के लिए घर से पैदल निकली थी। रास्ते में एक ट्रैक्टर चालक ने उन्हें लिफ्ट दी और इंजन के ही किनारे की खाली सीट पर बैठा लिया। थोड़ी दूर जाते ही यह हादसा हुआ। पोकाम गांव की मुनिया गोप अपनी बेटी प्रिया गोप के साथ पैदल जा रही थी। उन्हें गोइलकेरा बाजार में काम था। गोइलकेरा-मनोहरपुर मुख्य मार्ग पर एक ट्रैक्टर को देख दोनों ने लिफ्ट ले ली। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रैक्टर बमुश्किल एक किमी भी नहीं बढ़ी थी कि दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गया। ट्रैक्टर पर चालक के साथ एक अन्य व्यक्ति भी पहले से सवार था। हादसे के बाद दोनों गाड़ी छोड़कर भाग खड़े हुए। बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मुनिया गोप गंभीर रूप से घायल है। ग्रामीणों के सहयोग से उसे अस्पताल लाया गया। इधर घटना से गुस्साए लोगों ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया है। ट्रैक्टर किसका है, इस बारे में

लोगों को कोई जानकारी नहीं

मिल सकी है।

ा४ सूत्री मांग पर अड़ी झारखंड मजदूर यूनियन, वार्ता करने नहीं गया प्रबंधन

टाटा स्टील के आयरन ओर माइंस में मजदूरों ने शुरू की आर्थिक नाकेबंदी

प्रति तिरस्कार दिखाने का कोई

मौका नहीं छोडती । इस बार तो हद

ही पार कर दी। संविधान के 75 वर्ष

परे होने पर कांग्रेस समेत इंडिया

गठबंधन के दलों ने संसद में

सरकार से संविधान पर चर्चा की

मांग रखी, अडानी, मणिपुर, संभल

जैसे मामलों पर सदन में बहस की

मांग लगातार ठकराए जाने के बाद

प्रतिपक्ष की संविधान पर चर्चा की

मांग मान ली गई। इस मौके पर

कांग्रेस समेत सभी दलों ने सरकार

को लोकतांत्रिक और संवैधानिक

मुल्यों की प्रतिबद्धता याद दिलाई।

PHOTON NEWS CHAIBASA: टाटा स्टील की विजय-टू लौह अयस्क खदान में झारखंड मजदुर यूनियन के बैनर तले सैकड़ों मजदुरों ने आर्थिक नाकेबंदी शुरू कर दी है। 14 सूत्री मांगों को सोमवार सुबह 5 बजे से उत्पादन व माल ढुलाई कार्य अनिश्चितकाल के लिए ठप कर दिया है। आंदोलन में शामिल मजदूरों ने खदान के सुरक्षा गार्डी तथा आवश्यक सेवा जैसे एंबुलेंस, भोजन, पानी, डीजी चलाने के लिए डीजल आदि को मुक्त रखा है। इस दौरान टाटा स्टील या इनके अधीन कार्यरत तमाम वेंडरों के एक भी अधिकारी व कर्मचारी को खदान के अंदर जाने नहीं दिया गया। प्रथम पाली के बाद द्वितीय एवं रात्रि पाली में भी यहीं स्थिति रहने वाली है। इस

खदान से लौह अयस्क का एक



टुकड़ा उत्पादन व ढुलाई सोमवार व्यवस्था पर नजर रख रहे हैं। इस को नहीं हो पाया है। इधर आंदोलन संबंध में यूनियन के अध्यक्ष की खबर मिलते ही किरीबुर के दीनबंधु पात्रो ने बताया की टाटा स्टील प्रबंधन उनकी 14 सूत्री मांगों थाना प्रभारी बमबम कुमार, गुवा थाना प्रभारी नीतीश कुमार के को पूरा नहीं कर रहा है। पिछले दो अलावा भारी संख्या में पुलिस बल साल से हम अपनी मांगों को लेकर घटनास्थल पहुंचकर विधि-कंपनी प्रबंधन से आग्रह करते आ

इन मांगों को लेकर हो रही हड़ताल

झारखंड मजदूर यूनियन ने जो मांगें प्रबंधन के पास रखी हैं, उसमें 100 स्थानीय ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को स्थायी रोजगार देना, लंबे समय से कार्यरत स्थानीय मजदूरों का स्थायीकरण करना, मजदूरों को मेडिकल जांच में अनिफट पाए जाने पर कंपनी–वेंडर द्वारा इलाज कराके दोबारा काम पर रखना, कंपनी एवं ठेकेदार के अधीन कार्यरत मजदूरों को ईएसआई चिकित्सा सुविधा का लाभ देना, सभी ठेका मजदूरों को योग्यतानुसार वेतन देना, सभी ठेका मजदूरों को 20 प्रतिशत बोनस एवं डस्ट एलाउएंस एक समान मिलना चाहिए, मजदूर की मृत्यु हो जाने पर उसके बेटा या पत्नी को नौकरी देना, कार्यस्थल पर दुर्घटना होने पर मेडिकल सुविधा एवं वेतन भुगतान जारी रखना, मजदूर की मृत्यु या सेवानिवृत्त होने पर उन्हें उचित राशि देना, ठेका मजदूरों को नियुक्ति पत्र देना, कंपनी और ठेका मजदूरों के लिए कैंटीन की सुविधा, जब भी ठेकेंदार बदली होता है तो 45 से 90 दिन के अंदर फूल व फाइनल राशि का भुगतान होना, 5 साल काम करने पर ग्रेच्युटी मिलना, यदि मजदूर अपने कार्यकाल में गंभीर बीमारी से ग्रस्त होता है तो उसके घरवालों को नौकरी देना आदि शामिल हैं।

रहे हैं। सोमवार सुबह 5 बजे से हम आर्थिक नाकेबंदी कर रहे हैं, लेकिन शाम तीन बजे तक कंपनी का कोई भी पदाधिकारी हमसे एक परिवार का सदस्य के नाते भी हमारी सुध लेने नहीं आया। कंपनी हमारे धैर्य की परीक्षा नहीं ले,

क्योंकि हम सभी महीनों तक यहां 24 घंटे आंदोलन करने को तैयार हैं। जब तक हमारी मांगें नहीं मानी जाती हैं, तब तक हम यहां से हटने वाले नहीं हैं। तीनों पाली का उत्पादन व माल ढुलाई सौ फीसद बंद है। टाटा स्टील की विजय-टू

खदान में प्रतिदिन लगभग 6 हजार टन लौह अयस्क का उत्पादन व लगभग 4 हजार टन लौह अयस्क की दुलाई की जाती है। जैसे-जैसे आंदोलन आगे बढ़ेगा, वैसे वैसे कंपनी के नुकसान का ग्राफ भी बढ़ता जाएगा।

आरक्षण खत्म करने की साजिश के तहत बीजेपी की संविधान बदलने की कोशिश को 2024 के आम चुनाव में जनता ने नाकाम कर दिया था और बैसाखी सरकार बना कर लोकतांत्रिक मूल्यों का पाठ पढ़ाया था । लेकिन बीजेपी ये खीज अब संविधान निमार्ता पर निकाल रही है और बाबा साहेब का अपमान किया गया है । लेकिन दुख की बात ये है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमित शाह को सीख देने के बजाय आरोप- प्रत्यारोप की राजनीति तेज कर दी ।

मोजन-पानी लेकर डटे मजदूर आंदोलन स्थल पर ही मजदूर खाना

बना व खा रहे हैं। रात में तंबू लगाकर जंगल के बीच आंदोलन स्थल पर ही सोएंगे। आपस में चंदा कर सारे मजदूर खाद्य सामग्री खरीदे हुए हैं। पानी टैंकर व अन्य व्यवस्था पहले से करके रखा हुआ है। इस मौके पर यूनियन के कोल्हान प्रमंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद मोहती, जिलाध्यक्ष आशीष कुदादा, उपाध्यक्ष करनेश जेराई, महासचिव राजेंद्र चांपिया, बराईबरू इकाई के अध्यक्ष दीनबंधु पात्रो, महासचिव दुलाल चांपियां, उपाध्यक्ष परमेश्वर बुरमा, पूर्व जिप सदस्य बामिया माझी, मधु सिधु, लखन चांपिया, बागी वांपिया, सुखराम सिधु, सादो देवगम, कमल बुरमा, मेघाहातुंबुरु इकाई के महासचिव शांतिएल भेंगरा, सचिव बिनोद होनहागा आदि के अलावा गुवा व किरीबुरु इकाई के पदाधिकारी तथा सारंडा के विभिन्न गांवों के सैकड़ों ग्रामीण व महिलाएं पारंपरिक हथियारों से लैस हैं।

O BRIEF NEWS

नवादा में नहर में ड्बकर

युवक की गई जान

NAWADA : जिले वारिसलीगंज थानाक्षेत्र

कोचगांव पंचायत में एक व्यक्ति की मौत नहर में डूबने से हो गयी। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक वारिसलीगंज

थाना के कोचगांव पंचायत के

जयंत नगर मुसहरी का रहने वाला

दासो मांझी का 35 वर्षीय पुत्र

बबल मांझी है । बताया गया है कि

बबलू मांझी अपने घर का एकमात्र

कमाने वाला था. लाश मिलने की

सूचना के बाद मौके पर पहुंचे

समाजसेवी लाल बहादुर उर्फ

गोल्डन सिंह, समाजसेवी परी

लाल सिंह एवं मुखिया कुमुद सिंह

ने शोक संवेदना व्यक्त किया है एवं

मृतक के परिवार को मुखिया के

द्वारा कबीर अंत्येष्टि तहत ?3000

रुपया प्रदान किया गया.सूचना

मिली कि वारिसगंज थानाक्षेत्र के

सिमरी और कोचगांव के बीच के

नहर में शव पड़ा है .पुलिस

घटनास्थल पर पहुंचकर शव को

पानी से बाहर निकाली ,जिसके

BHAGALPUR : जिले के बरारी

थाना क्षेत्र स्थित डीआईजी आवास

के समीप एक लॉज में जीएनएम

की छात्रा ने पंखे से झुल कर

खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा

है कि मतका अपने बहन साक्षी के

साथ किराए के मकान में रहकर

पढाई करती थी। मतका की बहन

साक्षी सबह जब नहाने के लिए गई

तो इधर फंदे से झुलकर उसने

आत्महत्या ली। जब साक्षी वापस

आई तो कमरे में फंदे से लटकता

हुआ कंचन का शव देखा। उसके

बाद साक्षी ने घटना की जानकारी

मकान मालिक को दिया। इधर,

सूचना के बाद मौके पर पहुंचे

मकान मालिक सहित अन्य लोगों

ने उन्हें फंदे से उतारकर

जवाहरलाल नेहरू मेडिकल

कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां

पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर

दिया। मृतका भागलपुर पुलिस बल

में तैनात कांस्टेबल की बहन है।

मरने वाले की पहचान धोरैया थाना

क्षेत्र निवासी रामाशीष मांझी के

पुत्री कंचन कुमारी (22) के रूप

में की गई है। घटना के पीछे का

कारण को लेकर परिजन कुछ भी

बोलने से इनकार कर रहे हैं।

हालांकि कंचन ने खुदकुशी क्यों

किया इसका स्पष्ट कारण पता नहीं

चल पाया है। इधर, सूचना के बाद

मौके पर पहुंची पलिस ने शव को

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तस्करी मामले में एक को

18 वषा का सश्रम कारावास

CHAMPARAN : एनडीपीएस

कोर्ट के विशेष न्यायाधीश

सूर्यकांत तिवारी ने मादक पदार्थ

मार्फिन के तस्करी मामले में दोषी

पाते हुए नामजद एक अभियुक्त

को अठारह वर्षों का सश्रम

कारावास व दो लाख रुपये अर्थ

दंड की सजा सुनाए है। अर्थ दंड

नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त

सजा काटनी होगी। सजा

घोड़ासहन के बंसवरिया निवासी

बाबुनंद प्रसाद के पुत्र आमोद

कुमार को हुई है। 15 फरवरी

2023 को पुलिस को गुप्त सूचना

मिली कि मोटरसाइकिल से एक

युवक मादक पदार्थ लेकर शहर में

आनेवाला है। सचना के आलोक

में तत्कालीन छतौनी थानाध्यक्ष

बी.के चौधरी के नेतृत्व में छतौनी

बस स्टैंड के समीप भटहां मोड के

पास वाहन जांच शुरू किया गया।

बाद उसकी पहचान हो पायी।

लॉज में जीएनएम की

छात्रा ने की खुदकुशी

को लेकर गांव के ही एक युवक

से कहासुनी और गाली गलौज हुई

थी। वो बाइक से था। शोर शराबे

की आवाज सुनकर वार्ड पार्षद

समेत स्थानीय अपने घरों बाहर

निकले, जिसके आसपास के लोगों

की भीड जट गई। यहां पहुंचे लोगों

ने पिकअप चालक सोनू कुमार को

समझाकर किसी तरह घर भेज

दिया। कुछ देर बाद ही पिकअप

चालक सोन् गाड़ी लेकर आया

और तेज रफ्तार में सड़क के पास

खड़े लोगों को रौंद दिया। हादसे को

अंजाम देकर पिकअप चालक सोन्

गांव के ही कालीबाग से धमदाहा

AGENCY BEGUSARIA:

बिहार के बेगुसराय जिले से

मानवता को शर्मसार कर देने वाली

खबर सामने आई है। यहां भीड़ ने

एक मामूली विवाद के बाद महिला

को डायन बता कर उसकी सरेआम

पिटाई कर दी। भीड़ के हमले से

महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

उसे इलाज के लिए अस्पताल में

भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा

है कि जिस वक्त महिला की पिटाई

की जा रही थी उस वक्त महिला रहम

की भीख मांग रही थी। लेकिन किसी

ने उसकी नहीं सुनी। हालांकि इसी

दौरान किसी ने इस घटना की

जानकारी 112 पर दे दी और मौके

पर पहुंची पुलिस ने महिला को भीड़

से छुड़ाया। ये घटना घटना जिले के

बीरपुर थाना क्षेत्र के मुसहरी की है।

यहां किसी बात को लेकर महिला

अखिलेश कमार मनि के चाचा

बिट्टू कुमार मुनि ने बताया कि

अखिलेश 5 भाई था। पिता दिव्यांग

हैं और मां बीमार। जिस वजह से

पांचों बेटे मिलकर घर चलाते थे।

अखिलेश पांचों भाई चौथे नंबर पर

था। उसकी मौत से घर का एक

सहारा छीन गया। बेटे की मौत के

बाद से दिव्यांग पिता और बीमार मां

पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

मृतकों की पहचान धमदाहा थाना

क्षेत्र के डोकवा गांव निवासी मुकेश

मुनि के 7 साल के बेटे अमरदीप

कुमार, भगवान ठाकुर के बेटे 55

साल के ज्योतिष ठाकुर और एक

अन्य के रूप में की गई है। वहीं,

घायलों में मनीषा कमारी ,टिवंकल

कुमार, पूनम देवी, राजेश मुनि,

अभिनंदन कुमार सहित अन्य

शामिल हैं। सभी एक ही गांव के

121 report

महिला के साथ बेरहमी हो रही थी।

वहां मौजूद एक एंबुलेंस कर्मी और

चौकीदार ने डायल 112 की टीम को

इस घटना की जानकारी दी। जिसके

बाद मामले की गंभीरता को समझते

हुए पुलिस की टी मौके पर पहुंची

और महिला को छुड़ाया। बता दें कि

यह कोई पहली घटना है। जहां इस

तरह कि बर्बरता की गई हो। कुछ

दिनों पहले पूर्णिया जिले से भी ऐसी

ही एक खबर सामने आई थी। जहां

जिले के धमदाहा प्रखंड के

किशनपुर बलुवा पंचयात के कुकरन

नंबर एक वार्ड संख्या आठ में एक

महिला पर डायन का आरोप लगाते

हुए ना सिर्फ भरी पंचायत में उस पर

आरोपितों ने ढाई लाख का जुमार्ना

ठोका बल्कि जुमार्ना नहीं देने पर

बिल देने की भी धमकी दी गई थी।

Tuesday, 24 December 2024

बगहा से नीतीश ने की प्रगति यात्रा की शुरुआत

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने

अपनी 15वीं प्रगति यात्रा की

शुरूआत वाल्मिकीनगर के

🗕 १३९ करोड की लागत से बनी विद्युत परियोजना का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन जीविका समूह के हस्तनिर्मित सामानों के स्टॉल की सीएम नीतीश ने की सराहना

बगहा अनुमंडल के कई गांव आज भी सोलर पावर पर निर्भर हैं, जिससे बिजली की आपूर्ति में बाधा आती है। नई विद्युत परियोजना के तहत ट्रांसफॉर्मर लगाए जाएंगे जिससे वोल्टेज की समस्या का समाधान होगा और क्षेत्र के विकास को नर्ड गति मिलेगी। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत

सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। इन योजनाओं से क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही सब कुछ मिलाकर 701 करोड़ की लागत से परिजनाओं का शिलान्यास हुआ। मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए घोटवा टोला को आकर्षक तरीके से सजाया गया था। गांव की महिलाओं ने फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। जीविका समूह की ने हस्तनिर्मित महिलाओं सामानों के स्टॉल लगाए, मुख्यमंत्री अवलोकन किया और उनकी सराहना की।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

701 करोड़ की परियोजनाओं का सीएम ने किया शिलान्यास

AGENCY BAGHA:

घोटवा टोला से की। इस दौरान मुख्यमंत्री 17 मिनट तक गांव में रहे, जहां उन्होंने विभिन्न विकास योजनाओं का शुभारंभ करते हुए वृक्षारोपण किया और जीविका समृह की महिलाओं से संवाद स्थापित किया। मुख्यमंत्री ने यात्रा के दौरान 139 करोड़ रुपए की लागत से बनी विद्युत परियोजना का उद्घाटन किया। इस परियोजना के जरिए दोन, दियारा और जंगल क्षेत्रों में नियमित और वोल्टेज युक्त बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इस पहल से सुदूरवर्ती इलाकों के लोगों को सालों परानी विद्यत समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। वाल्मिकीनगर सांसद सुनील कमार ने कहा, सीएम कोई भी कार्यक्रम वाल्मिकीनगर से करते हैं। सीएम नीतीश के जहन में बाल्मीकी बसता है। यहां के लोगों से वे स्नेह और प्यार करते हैं। समय-समय पर आकर सीएम ये भी देखते हैं कि जो परियोजनाओं का उन्होंने शिलान्यास किया था, वो सही से चल रहा है या नहीं। सीएम नीतीश की सरकार में पूरे बिहार का विकास हो रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बगहा अनुमंडल के विकास के लिए योजनाओं शिलान्यास भी किया। इनमें

विद्युत परियोजना बनेगी मील का पत्थर

करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। पूरे क्षेत्र में पुलिस बल तैनात था, जिससे कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री की इस यात्रा ने न केवल विकास कार्यों को रफ्तार दी, बल्कि क्षेत्र के लोगों के साथ उनकी सहभागिता और संवाद ने विश्वास का नया अध्याय भी जोडा।

साइड देने को लेकर हुआ विवाद, ड्राइवर वापस आया और लोगों को शैंद दिया पूर्णिया में सड़क हादसा, पिकअप ने 13 लोगों को कुचला, 5 की मौत

पूर्णिया में एक पिकअप ने 13 लोगों को कुचल दिया। हादसा इतना भयावह था कि इसमें 3 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मरने वालों में एक 7 साल का बच्चा भी है। हादसा रविवार रात 10 बजे के करीब हुआ। वहीं आज सुबह इलाज के दौरान 2 लोगों की जान चली गई। घायलों को ग्रामीणों की मदद से पहले स्थानीय अस्पताल में एडिमट कराया गया था। फिलहाल 8 लोगों को इलाज के लिए पूर्णिया में एडिमट कराया गया। घायलों ने कहा कि एक बाइक वाले से साइड देने को लेकर हुए विवाद के बाद पिकअप का ड्राइवर वापस आया और लोगों को रौंद डाला। वो नशे में धत था। घटना धमदाहा थाना क्षेत्र के नगर पंचायत धोकवा

जिले के गायघाट प्रखंड की

शिवदहा पंचायत के बठवाडा गांव

में देर रात अचानक आग लगने से

दर्जनों घर जलकर राख हो गए,

जिससे लाखों का नकसान हुआ

है. आग लगने के पीछे की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है।

आग लगने के बाद घरों के लोग

अपनी जान बचाने के लिए भाग

निकले और अपने मवेशियों को भी

सुरक्षित निकालने में सफल रहे।

आस-पास के लोगों ने आग पर

काबू पाने की बहुत कोशिश की,

लेकिन आग तेजी से फैलती गई

और एक के बाद एक कई घर

इसकी चपेट में आ गए। आग की

सूचना मिलते ही बेनीबाद थाना

प्रभारी अभिषेक कुमार घटनास्थल

पर पहुंचे। इसके बाद गायघाट सीओ

शिवांगी पाठक को सूचित किया।

इसके बाद घटना की जानकारी

अग्निशमन विभाग को दी गई।

करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के

बाद आग पर काबू पाया जा सका।

जाम में बुरे फंसे तेजस्वी

कार में किया टाइम पास

HAZIPUR: नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी

यादव को रविवार रात भीषण जाम का सामना करना पड़ा। तेजस्वी

का काफिला घंटों तक टैफिक में

फंसा रहा। इस दौरान वो कार में

मोबाइल पर टाइम पास करते

दिखे। वहीं जाम को हटाने में

सुरक्षाकर्मियों के पसीने छूट गए।

इस दौरान पुलिसकर्मी भागते-

दौड़ते नजर आए। वहीं नेता

प्रतिपक्ष को घंटों जाम का सामना

करना पडा। वैसे तो जाम झेलना

आम आदमी की नियति बन गई

है। लेकिन रविवार को वीआईपी

लोगों को जाम से दो-चार होना

पड़ा। दअसल तेजस्वी हाजीपुर

में एक कार्यक्रम में शामिल होने

जा रहे थे. फिर उन्हें वहां से

पटना जाना था। लेकिन इसी

दौरान महात्मा गांधी सेतु पर

भीषण जाम लग गया। तेजस्वी

का काफिला भी जाम में फंस

गया। जिसके बाद गाड़ियों को

आगे निकलवाने में सुरक्षाकर्मियों

को काफी मशक्कत का सामना



घायल को अस्पताल ले जाते परिजन।

की है। वारदात के वक्त पिकअप को तेज रफ्तार में देख मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति हो गई थी। कहा जा रहा है कि कुछ लोगों ने तो भागकर अपनी जान बचाई। हादसे की जानकारी मिलते ही

मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार,

जब तक अग्निशमन विभाग के

वाहन मौके पर पहुंचे, तब तक

लगभग सभी घर जलकर राख हो

चुके थे। अगलगी से प्रभावित

परिवारों में राजेश राय, मुकेश राय,

राकेश यादव, राम सुंदर यादव

सहित करीब दर्जन परिवार शामिल

हैं। प्रखंड प्रमुख श्रवण कुमार सिंह

और गायघाट विधायक निरंजन राय

ने सभी पीड़ित परिवारों को

मुआवजे के साथ-साथ अन्य मदद

भी देने की मांग की है। सीओ

शिवांगी पाठक ने बताया कि वे खुद

राजस्व कर्मचारी के साथ घटना की

जांच कर रही हैं। जाँच रिपोर्ट

सामने आने के बाद सभी पीड़ित

परिवारों को नियमानुसार मुआवजे

AGENCY MUZAFFARPUR:

ये इश्क नहीं आसां, बस इतना

समझ लीजिए. कि आग का दरिया

और डूब के जाना है। बिहार के

मुजफ्फरपुर में एक प्रेमी युगल के

लिए यह फिट बैठता है जिन्हें इश्क

करने के गनाह में समाज के

ठेकेदारों के द्वारा तालिबानी सजा

दी गई। गांव वालों ने दोनों के एक

चौराहे पर पोल से बांध दिया। प्रेमी

के कपड़े उतार दिए और फिर दोनों

की सरेआम पिटाई की। इतना ही

नहीं इसका वीडियो बना लिया

जिले के सकरा थाना इलाके के

एक गांव की बताई जा रही है।

हालांकि द फोटोन न्यूज इस

वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

वीडियो सामने आने के बाद पूरे

इलाके में सनसनी फैल गई है।

मुजफ्फरपुर पुलिस भी सोशल

मीडिया पर वायरल वीडियो को

देखकर एक्शन में आ गयी है।

सोशल मीडिया पर वायरल

वीडियों में देखा जा रहा है कि

वायरल कर दिया। घटना

प्रेमी जोड़े को तालिबानी सजा, पोल

में बांधकर पिटाई का वीडियो वायरल

मुजफ्फरपुर में लगी भीषण

आग, दर्जनों घर जलकर राख

स्थल पर पहुंच कर मासूम समेत तीनों लोगों की लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं, वारदात के बाद से चालक घर छोड़कर फरार है। घटना के चश्मदीद और घायल ट्विंकल कुमार ने बताया कि

की ओर फरार हो गया। घायल ने बताया कि 'आरोपी ड्राइवर सोन् शराब के नशे में था। पुलिस फिलहाल आरोपी पिकअप चालक की खोजबीन कर रही है। मृतक

बेगुसराय में मानवता शर्मसार

सबह सडक हादसे में बाइक सवार दो यवक की मौत हो गई। दोनों उनके घर से 500 मीटर पहले एक अज्ञात फोर व्हीलर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे की पहचान की, जिसके बाद कराया गया, जहां इलाज के दौरान रघुवंश नगर थाना के वरुणा गांव रूप में हुई है। अमन की 6 महीने पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच

सड़क हादसे में बाइक सवार दो लड़कों की मौत महिला को डायन बता की पिटाई

PURNIYA: पूर्णिया में सोमवार काम से घर लौट रहे थे. तभी की कुछ ही देर बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय ने दोनों आनन-फानन में सभी को इलाज के लिए अस्पताल में एडिमट दोनों ने दम तोड़ दिया। घटना के वार्ड 14 की है। मृतक की पहचान वरुणा गांव के रहने वाले शिवचरण दास के 18 साल के बेटे सुभाष कुमार और भिखारी दास के 25 साल के बेटे अमन कुमार के पहले ही शादी हुई थी। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पर्णिया भेज दिया है।

प्रेमी प्रेमिका दोनों को रस्से से

बीजली के पोल में बांध दिया

गया। उनकी पिटाई की गयी उसके

बाद का वीडियो बनाया गया।

प्रेमिका रो रोकर गुहार लगा रही है

लेकिन उनपर जुल्म ढाने वाले का

दिल पसीज नहीं रहा। गांव वाले

भी तमाशबीन बनकर यह सबकछ

देखते रहे। जानकारी मिल रही है

कि महिला का पति मर चुका है

जिसे गांव के ही एक युवक ने प्रेम

जाल में फंसा लिया। दोनों के बीच

मेल जोल बढ़ता देख लोगों को

शक हो गया। उसके बाद उन्हें

सबक सिखाने के लिए इस घटना

को अंजाम दिया गया। इस मामले

में मुजफ्फरपुर के ग्रामीण एसपी

विद्यासागर ने कहा है कि पलिस ने

का कुछ लोगों से विवाद हो गया था। जिसके बाद विरोधी पक्ष के लोगों ने प्लान बनाकर पहले तो महिला को डायन बताया। इसके बाद उसकी पिटाई करनी शुरू कर दी। जिस वक्त

PATNA : पटना में रोजगार मेला में 25 चयनित अभ्यर्थियों को नियक्ति पत्र देने के बाद केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने मीडिया से बात की। उन्होंने इस दौरान बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी प्रसाद यादव पिछले 20 साल से सपना देख रहे हैं और आगामी 5 साल भी देखेंगे। सपना देखना में कोई बुराई नहीं है। लेकिन उनका सपना कभी पूरा नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि सपना देखने की हर किसी को आजादी है। मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा पर कहा कि मुख्यमंत्री अब तक हुआ विकास के कार्यों को देखते हैं, अब क्या हुआ। यह भी देखते हैं कि आगे क्या करने की संभावनाएं है, इसका आंकलन करते है। इससे प्रगति होना तय है। इससे पहले बिहार के नेता प्रतिपक्ष ने राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए उनकी प्रगति

सपना देखना बुराई नहीं, तेजस्वी अगले 5 साल भी देखेंगे : ललन सिंह

यात्रा को अलविदा यात्रा कहा था। हुई है। परिजनों ने शव का

किशनगंज में दीवार गिरने से तीन लोगों की गई जान, एक जख्मी

बिहार में किशनगंज जिले के बहादुरगंज थानाक्षेत्र के मुख्य बाजार झांसी रानी चौक के समीप दुर्गा मंदिर के पास रविवार की रात दीवार गिरने से तीन की मौत हो गई है। जबिक, एक जख्मी है। स्थानीय लोगों ने सभी लोगों को इलाज के लिए बहादुरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया। जहां डाक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। जबकि, एक की मौत सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई है। एक घायल का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में ही चल रहा है। घटना के बाद से ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल बना हुआ है। जबकि, पूरे गावं मे मातम का माहौल बना हुआ है। मतक की पहचान मो। आलम. मो। शाहीद आलम, भरत कुमार सभी बहादुरगंज निवासी के रूप मे



अस्पताल के बाहर जुटी लोगों की भीड़।

पोस्टमार्टम करवाने से इंकार कर दिया है। घायल की पहचान मो। मुन्ना, बहादुरगंज निवासी के रूप मे हुई है। सोमवार को स्थानीय लोगों ने बताया कि सभी लोग राम कुमार अग्रवाल के बाउंड्री के समीप पेशाब करने गए थे जहां बॉउंडी की दीवार गिरने से सभी लोग गंभीर रुप से जख़्मी हो गए, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने

हादसे पर दुख जताते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया। उन लोगों का कहना था कि अगर अस्पताल में डाक्टर मौजूद रहते तो शायद लोगों की जान बचाई जा सकती थी। एसडीपीओ-1 गौतम कमार ने बताया कि तीन लोगों के मौत की सूचना मिली है। दीवार गिरने से जान गई है। मामले की

कार्यक्रम :

पटना के ऊर्जा स्टेडियम में समारोह का हुआ आयोजन, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह थे मौजूद

चयनित अभ्यर्थियों को दिया गया नियुक्ति पत्र, खिले चेहरे

राजधानी पटना के ऊर्जा स्टेडियम में सोमवार को भारत सरकार के पशुपालन और मत्स्य विभाग के मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कई विभाग में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया। पूरे देश में केंद्र सरकार के द्वारा चयनित 71 हजार अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस कड़ी में ललन सिंह ने 25 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में सीमा सशस्त्र बल और सीआरपीएफ के अधिकारी मौजूद रहे। ललन सिंह ने कहा कि इस नियुक्ति में अधिक से अधिक महिलाओं को नियुक्ति पत्र दिया



गया है। यह महिला सशक्तिकरण कि जीवन संघर्षशील रहा है। इस के प्रयास में अच्छी पहल है। नियुक्ति पत्र पाने वाले अभ्यर्थियों में काफी उत्साह देखने को मिला। सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन और बधाई दी। नियुक्ति पत्र पाने वाले अभ्यर्थियों ने बताया

दिन का इंतजार था। सासाराम की रहने वाली स्टेशन मास्टर के पद पर चयनित दिव्या कुमारी ने बताया कि वह घर की सबसे बड़ी बेटी है। उसके पिता प्राइवेट नौकरी करते हैं। कुछ समय पहले उसके भाई की मौत हो गयी थी। भाई को खोने के बाद पूरा परिवार हताश हो गया था। दिव्या ने बताया कि आज उसकी नौकरी लगने के बाद घर में फिर से ख़ुशी का माहौल देखने को मिला है। घर के लोग काफी खुश हैं।

विवाद के दौरान भिड़ गए जुनियर-सीनियर विद्यार्थी ARARIYA: अरिया के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज युद्ध का अखाड़ा बन गया। राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में जूनियर व सीनियर छात्रों के बीच मारपीट का विवाद सामने आया है। वही, कॉलेज के अलग–अलग सेमेस्टर के आधा दर्जन जूनियर छात्रों ने रविवार की देर रात अररिया नगर थाने में सीनियर छात्रों द्वारा की जा रही मारपीट व फोन पर दी जा रही धमकी को लेकर नामजद आवेदन दिया है। कॉलेज के जूनियर क्लास के छात्र हर्षित, सौरभ, सानू सिंह, मोनू कुमार अंशूमन, सौरभ, संदीप ने थाने में आवेदन दिया है। दिए गए आवेदन में कहा गया है कि नेता जी सुभाष स्टेडियम में गत दिनों कॉलेज प्रशासन की ओर से वार्षिक खेल प्रतियोगिता करायी जा रही थी।

'नीतीश कुमार के नाम पर एनडीए लड़ेगा चुनाव'

PATNA: दो दिन से चल रही बिहार बीजेपी की बैठक सोमवार को खत्म हो गई। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि बिहार में विधान सभा का चुनाव नीतीश कुमार के नाम पर ही लड़ा जायेगा।बिहार चुनाव की तैयारी को लेकर सोमवार को हरियाणा के सूरजकुंड में बिहार भाजपा की कोर कमेटी की बैठक हुई। इस बैठक में बिहार के दोनों डिप्टी सीएम समेत सभी सांसद और सीनियर नेता भी शामिल हुए। इस बैठक में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का एनडीए का सीएम फेस कौन होगा और केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को घर घर तक पहुंचाने के लिए कार्ययोजना पर विशेष रुप से चर्चा हुई।

पत्नी से झगड़ा के बाद पति ने दो नाबालिग बेटियों का रेता गला

AGENCY AURANGABAD: बिहार के औरंगाबाद जिले में एक पिता ने अपनी दो नाबालिग बेटियों का गला रेत दिया है। यह घटना जिला के मदनपुर संगत रोड की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार कुछ दिनों से उसका विवाद पत्नी से चल रहा था। इसी को लेकर उसने अपनी दोनों नाबालिग बेटियों की हत्या करने का प्रयास किया। आरोपी इतना आक्रोश में था कि मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर भी हमला कर दिया। इस घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैली हुई है। यह घटना रविवार देर रात की है। जिले के संगत रोड निवासी बढ़नी राज सिंह के पुत्र सुमित सिंह उर्फ छोटू सिंह ने अपनी 7 वर्षीय बेटी अर्पिता कुमारी एवं 3 वर्षीय बेटी आराध्या कुमारी का



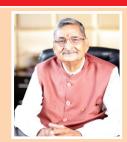
हमला कर दिया। जिसमें दोनों जख्मी हो गए। इस घटना में सभी घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मदनपुर में कराया गया। चिकित्सक डॉक्टर कुमार जय ने नाबालिग लड़िकयों की गंभीर स्थिति को देखते हुए मगध मेडिकल कॉलेज गया रेफर कर दिया।

स्ताद जाकिर हुसैन के

बाबा साहब अंबेडकर का सम्मान

भाजपा के डीएनए में प्रारंभ से ही दलित विमर्श रहा है, क्योंकि इसका मातृ संगठन आरएसएस प्रारंभ से ही सामाजिक समरसता के मार्ग पर चलने वाला संगठन रहा है। अंबेडकर जी, संत पेरियार, महात्मा फुले, नारायण स्वामी जैसे दलित महापुरुष संघ के प्रतिदिन होने वाले प्रातः स्मरण मंत्र में सम्मिलित हैं। संघ के स्वयंसेवक, जो भाजपा के कार्यकर्ता बनते हैं, वे प्रतिदिन अपने प्रातः स्मरण के मंत्र में अंबेडकर जी का नाम श्रद्धा से लेते हैं। संघ के वरिष्ठ प्रचारक और विश्व के सबसे बड़े मजदूर नेता दत्तोपंत ठेंगड़ी तो बाबा साहब के चुनाव में आधिकारिक एजेंट की भूमिका में रहे हैं। इस तथ्य से आप उस कालखंड में संघ व अंबेडकर जी की म्यचअल अंडरस्टेंडिंग समझ सकते हैं। संघ के मूल चिंतन में दलित चिंता सदैव रही है, इसका परिणाम है कि मुंबई में जिस स्थान पर भाजपा का जन्म हुआ, उस स्थान का नाम संघ के प्रचारकों ने समता नगर रखा था। यह नाम एक बड़ा प्रतीक था भाजपा के दलित चिंतन वाले डीएनए का। बड़े दलित नेता व दलित पेंथर मुवमेंट के नेता दत्ताराव शिंदे यह सब देखकर ही भाजपा के कार्यकर्ता बने थे। संविधान पर चर्चा में देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में जो कहा, उसके पहले 11 सेकेंड के अंश को भ्रामक रूप से देशभर में फैलाया जा रहा है। इससे कांग्रेस, अंबेडकर जी को फैशन का विषय मानने के अपने चिर पुराने चरित्र को ही दोहरा रही है। गृहमंत्री के इस वक्तव्य को यदि पुरा सुनेंगे तो अंबेडकर जी के अपमान के सारे वहम दूर हो जाते हैं। अमित शाह ने कहा- हमे तो आनंद है कि अंबेडकर का नाम लेते हैं। अंबेडकर का नाम आप 100 बार ज्यादा लो, लेकिन साथ-साथ अंबेडकर जी के प्रति आपका भाव क्या है, ये भी बताता हूं। अंबेडकर को देश की पहली कैबिनेट से इस्तीफा क्यों देना पड़ा। अंबेडकर जी ने कई बार कहा, अनुसूचित जाति और अनसचित जनजातियों के प्रति हो रहे व्यवहार से मैं असंतष्ट हं। सरकार की विदेश नीति से मैं असहमत हूं और अनुच्छेद 370 से मैं असहमत हूं। शाह ने आगे कहा, अंबेडकर जी को आश्वासन दिया गया, लेकिन उसे पूरा नहीं किया गया, बाद में उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कई बार कहा कि वह अनुसूचित जातियों और जनजातियों के साथ होने वाले व्यवहार से असंतुष्ट हैं। अंबेडकर को आश्वासन दिया गया था, जो पूरा नहीं हुआ इसलिए कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। बार-बार संविधान और फैशन में डॉ. अंबेडकर का नाम रटने वाली कांग्रेस ने तो बाबा साहब को संविधान सभा के 296 सदस्यों में प्रवेश तक न मिलने देने के षड्यंत्र रचे थे। बाद में दलित नेता जोगेंद्रनाथ मंडल के सहयोग से वे येन-केन प्रकारेण संविधान सभा में प्रवेश कर पाए थे। डॉ.अंबेडकर बंगाल की जिस खुलना जैसोर सीट से संविधान सभा में पहुंचे थे, वह इकहत्तर प्रतिशत हिंदु बहुल थी। देश विभाजन में इक्यावन प्रतिशत हिंदु बहुल क्षेत्रों को भारत में रहने देना तय हुआ था। केवल बाबा साहब को संविधान सभा में घुसने से रोकने के लिए कांग्रेस ने बंगाल का यह इकहत्तर प्रतिशत वाला जिला पाकिस्तान को दे दिया, ताकि डॉ. अंबेडकर की संविधान सभा की सदस्यता रद्द हो जाए। आज अंबेडकर जी का नाम फैशन में लेने वाली कांग्रेस ने तो उनका चित्र तक लोकसभा में नहीं लगने दिया था। संसद में गैरकांग्रेसी सरकार बनने पर ही उनका चित्र लग पाया था। भाजपा ने अंबेडकर जी से जुड़े पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया। बाबा साहब लंदन में जिस घर में रहे, भाजपा सरकार ने उसका भी अधिग्रहण किया व उनके स्मारक के रूप में उसे लंदन तक में विकसित किया। भाजपा ने ही चैत्य भूमि को विकसित किया और प्रधानमंत्री मोदी वहां स्वयं प्रार्थना के लिए गए। भाजपा ने दिल्ली के 26, अलीपुर रोड को भी विकसित किया, जहां बाबा साहब ने अपना अंतिम समय व्यतीत किया था। देश विभाजन की जनक कांग्रेस के सामने बाबा साहब प्रारंभ से ही अखंड भारत के पक्ष में थे। यह नेहरू जी को बहुत भयभीत करता था। नेहरू जी, अंबेडकर जी की प्रतिभा को जानते थे। अतः वे उन्हें सत्ता की दहलीज तक भी नहीं आने देना चाहते थे। अंबेडकर जी मुस्लिम तृष्टीकरण के लिए किए जा रहे गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू और जिन्ना के प्रयासों के पुरजोर विरोधी थे। अंबेडकर जी की पुस्तक थॉट्स ऑन पाकिस्तान में इसका पूरा विवरण है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति के चलते कांग्रेस ने देश का विभाजन कर डाला। बाबा साहब का यह स्पष्ट मानना था कि चंकि धर्म आधारित विभाजन हुआ है. अतः संपर्णतः तम उधर-हम इधर की नीति अपनाई जानी चाहिए। बाबा साहब ने अपनी पुस्तक थॉट्स ऑन पाकिस्तान में भारत के धार्मिक आधार पर पूर्ण विभाजन के आशय से पृष्ठ 103 पर लिखा कि यह बात स्वीकार कर लेनी चाहिए कि पाकिस्तान बनने से हिंदुस्तान सांप्रदायिक समस्या से मुक्त नहीं हो जाएगा। अंबेडकर जी के इन्हीं मुस्लिम विरोधी विचारों के कारण से मुस्लिम तुष्टीकरण में लगे नेहरू जी व गांधी जी अंबेडकर जी को आगे नहीं आने देना चाहते थे। इसी क्रम में मुंबई से दो बार अंबेडकर जी को चुनाव में षड्यंत्रपूर्वक हरवाया गया। इन दोनों बार के चुनावों में अंबेडकर जी की पराजय सुनिश्चित करने हेतु प्रधानमंत्री नेहरू ने स्वयं मुंबई जाकर चुनाव प्रचार किया था व अपने विरोधी दलों से भी अंबेडकर जी को पराजित कराने हेतु मित्रतापूर्ण संबंध बनाए थे। आज जो कांग्रेस और अन्य दल अंबेडकर जी का नाम फैशन या सत्ता मोह में ले रहे हैं, उन्हें इस बात को स्पष्ट तौर पर समझ लेना चाहिए कि अंबेडकर जी

तबलावादक उस्ताद जाकिर हुसैन



मैं अपने युवावस्था में पटना के गर्दनीबाग मैदान में दशकों तक हर वर्ष दुगार्पूजा के अवसर पर इन महान कलाकारों के आयोजनकताओं में एक रहा हं। इन सभी के संघर्ष के दिनों को काफी करीब से देखा है। उनके जैसा तबला वादक फिर कभी नहीं होगा- यह कहना सही नहीं होगा। संगीत ऐसी चीज है, जिसकी विकास यात्रा अनवरत जारी रहती है। हो सकता है भविष्य में कोई ऐसा तबला वादक आए जो अपनी प्रतिभा और मेहनत से जाकिर हुसैन की याद दिला दे। लेकिन, अभी के लिए यह कहना सही ही है कि उस्ताद जाकिर हुसैन जैसा तबला वादक दोबारा पैदा होना मुश्किल है। वे अद्वितीय और महान कलाकार थे। उस्ताद जाकिर हुसैन, पंडित शिव कुमार शर्मा और पंडित हरि प्रसाद चौरसिया की जुगलबंदियां कमाल की होती थीं। इन दिग्गजों का साथ-साथ मंच पर आना ही अपने आप में अद्भुत अनुभव होता था। उस्ताद जाकिर हसैन तबले के उस्ताद थे और उनकी लयकारी का मुकाबला नहीं था। पंडित शिव कुमार शर्मा संतूर बजाते थे, जो एक मधुर और अद्वितीय वाद्य है। पंडित हरिप्रसाद चौरसिया बांसुरी के जादूगर हैं और उनकी बांसुरी की धुनें मन मोह लेती हैं।

निधन से सारा देश और दुनिया भर में रहने वाले प्रशंसक उदास हैं। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के सैन फ्रांसिस्को शहर के कब्रिस्तान में उनके पार्थिव शरीर को सुपूर्द-ए-खाक किया गया। विश्व भर के सैकड़ों प्रशंसक भरे मन से उस्ताद को मिट्टी देने पहुंचे। उनके प्रशंसकों का तो यही कहना है कि उनके जैसा तबला वादक फिर कभी नहीं होगा। यह तो भविष्य बताएगा, परंत अब उस्ताद जाकिर हसैन. पंडित शिव कुमार शर्मा और पंडित हरि प्रसाद चौरसिया की जुगलबंदियां लोगों को बार-बार याद आएंगी। मैं अपने युवावस्था में पटना के गर्दनीबाग मैदान में दशकों तक हर वर्ष दुगापूंजा के अवसर पर इन महान कलाकारों के आयोजनकताओं में एक रहा हुं। इन सभी के संघर्ष के दिनों को काफी करीब से देखा है। उनके जैसा तबला वादक फिर कभी नहीं होगा- यह कहना सही नहीं होगा। संगीत ऐसी चीज है, जिसकी विकास यात्रा अनवरत जारी रहती है। हो सकता है भविष्य में कोई ऐसा तबला वादक आए जो अपनी प्रतिभा और मेहनत से जाकिर हसैन की याद दिला दे। लेकिन, अभी के लिए यह कहना सही ही है कि उस्ताद जाकिर हुसैन जैसा तबला वादक दोबारा पैदा होना मुश्किल है। वे अद्वितीय और महान कलाकार थे। उस्ताद जाकिर हुसैन, पंडित शिव कुमार शर्मा और पंडित हरि प्रसाद चौरसिया की जुगलबंदियां कमाल की होती थीं। इन दिग्गजों का साथ-साथ मंच पर आना ही अपने आप में अद्भृत अनुभव होता था। उस्ताद जाकिर हुसैन तबले के उस्ताद थे और उनकी

कलाकारों की जगलबंदियां पंडित शिव कुमार शर्मा संतुर बिठाते हुए इस साझा संगीत को भारतीय शास्त्रीय संगीत की नई ऊंचाइयों पर ले जाते थे।

बजाते थे, जो एक मधुर और अद्वितीय वाद्य है। पंडित हरिप्रसाद चौरसिया बांसुरी के जादगर हैं और उनकी बांसरी की धुनें मन मोह लेती हैं। जब ये मंच पर आते तो लय, ताल और मधुरता का अद्भृत संगम होता था। इन कलाकारों के बीच जबरदस्त सामंजस्य था। वे एक दुसरे की कला का सम्मान करते और एक-दूसरे के साथ संवाद करते हुए संगीत बनाते। उनकी जुगलबंदी सिर्फ एक साथ बजाना मात्र नहीं थी, बल्कि एक-दूसरे के साथ संगीत की महान यात्रा में शामिल होने जैसा था। इनकी जुगलबंदियों में भावनात्मक गहराई भी थी। वे संगीत के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त करते थे और श्रोता भी उनसे जुड़ जाते थे। इसमें खुशी, गम, प्यार और शांति जैसे भावों का अनुभव होता था। तीनों

अनमोल विरासत के रूप में याद रखी जाएंगी। उन्होंने दुनिया भर में भारतीय संगीत को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेरा मानना है कि उस्ताद जाकिर हसैन और पंडित शिवकमार शर्मा की जगलबंदी भारतीय शास्त्रीय संगीत के इतिहास में अद्भुत और अद्वितीय परिघटना थी। दोनों अपने-अपने वाद्य यंत्र के महारथी थे। जब ये दोनों मंच पर एक साथ आते तो ऐसा जादुई माहौल बन जाता था, जो श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देता था। जाकिर हुसैन की तबले की थाप और शिवकुमार शर्मा के संतुर की मधुर ध्वनियां एक साथ मिलकर ऐसा लयबद्ध मिश्रण बनाती थीं कि समां बंध जाता था। दोनों दिग्गज एक-दूसरे की लय को अच्छी तरह समझते भी थे और उसके साथ तालमेल

उनकी जुगलबंदी केवल संगीत नहीं, बल्कि आत्मिक संवाद थी। ऐसा लगता था जैसे दोनों कलाकार अपने वाद्य यंत्रों के माध्यम से एक-दूसरे से बातें कर रहे हों। वे अपने संगीत के माध्यम से श्रोताओं को अलग भावनात्मक या यूं कहें कि आध्यात्मिक दुनिया में ले जाते थे। पंजाब घराने से संबंध रखने वाले जाकिर हसैन अपनी जटिल और बारीक लयकारी के लिए जाने जाते थे। लय और ताल पर गजब की पकड़ थी। वे मुश्किल से मुश्किल तालों को आसानी से बजा लेते थे। तबला बजाते समय नए-नए प्रयोग करते, जिससे उनकी प्रस्तुति हमेशा ताजा और दिलचस्प लगती थी। जाकिर हुसैन के तबले की धुन में अलग भावना होती थी, जो सुनने वाले

तबला वादन को अंतरराष्टीय स्तर पर पहचान दिलाई। उन्होंने दुनिया भर के कई कलाकारों के साथ काम किया और तबले को वैश्विक वाद्य यंत्र बनाया। मैंने जाकिर हुसैन के कार्यक्रमों को दिल्ली और पटना में अनेक बार निकटता से देखा है। वे हर बार छा जाते थे। उनके तबले से निकलने वाली हर ध्वनि स्पष्ट और सटीक होती थी। वे तबले के विभिन्न हिस्सों से अलग-अलग तरह की आवाजें निकालने में माहिर थे। उनकी अंगुलियां तबले पर इतनी तेजी से चलती थीं कि देखने वाले हैरान रह जाते। वे अपनी अंगुलियों से विभिन्न तरह के बोल और लय बजाते। वह तबले के साथ संवाद करते हुए महसूस होते। इस तरह लगता था मानो उनकी अंगुलियां तबले से जैसे कोई कहानी कह रही हों। जाकिर हुसैन शिखर पर अपनी कड़ी मेहनत के बल पर पहुंचे थे। वे अंत तक हर दिन रियाज करते. जिससे उनकी कला का निखार बना रहे। उन्होंने अलग-अलग संगीत शैलियों में काम किया, जिससे उनका संगीत और भी समृद्ध हुआ। दुनिया भर के कई प्रसिद्ध संगीतकारों के साथ काम किया। विभिन्न संस्कृतियों के संगीत को मिलाकर नया रूप दिया। वे भारतीय संगीत के राजदत थे। उन्होंने परी दनिया में भारतीय संगीत को लोकप्रिय बनाने में महत्वपर्ण भमिका निभाई। इतने बड़े कलाकार होने के बावजद जाकिर हसैन बहत सरल और विनम्र स्वभाव के थे। हमेशा दुसरों का सम्मान करते। इससे उनके प्रति सम्मान का भाव और बढ़ जाता था। वह युवा संगीतकारों के लिए प्रेरणा थे। उनसे सीख कर कई युवा तबला वादक आज अच्छा प्रदर्शन कर

सक्रिय हों राज्य, बढ़ाने चाहिए सुधारों के कदम

3 धुनिक काल में गवर्नेंस से आशय केवल नियमों एवं नियमनों के प्रबंधन तक सीमित न रहकर व्यक्तियों एवं उद्यमियों के लिए एक अनुकूल परिवेश तैयार करने तक विस्तारित हो गया है। मोदी सरकार इस दिशा में आरंभ से ही गंभीरता के साथ सिक्रिय रही है। जन विश्वास अधिनियम 2023 इसका ही एक उदाहरण है, जिसे प्रस्तावित जन विश्वास विधेयक 2.0 से नए आयाम दिए जाने की तैयारी है। जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से पहले ही 40 से अधिक आपराधिक प्रविधानों को हटाकर उनके स्थान पर कुछ आर्थिक हजार्ने और अपेक्षाकृत सुगम अनुपालनों की व्यवस्था की जा चुकी है। जन विश्वास अधिनियम 2.0 इस विजन को और आगे ले जाता है, जिसमें ऐसा ढांचा तैयार किया जा रहा है, जिसमें नागरिकों एवं कारोबारियों को विरोधी के बजाय सहयोगी के रूप में देखने की मंशा है। शासन संबंधी ऐसे सुधार लालफीताशाही से मुक्ति

दिलाने से परे तमाम मूर्त एवं अमूर्त फायदों का माध्यम भी बनते हैं। सबसे पहला लाभ तो यही कि ये अनुपालन आवश्यकताओं के बोझ को हटाकर उद्यमों को नवाचार एवं उत्पादकता को बढ़ाते हैं। खासतौर से छोटे उद्यमों एवं स्टार्टअप्स के लिए इन पहलओं की बहत उपयोगिता है, क्योंकि अक्सर उन्हें नियामकीय बाधाओं से दो-चार होना पड़ता है। दसरा, नियमों के सुगम बनने से सरकार द्वारा उद्यमिता को प्रोत्साहन, आर्थिकी का विविधीकरण और रोजगार सुजन को बढ़ावा दिया जाता है। तीसरा, छोटे-मोटे मामले अदालती दायरे से बाहर ही सुलझ जाते हैं, जिससे न्याय की प्रक्रिया पर बोझ घटने से उसकी गति तेज होती है। चौथा लाभ यही कि इससे सरकार और नागरिकों के बीच भरोसे की बुनियाद मजबूत होती है कि सरकार उन्हें दंडित करने से अधिक उनकी साझेदारी को महत्व देती है। इन सुधारों के अमूर्त लाभ

भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। जिस गवर्नेंस मॉडल में अनावश्यक रूप से दंडित करने की भावना नहीं होती, उसमें नागरिकों एवं उद्यमों के भीतर अपने कार्यों की जिम्मेदारी का दायित्व बोध बढ़ता है। इससे विश्वास एवं परस्पर जवाबदेही की संस्कृति विकसित होती है, जो न केवल लोकतंत्र को सशक्त, अपितु एक सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण करती है। जब नियामकीय मोर्चे पर बोझ घटता है और सहयोग-समन्वय पर जोर होता है तो इसके माध्यम से सरकार उस बुनियाद को ही मजबूत करती है, जिसमें नागरिक और उद्यम नवाचार, वृद्धि और समग्र बेहतरी पर ध्यान देने में सक्षम होते हैं। परिणामस्वरूप राष्ट्रीय प्रगति को तेजी के पंख लगते हैं। जहां केंद्र सरकार नियामकीय बोझ घटाने और विश्वास आधारित गवर्नेंस ढांचे को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न उपाय कर रही है, तो राज्य सरकारों को भी ऐसे सुधारों की दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए। आखिरकार रोजमर्रा के कई मामलों

में नागरिकों और उद्यमों का केंद्र के बजाय स्थानीय निकाय और राज्य सरकारों के साथ कहीं ज्यादा सरोकार जड़ा होता है। चाहे परमिट लेना हो, विवादों का समाधान हो या आवश्यक लोक सेवाओं तक पहुंच जैसे काम मुख्यतः स्थानीय निकाय और राज्य सरकार के स्तर पर ही संपादित होते हैं। असल में चाहे जीवन की सुगमता हो या कारोबारों के लिए सुगम परिवेश बनाने से जडी पहल तभी सफल हो सकती हैं. जब शीर्ष से लेकर जमीनी स्तर पर उन्हें उचित रूप से क्रियान्वित किया जा सके। व्यक्तियों और उद्यमों को जिन सबसे प्रमुख अवरोधों से जूझना पड़ता है, उन्हें दूर करने की कुंजी मुख्य रूप से राज्य सरकारों के पास होती है। सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता, गवर्नेंस की सक्षमता और जीवन एवं उद्यम को सही दिशा में उन्मुख करने से संबंधित अधिकांश पहलू इन्हीं स्तरों पर प्रभावित होते हैं। इसलिए राज्य और स्थानीय निकायों को अपनी जिम्मेदारियां समझकर सार्थक पहल एवं क्रियान्वयन पर

ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मध्य प्रदेश ने गत सप्ताह एमपी जन विश्वास (संशोधन का प्रविधान) विधेयक 2024 पारित कर एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसका आधार केंद्र सरकार का जन विश्वास अधिनियम 2023 ही है। इस ऐतिहासिक विधायी पहल का उद्देश्य कानूनी प्रक्रियायों को सुगम बनाना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और गुड गवर्नेंस को बढ़ावा देकर सामान्य नागरिकों और उद्यमिकों की राह आसान बनाना है। इस विधेयक के अंतर्गत पांच प्रमुख विभागों की 64 धाराओं में संशोधन किया गया है, जिसमें औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन, ऊर्जा, सहकारिता. श्रम और शहरी विकास जैसे विभागों के विषय शामिल हैं। इसके तहत छोटी-मोटी गलतियों पर जेल के बजाय हजार्ने का प्रविधान और 920 अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त कर आधुनिक दौर के अनुकूल उन्हें सुसंगत करना प्रमुख सुधारों में शामिल हैं। निःसंदेह ये सुधार सक्षम एवं कारोबार अनुकूल परिवेश को को बड़ा सहारा मिलेगा।

बढ़ावा देने में सहायक बनेंगे। अन्य राज्यों को भी मध्य प्रदेश से सीख लेकर इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। ऐसे सुधार तमाम अवरोधों को दर कर राज्य की उन आर्थिक संभावनाओं को भुनाने में सहायक बनेंगे, जिन्हें विभिन्न बाधाओं के चलते अभी तक परी तरह भनाया नहीं जा सका। हालांकि यह एकमुश्त रूप से नहीं किया जा सकता। वही नियामकीय ढांचा बेहतर होता है, जो समय और सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढाल सके। ऐसे में राज्य सरकारों को ऐसा संस्थागत ढांचा बनाना चाहिए, जो प्रत्येक पांच से 10 वर्षों के दौरान नीतियों की नियमित अंतराल पर समीक्षा के साथ उनके परिणामों एवं वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डाल सके। इसमें नीतियों-नियमों की परख भी संभव है कि अपने मूल उद्देश्यों पर वे कितने खरे उतरे। यदि राज्य सरकारें इस दिशा में अपनी गति बढाती हैं, तो इससे केंद्र सरकार के जीवन को सुगम बनाने के प्रयासों

${\sf S}$ ocial Media ${\sf C}$ orner

केवल और केवल सम्मान का विषय हैं, फैशन का नहीं।

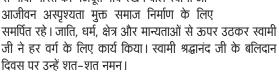
सच के हक में.

गरीबों और किसानों के सच्चे हितैषी पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण और सेवाभाव हर किसी को प्रेरित करता रहेगा।



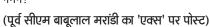
(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

स्वामी श्रद्धानंद सरस्वती जी ने एक ओर जहां देश में स्वराज्य की अलख जगाई, वहीं स्वसंस्कृति और स्वभाषा की रक्षा को जीवन का ध्येय बनाया। भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना से भावी भारत की मजबूत नींव रखने वाले स्वामी जी



(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

किसानों के अधिकार एवं उत्थान के लिए सदैव समर्पित रहे देश के पूर्व प्रधानमंत्री, महान किसान नेता चौधरी चरण सिंह जी की जयंती पर उन्हें सादर





कला की त्रिवेणी

र्त और अमूर्त चित्रण- दोनों विधाएं कला के क्षेत्र में विशेष महत्व रखती हैं। परंपरागत से आधुनिक कला तक में पारंगत अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार ज्ञानेंद्र कुमार उत्तराखंड की पहचान हैं। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) के मुख्य कलाधिकारी पद से सेवानिवृत्त ज्ञानेंद्र कुमार चित्रकला, मूर्तिकला और काव्य कला की त्रिवेणी के रूप में उत्तराखंड की कीर्ति विश्व भर में फैला रहे हैं। ज्ञानेंद्र कुमार का जन्म 1 जून 1941 को हुआ था। ज्ञानेंद्र कुमार हिंदी, अंग्रेजी और बांग्ला तीनों भाषाओं के अच्छे जानकार हैं और तीनों भाषाओं में साहित्य रचना का कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही कला को व्यावसायिक रूप से जन सामान्य में प्रस्तुत करना उनकी विशिष्टता है। 2013 में उत्तराखंड के केदारनाथ में आई बाढ़ तथा इस विभीषिका पर बनी उनकी लंबी कलाकृति वर्षों तक चर्चा का विषय रही है। ज्ञानेंद्र कुमार ने एमए दर्शनशास्त्र करने के बाद विश्व भारतीय विश्वविद्यालय शांति निकेतन से ललितकला का डिप्लोमा प्राप्त कर अपनी कला साधना प्रारंभ की। वन अनुसंधान संस्थान के मुख्य कलाधिकारी रहते हुए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ललित कला ग्रीष्म अकादमी, आस्ट्रिया में अमूर्त चित्रकला संगोष्ठी में भाग लिया। मूर्तिकला एवं चित्रकला की नई संभावनाओं

पर अध्ययन हाईवैकम कॉलेज आफ आर्ट टैक्नोलॉजी इंग्लैंड से उन्होंने ज्ञान प्राप्त किया। विश्वविख्यात वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में मुख्य चित्रकला अधिकारी (वर्ष 1965 से 2001 तक) रहते हुए उन्होंने संस्थान को कला के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां देने का काम किया और वैज्ञानिक वानिकी में कला का योगदान जैसे महत्वपूर्ण विषय पर विशेष कार्य किया। उनके इन्हीं महत्वपूर्ण कृत्यों के कारण उन्हें उत्तरांचल कला परिषद का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया, जहां उनका लक्ष्य है कि वह उत्तराखंड में आधुनिक कला प्रवृत्तियों से कला प्रेमियों को परिचित कराने के साथ साथ प्रदर्शिनियां के माध्यम से लोगों को जागृत कर रहे हैं। ज्ञानेंद्र कुमार के चित्रों और मूर्तियों का मुख्य विषय नारी संसार रहा है। उनके कई चित्रों को विशेष सम्मान मिला है,जिसमें उलझन नामक चित्र में नारी को पीले और कत्थई रंग से घूमती हुई तूलिका से उकेरा गया है, जो अपने आप में विशेष है। इसी तरह अमूर्त चित्रण में प्रकाश की ओर कृति में चित्रकार ने प्रकाशीय रंगों का अद्भुत प्रयोग किया है। चित्र दुआ में चित्रकार ने समुद्री नीले रंगों का सार्थक उपयोग किया है। विश्वभारती शांति निकेतन से शिक्षा प्राप्त प्रख्यात चित्रकार, मृर्तिकार, संगीतकार एवं साहित्यकार, बहुमुखी प्रतिभा के धनी ज्ञानेंद्र कुमार अपनी कला के

बल पर जिन विशिष्ट विभूतियों का आशीर्वाद प्राप्त कर चुके हैं, उनमें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा, राजीव गांधी, उपराष्ट्रपति डॉ. बीडी जत्ती, भगवत शरण उपाध्याय, डॉ.हरिवंशराय बच्चन, रानी एलिजाबेथ तथा जार्ज बुश शामिल हैं। देश-विदेश में अपनी कला प्रदर्शार्नियों तथा संगीत संध्या के माध्यम से ज्ञानेंद्र कुमार ने लोगों का दिल जीता है। जिन प्रमुख स्थलों पर ज्ञानेंद्र कुमार की कला प्रदर्शानियां आयोजित की गई हैं, उनमें भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली का नाम प्रमुख है। यहां निर्भयाकांड के समय ज्ञानेंद्र कुमार की नारी सशक्तीकरण पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की गई और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शनी का सम्मान हुआ। संचार माध्यमों में इसका विशेष प्रसारण हुआ। ज्ञानेंद्र कुमार के कला जीवन पर आधारित साक्षात्कार दूरदर्शन और आकाशवाणी पर प्रसारित होते रहते हैं। उनके प्रभात गीत कई प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में गाए जाते हैं। ज्ञानेंद्र कुमार ने एक साक्षात्कार के दौरान बताया कि वे चित्रकला, मूर्तिकला और काव्य कला के माध्यम से समाज को प्रेरित करते हैं। जो बात सीधे नहीं कही जा सकती, वह चित्रों और कला के माध्यम से आसानी से व्यक्त की जा सकती है।

अपराध और शर्म

वह खौफनाक मंजर कभी भुलाए नहीं भूलेगा, और गिसेले पेलिकॉट को एक फ्रांसीसी अदालत द्वारा उनके पूर्व पति को लगभग एक दशक तक उनके साथ सामूहिक बलात्कार करने और उसे अंजाम देने के लिए 20 साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद सिर्फ मामले की तार्किक परिणति पर पहुंचने का एक आभास भर हासिल हुआ है। 72 साल के डोमिनिक पेलिकॉट ने अदालत में कबूल किया कि उसने सालों तक 72 साल की सुश्री पेलिकॉट के साथ बलात्कार करने से पहले उन्हें नशीला पदार्थ दिया था और जब वह गहरी नींद में होती थीं, तो उनके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए अजनिबयों को ऑनलाइन भर्ती किया था। कुल मिलाकर, 20 से 70 साल की उम्र के बीच के 51 लोगों ने उनकी आबरू पर उस वक्त हमला किया था, जब वह मादक दवाओं के नशे में होती थीं और वे सभी अभियोजकों द्वारा मांगे गए कठोर दंड से बचते हुए तीन से 15 साल तक की सजा पाकर रह गए। अपराध से जुड़े सबूत, तस्वीरें और फिल्में डोमिनिक पेलिकॉट के कंप्यूटर में रखी हुई थीं और वे अदालत में दिखाए जाने पर चौंकाने वाले व अविश्वसनीय थे। इस अपराध का खुलासा 2020 में उस समय हुआ, जब एक अन्य दुष्कर्म, महिलाओं का अनुचित तरीके से फिल्मांकन करने के मामले में डोमिनिक पेलिकॉट के खिलाफ जांच की जा रही थी। लेकिन, इस सबमें सुश्री पेलिकॉट का बहादुराना रुख- गुमनामी को हटाने और सार्वजनिक सुनवाई की गुजारिश करने संबंधी और हमें नहीं, बल्कि उन्हें शर्म महसूस करनी चाहिए सरीखा साहस भरा वक्तव्य खूब चर्चित हुआ। पूरे फ्रांस और दुनिया भर में लोगों ने तीन महीने से ज्यादा समय तक चले इस मुकदमे पर नजर बनाए रखा और महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों के लिए कानून में बदलाव और सामाजिक धारणाओं व विषाक्त पितृसत्तात्मक व्यवहार को खत्म करने की मांग के साथ सड़कों पर मार्च किया और प्रदर्शन किए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Touchstones: Rewriting new histories

Anyone who has watched the shenanigans over the past few days inside and outside our Parliament will agree that the time has come to stand up and publicly shame our political parties and their representatives. What their strategists and leaders hope to achieve by opting to shout down their opponents rather than debating in a mature and civil way is something only they can enlighten us about. As viewers who tuned in each afternoon to hear a tribute to our Constitution and the outstanding men and women who spent long hours drafting it, the sight of sloganeering and crude insults was a betrayal of the mandate they were given by the citizens of India, that is Bharat.

A commentator wisely observed that we did not need Nehru explained by the ruling party or Savarkar by the Opposition. We wanted an acknowledgement of their contribution to the making of this nation. As for the fisticuffs exchanged over Ambedkar, the less said the better. Any respect for the founding fathers or the perfect roadmap they had placed before a new nation was the least of their concerns. 'My Daddy strongest'is what their understanding of history is all about. From pre-historic myths to lies and falsehoods about the present, these illeducated representatives betrayed their essential idiocy and arrogance. As an Indian voter who was born the year India received its Constitution, I regard with utter disgust those who were handed it. 'Bandar ke haath nariyal,' as my mother would say: a coconut placed in the hands of a monkey. The outcome is so predictable that it does not need any explanation. However, I have come to the conclusion that this is the result of the Indian attitude to history in general. In a country that grew out of an oral tradition, myths, mythology, religious and superstitious beliefs often constitute a version of 'history' that is widely regarded as Truth. I remember an old article that the late Sharada Prasad (Indira Gandhi's long-time press adviser) had written as an aside in an obituary for a distinguished colleague. He wondered how we can recall the rishi we have descended from (our gotra), but cannot trace the ancestry of our family beyond three generations. Is this because civilisations that cremate their dead raise no graves or memorials, or do not have a parish church (as Christians do) with records of births and deaths that go back many generations? Or is it because our belief in rebirth never really regards death as a final end. The soul is simply born in another home and family. The rigour of research and documentary evidence is less important in such cultures than the store of memories preserved in lore and epics. That a man can be a complex personality of many attributes and that preserving just one aspect of his character while deliberately suppressing the uncomfortable truths that must also be accepted, is not in our national character. Added to this is the fact that history teaching, as also literature and other liberal arts, no longer enjoys the importance it did in an earlier generation. Economics, commerce, mathematics and management studies are the stars alongside engineering and computer science. A certain side of the brain is largely underdeveloped. Education is now more attuned to these rising areas that encourage learning by axioms and laws. The spaces for questioning and debating have been steadily receding. In a country that has a large and growing population under 18, even Rajiv Gandhi's time appears to some as ancient history. William Dalrymple has correctly observed that our academic historians are more concerned with polemical debates among themselves, often written in such abstruse and dense jargon that people prefer the simple (often naïve or mischievous) history offered by WhatsApp university. I must say he has a strong point. History itself is now written from narrow specialisations divided among gender, caste, economics, human rights, or even climate issues. I want to turn now to remember the great Zakir Hussain, tabla maestro, great human being and a performer who took his audience to rapturous heights. I was fortunate to spend some time with him when he came to Chandigarh as a Spic Macay guest; his sessions with the students were truly memorable. Each time he shook his curly head, the girls swooned. He was a young, handsome man and had a strong sense of appeal across generations.

Consumers Beware! Ensure safe use of portable generators

The biggest lesson from tragedies such as in Georgia is that generators should never be kept indoors

The tragic death of 11 Indian nationals working at a restaurant in a ski resort in Gudauri, Georgia, from generator exhaust fumes is a grim reminder of the risk of carbon monoxide poisoning from portable generators. What is most heartbreaking about these tragedies, whether in Georgia or in India, is that they can be easily prevented with consumer education, proper warning labels and a mandatory safety feature that automatically shuts off the appliance when the carbon monoxide (CO) concentration in the air goes beyond the permissible levels. The incident in Georgia grabbed wide media attention in India, but many such avoidable tragedies caused by portable generators in different parts of the country go mostly unreported. So much so that we do not have proper statistical data. However, even what little gets reported should cause

In March this year, a wedding celebration in the picturesque Ramban, Jammu and Kashmir, took a tragic turn when five persons had to be rushed to the hospital with acute CO poisoning from the generator kept running inside the building. While an

18-year-old boy was declared dead, the other four were said to be in critical condition. In February last year, three persons in a village in Gajapati district of Odisha were affected by the lethal emission from the generator. Here, too, of the three people who went to sleep with the generator running close-by, two were found dead in the morning and one had to be admitted to hospital.In Manufacturers should also equip the generator with most cases, the tragedies happen when the victims are sleeping — the nature of CO is such that they may not become aware of the danger to their lives. Even when the victims are awake, the gas causes confusion, lethargy and loss of control of limbs, making it difficult to escape to safety. In higher Another appliance used extensively during the cold concentrations, it leads to loss of consciousness, long-term heart and brain damage, and death. The



biggest lesson that needs to be learnt from these tragedies is that generators should never be kept I would also recommend popularisation of carbon indoors. Even outside, these must not be kept close to open windows or doors; in fact, these must be placed in such a way that the emissions are directed away from occupied structures. Bold, eye-catching labels, warning consumers against keeping the generator in enclosed spaces, are critical.

an automatic cut-off switch that shuts down the machine when the CO concentration reaches the predetermined threshold limit. These steps, along with consumer education, would go a long way in safeguarding the interests of consumers.

winter months that has been responsible for COinduced deaths in the country is the non-electric,

portable, unvented room heater. Whether they work on LPG or natural gas, kerosene or diesel, wood or coal, without adequate ventilation, they all pose the risk of fatal CO poisoning.

In the last week of January this year, two members of a family, including a three-monthold baby, died while a third member was hospitalised in Noida. The culprit was the LPG-fired room heater operated in a closed bedroom without any ventilation. In January last year, the lives of four members of a family were suddenly cut short in Sitapur, Uttar Pradesh. Here again, the family had kept the gas heater switched on in a room without any

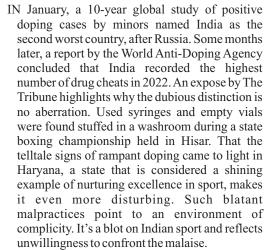
Given the popularity of these appliances in the cold winter months and the avoidable deaths caused by them, we must have stringent safety and quality standards for them. The standard should also provide for an automatic safety switch that cuts off fuel supply to the heater and shuts it down in case the CO level in the room goes beyond the safe limit. And the standard should be made mandatory.

I must also remind manufacturers that they have a responsibility not only to ensure the safety of their products, but also to educate consumers on their safe use. Under the Consumer Protection Act, 2019, failure to provide adequate instructions on the correct usage can invite product liability action.

monoxide alarms and subsidies to make them available at low prices, so that they become affordable. In my article, 'Bring fuel burning room heaters under the ambit of safety norms', published in these columns on January 7, I explained why CO levels go up to alarming levels when these fuelbased heaters are used in an unventilated room and the effects of the toxic gas on those inhaling them. So, I will not go into those details here. But I will, once again, warn consumers about the risk of CO poisoning from appliances that run on fossil fuels operated in enclosed spaces, including coal braziers or angeethis.I would also advise consumers to always turn off the heater (even electric ones) before going to bed.

Confront doping

Hisar revelation a blot on Indian sport



The lack of awareness among sportspersons and coaches as well as the neglect in conducting anti-doping campaigns



are major structural flaws. What must not be ignored is the widely held notion among athletes of losing out in terms of

a career without a podium finish. The widespread use of banned performanceenhancing substances and fudging age are seen as quick-fix methods for winning a medal at any cost. The goal is not sporting glory per se, but the windows that open. For the vast majority, that means a government job. After the success of the Indian Premier League in the cricketcrazy country, India Inc has been pushing the boundaries in supporting various sporting disciplines. Encourage and incentivise the private sector to do more. Create ample opportunities for athletes, while sending out a clear message that doping has no place in sport.For those entrusted with checking doping, the track

record has been dismal. A culture founded on fraud defeats the very purpose of sport.

A silent plea from peregrine falcon, nature's fastest flier

The bird is capable of reaching speeds of over 300 km per hour, with the highest recorded speed of 389 km per hour.

The landscape stretched like an infinite canvas as we gazed across the desolate expanse of Sambhar Lake on a hazy winter morning. Sambhar is India's largest inland saltwater lake, nestled in the arid environs of Rajasthan and surrounded by the Aravalli hills, boasting a healthy population of both local and migrant avifauna. Leaving the waterbirds for the afternoon once the fog had lifted, we ventured into the lake's drier reaches, drawn by the promise of raptors, who would be stirring up from their roost and getting ready to hunt.

It wasn't long before our patience was rewarded. Two swift silhouettes streaked across our field of vision, darting with remarkable speed toward the horizon. Thrilled by the unfolding drama of a hunt yet striving to maintain restraint lest we frighten the birds, we slowly drove towards their landing. It turned out to be a peregrine falcon, the speed merchant of the avian kingdom, that had laid a pigeon to rest.

The peregrine falcon (Falco peregrinus) is known to be the fastest flying bird, capable of reaching speeds of over 300 km per hour, with the highest recorded speed of 389 km per hour. A medium-sized raptor, peregrine falcons are avivores, specialising in hunting other birds, especially pigeons, ducks and doves. A sharp eyesight, believed to be eight times stronger than humans, helps them spot prey from a height, from where they execute high-speed dives, or hunting stoops, aided by an aerodynamic body profile, and powerful wings and muscles. Armed with powerful talons and beak, they catch and kill their prey in mid-air. As apex predators, they help control the populations of their prey, which includes a variety of bird species, ensuring that the populations do not exceed the carrying capacity of the ecosystem, thereby contributing to its overall health and stability. Peregrine falcons are found on every continent



except Antarctica, showcasing their incredible adaptability to various environments, from urban landscapes to the wilderness. In India, they are found as both residents as well as migrants from colder regions during winter, inhabiting diverse habitats such as high mountains, hills, stony semi-deserts, coastal regions and open wetlands near cliffs. The species faced a severe decline in the mid-20th century due to the widespread use of DDT, which caused the thinning of their eggshells. Conservation efforts, including banning of the pesticide in the 1970s, combined with captive breeding programmes, have successfully revived their

numbers. Historically, falconry, the art of training birds of prey to hunt, was practised by royalty and nobility, and the peregrine falcon, with its speed and agility, was particularly prized for its hunting skills. Despite an overall decline in this practice, falconry still remains vibrant in many countries. Many countries in Central Asia and the Middle East celebrate it as part of their cultural heritage, highlighting the enduring bond between humans and birds of prey.

Recognised by UNESCO as an Intangible Cultural Heritage, modern falconry attempts to blend tradition with sustainable practices. Captive breeding ensures they are not caught from the wild. It is also made sure that the species they hunt are not endangered.

Peregrine falcons are revered symbolically across indigenous cultures worldwide, portrayed as symbols of endurance, agility and loyalty by the Bedouins, revered as symbols of resilience and freedom by native Americans, and venerated as messengers of the spirit world by the Inuits. In India, there are some references to them in Rajasthani and Gujarati folklore, and they were highly prized and celebrated by the Islamic dynasties of medieval India, who brought with them the art of falconry into the subcontinent.Despite their successful recovery from the brink of extinction, peregrine falcons still face numerous threats. Urbanisation, deforestation and infrastructure projects have reduced their natural nesting sites, particularly cliffs and rocky outcrops. Persistent use of harmful pesticides and industrial pollutants also pose a significant risk, as these toxins accumulate in their prey. Shifts in weather patterns due to climate change affect prey availability and migration routes. Demand in the falconry trade leads to increased poaching and illegal trafficking.In Sambhar, we also witnessed the negative fallouts of unsustainable tourism, as over-zealous visitors raised a dusty ruckus driving fast across the otherwise placid landscape, eager to flaunt their off-road vehicles, brazenly disturbing the bird's natural habitat and behaviour. We were fortunate to follow our bird for nearly four hours, as it devoured the last bits of its kill and then settled down on a rock for a quick nap. As it departed for another perch after giving us a generous sighting, its flight seemed to carry a silent plea: to tread lightly, to honour the wild, and to preserve the fragile harmony of nature.

GSTR-9 simplified: Filing, features, deadlines and other details

NEW DELHI. GSTR-9 is the annual return to be filed by taxpayers registered under Goods and Services Tax (GST), offering a comprehensive overview of sales, purchases, and the GST charged and paid during the financial year.

KEY FEATURES OF GSTR-9

This return consolidates data from various monthly/quarterly returns, including GSTR-1, GSTR-2A, GSTR-2B, and GSTR-3B, for the entire financial year. It contains detailed information on both outward and inward supplies under different tax heads—CGST, SGST, IGST—along with cess and HSN codes. This thorough compilation allows for effective reconciliation, ensuring that taxpayers meet the necessary compliance standards.

WHO NEEDS TO FILE GSTR-9?GSTR-9 is mandatory for GST taxpayers with an aggregate annual turnover exceeding Rs 2 crore for the financial year 2023-2024. However, the following categories are exempt from filing this return:

Vivad Se Vishwas Scheme 2024: What is it and how to avail it

New Delhi. The Vivad Se Vishwas Scheme 2024, introduced in Budget 2024, provides taxpayers with an opportunity to settle pending disputes with the Income Tax Department. By paying the disputed tax amount along with a specified percentage, taxpayers can resolve disputes and avoid penalties and interest. If the payment and Form-1 submission are completed by December 31, 2024, the taxpayer can settle at a lower cost. Post this date, higher amounts apply. Those with pending appeals, writ petitions, or special leave petitions as of July 22, 2024.

Individuals who filed objections before the Dispute Resolution Panel (DRP) before July 22, 2024, and await a decision. Cases where the DRP issued directions, but the assessment remains incomplete as of July 22, 2024. Taxpayers with revision applications under Section 264 pending on July

WHY CHOOSE THIS SCHEME?

Experts highlight the benefits of resolving weaker cases and saving on litigation costs. Small disputes involving issues like capital gains, warranty claims, or unsecured loans can be settled efficiently. However, taxpayers are advised to evaluate their cases and seek professional guidance before opting in.APPLICATION **PROCESS AND FORMS**

To apply, taxpayers need to submit: Form-1: Declaration and undertaking.

Income Tax Department's portal.

Form-2: Acknowledgement certificate by the designated authority.

Form-3: Payment intimation by the declarant. Form-4: Order for final settlement by the authority. Form 1 and 3 are submitted electronically on the

This scheme is a valuable chance for taxpayers to settle disputes and avoid prolonged litigation. However, it is essential to assess the case's merits with tax consultants before applying.

We expect 2025 to be a strong year for us in India:

New Delhi. At a time when most automakers are grappling with sluggish demand, Toyota Kirloskar Motor (TKM) is achieving impressive double-digit sales growth each month. This success is driven by its strong SUV portfolio and the strategic partnership between its parent company, Toyota Motor Corporation, and Suzuki Motor Corporation.

The Japanese automaker is set to surpass the 3 lakh annual sales milestone in the financial year 2025 and expects this robust growth to continue into the next fiscal year. Unlike other carmakers focusing heavily on electrification, TKM has adopted a unique strategy by offering a broader range of green powertrain options, emphasizing its ultimate goal of reducing carbon emissions.

In an interaction with TNIE's Arshad Khan, Vikram Gulati - Country Head of TKM and Sabari Manohar -Vice President of Sales at TKM discuss Toyota's growth in India, their approach towards different powertrains and investments by the company. Edited excerpts:Competition is launching one EV after another. When can we see an EV from Toyota?

Toyota's journey with electic vehicles (EVs) started as early as 1997. Next year, we are poised to sell approximately 1.5 million EVs globally, reflecting the progress and leadership we've established in this domain. EV technology itself is not a challenge for us, given our experience with selling over 29 million electrified vehicles worldwide, most of which are hybrids. Our approach is not tied to a specific technology but rather to meeting societal needs. We aim to provide practical and greener solutions that align with societal demands, national goals, and the aspirations of consumers. For us, all technologies are

What do you think will be the mix between different powertrains in the next five years or so?

What's happening globally is very difficult to predict. People were talking about the death of ICE and all but all the numbers are being rewritten. Predicting the future of automotive technology is challenging due to unforeseen factors such as COVID-19 disruptions, supply chain issues, and evolving geopolitical and geoeconomic scenarios. However, we believe that the future will rely on multiple technologies coexisting to serve diverse needs. For instance, the government of India is pushing for biofuels like ethanol and compressed biogas (CBG), which are already showing significant environmental and economic benefits. Toyota's market share in India has grown significantly in the last few years. What are your future aspirations in terms of market position?

While we have seen our market share grow from under 5% in 2019 to nearly 8% now, we don't chase specific numbers. Our philosophy is to focus on providing value through reliable products and exceptional customer service, which naturally translates into growth.

Banks' profits spike in first 9 mths of 2024

As against this, in the entire fiscal 2024, they had earned Rs 3.12 lakh crore—Rs 1.66 lakh crore by private sector banks and Rs 1.46 lakh crore by their public sector peers.

MUMBAI. Banks have raked in as much as Rs 2.7 lakh crore in net income in the first nine months of 2024. Going by all indications, public sector lenders are set to overtake their private sector peers in the profitability sweepstake this year. Of the system wide profit of Rs 2.7 lakh crore, Rs lakh crore came from the January-March quarter of the year and the rest in the next two quarters. Of this, public sector banks raked in close to Rs 46,000 crore in the March quarter and Rs 85,520 crore in second and third quarters. Private sector banks have made almost Rs 44,000 crore in the March quarter and R82,172 crore in the next two quarters by the top seven (HDFC Bank, ICICI Bank, Axis



Bank, Kotak Mahindra Bank, IndusInd Bank, Federal Bank and Yes Bank) of them alone. As against this, in the entire fiscal 2024, they had earned Rs 3.12 lakh crore—Rs 1.66 lakh crore by private sector banks and Rs 1.46 lakh crore by their public sector peers. While till last year private bankers topped the profitability chart, going by all indications, the trend is set to reverse this fiscal—thanks to the continuing stellar show by the nation's largest lender State

Bank of India this fiscal.Of the systemwide profit of Rs 1.31 lakh crore in the first nine months of the year by the staterun banks, SBI alone booked R56,064 crore in the first three quarters of the year. In the entire fiscal 2024, its net income was Rs 61,076 crore. During this reporting period, the second largest lender HDFC Bank earned Rs 49,507 crore and the third largest ICICI Bank raked in Rs 33,512 crore, which means just three lenders contributed almost 52% or Rs 1.4 lakh

crore of the industry profit. This is because, as against the past, this year private banks are facing a lot of headwinds on asset side, especially from their unsecured books led by credit cards and personal loans. Most of the pain in the unsecured books is with the private sector lenders and not the public sector banks. The rising delinquency in the credit card space—which has risen by 110 bps to 7.6% till the June quarter of this fiscal and the same is set to spike considerably.On the back of record write-offs through the insolvency route—as much as R12 lakh crore in the past one decade, of which as much as Rs 9.9 lakh crore in the past five years alone—banks have been able to clean their books. But the irony is that average recovery from these write-offs or bad loan sales through the IBC route, has only been around 24% so far, which means banks lost more than three quarters of the public money to defaulting corporate borrowers. Of the total, banks write off Rs 1.7 lakh crore in FY24 (consolidated data are not available yet for the current year), Rs 2.8 lakh crore in FY23, Rs 1.75 lakh crore in FY22, Rs 2.02 lakh crore in FY21 and Rs 2.34 lakh crore in FY20.

Airtel Gains Subscribers While Jio and Vodafone Idea Lose; BSNL Sees Small Growth in October 2024

NEW DELHI. For the first time since the tariff hike announced by private telecom operators in July 2024, Bharti Airtel added 1.9 million subscribers in October 2024. State-owned Bharat Sanchar Nigam Limited (BSNL) also gained 0.5 million customers during the same period. However, Reliance Jio, India's largest telecom service provider, continued to lose subscribers, with a loss of 3.76 million, while Vodafone Idea

Limited lost around 1.97 million customers. All private telecom service providers raised their tariffs by up to 25% in July 2024. Following the hike, these telcos experienced significant subscriber losses. Reliance Jio lost 758,463 subscribers in July 2024, 4 million in August, and 7.9 million in September 2024. Bharti Airtel lost 1.6 million in July 2024, 2.4 million in



August, and 1.4 million in September 2024. Vodafone Idea, India's thirdlargest telecom operator, lost 1.4 million in July 2024, 1.87 million in August, and 1.5 million in September.

In terms of overall market share, Reliance Jio held the top position with 39.99%, followed by Bharti Airtel at 33.50%, Vodafone Idea at 18.30%, and BSNL at 8.05%.

Overall, the mobile user base continued to decline slightly. In October 2024, total wireless subscribers decreased from 1,153.72 million at the end of September to 1,150.42 million at the end of October, registering a monthly decline rate of 0.29%. This decline was observed in both urban areas (from 628.12 million to 625.56 million) and rural areas (from 525.60 million to 524.86 million) during the same period.In October 2024,

13.45 million subscribers submitted requests for Mobile Number Portability (MNP). Meanwhile, India had 1066.67 million active mobile users in October 2024. Bharti Airtel Limited boasted the highest proportion of active wireless subscribers at 99.48%, followed by Reliance Jio at 97.46% and Vodafone Idea at 84.95%.

Know linear and lateral thinking

NEW DELHI. As a result of geo-political tensions, scheduled general elections in India during the mid-year and in the USA towards the end of the year as well as valuations that had skyrocketed, volatility during 2024 was anticipated

What was not anticipated though was a fresh indictment with legal implications on the Adani group by the US SEC. The Foreign Institutional Investors (FIIs) who were already nervous about the rich valuations of Indian stocks and had already commenced profit-booking, then started selling even more aggressively leading to a 10% correction in the key indices. The silver lining here was that an overheated market let off steam and there were value picks available for the taking among the lot of shares whose prices got hammered down during the selling spree. Is the selling over? Well, that is anybody's guess but the fact remains that, notwithstanding all other constraints and negatives, the Indian economy is clearly headed in one direction over the long-term and that is – upwards. So, once the dust settles, will those FIIs be back, sooner rather than later, on a buying spree and will that trigger a sharp surge in the Indian indices? Time alone can tell, though as I always say, if I were a betting man, that is where my money would be. When that will happen, if it does, is really the tougher question to answer. For long, at the guest lectures I conduct at B-Schools I have spoken to the students about the difference between linear and lateral thinking while investing at the bourses. Back at my place of work, we interact with a fair number of welleducated High Net Worth Investor (HNI) patrons from urban areas across the globe, who have expectedly discussed the state of the market and the road ahead with my team.

Most of them have even decided to top up their investments via the SIP / STP route which, I believe, is an optimal linear decision. A few of our HNI patrons, as I have mentioned before in my column, hail from rural areas across India and what they lack in terms of educational 'labels', they more than make up with their lateral thinking ability to sense a killing whenever the opportunity presents itself. A couple of them surprised us by simply asking to invest fairly large sums via the Lump-Sum route, sans any queries on the state of and outlook for the equity market. As a matter of abundant caution and professional compliance, my team did explain the pros and cons of making lump-sum investments and that too in a market that seems precariously perched in the near-term. Well, their line of thinking was simple. The investments they were making were for their next generation and with a time frame of a decade in hand, they were confident that the returns would be handsome.

Is algorithmic trading for you

New Delhi. Technology should expand the scope of human skills. There are things that you can do yourself using your skills. You can use technology to support your skills and create something even more potent than market is remarkable. There was a time in India when it was a closedmember group. From then on, it has evolved into a vibrant trading system with shares worth \$5.5 trillion traded daily. From days when physical paper and settlement systems ran into weeks or months, India can boast of being among the most efficient trading systems in the world. The settlement of trades determines the efficiency of such a system. The buyer should get the shares or securities they seek, and the seller should get the money at a designated time. Investing in the stock market is not for the faint-hearted. While we have a stock market trading system that guarantees all trades, growing your money and protecting it from losses and volatility is not guaranteed. For that, you need knowledge or expert support. Knowledge requires you to make all the effort to understand the way prices of securities move. You must know the right time to buy or sell a security.

before. The evolution of the stock Expert support can come to you through people who are registered, financial advisors or research analysts. They track fundamental and technical factors that drive shares, bonds or other securities like derivatives or commodities futures. If you do not want to use their advice and trade or invest, you can always rely on mutual funds to help you. Fund managers at mutual funds are equipped to make all the effort to identify the right time to buy or sell securities. You can choose your sectors or invest in a diversified fund to benefit from their expertise.

There are portfolio management services or wealth managers for the more discerning investors. They give personalised investment advice and manage their portfolios for a fee. Technology is rapidly changing the way stock market trading takes place. A lot of high-networth individuals and institutional investors use algorithm-based trading systems. They feed the relevant data and create trading and investment strategies based on the target prices of securities. Those programmes are fed into the stock market system. An Algo trading platform is facilitated by application programming interfaces or APIs that set rules and protocols, allowing different software applications to communicate and exchange data. The Securities and Exchange Board of India (Sebi), the stock market regulator, announced a consulting paper proposing to extend technology's benefit to individual investors.If you are keen to explore such a facility, there is a minimum threshold for your investment. At the same time, you must talk to your financial advisor stockbroker before enabling such a mechanism. Your trading and investment strategy must be based on your ability.

Credit card defaults could hurt you badly now

With SC rejecting 30% cap on credit card interest rates, card issuers will now have more flexibility to set rates

MUMBAI. In a big relief for credit card issuers who are facing a rising tide of bad loans since the past few quarters (delinquencies are at nearing double-digit mark now; in June 2024 quarter it soared by 110 bps to 7.6%) the Supreme Court, over the weekend, has given them a free hand to set interest rates for late payments, defaults and even on the outstanding dues. Not that their hands were tied till now--in a strict legal sense they were, but not in practice as even when the matter was subjudice since February 2009, card issuers were regularly increasing their

interest rates which now vary from a low of 45% (3.8% per month) to a high of 55% annually or 4.5% per month on certain cards.The December 20 ruling by a two-judge Supreme Court bench of Bela Trivedi and Satish Chandra Sharma, goes back to a 2008 order of the National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) that capped credit card interest rates at 30% per annum.

The top court ruling has put an end to the 16year-old case filed by foreign banks like Standard Chartered Bank, Citibank, American Express, and HSBC among others, challenging the NCDRC order on a petition by Awaz Foundation, a nonprofit. The apex court had stayed NCRDC order in February 2009. The Reserve Bank also opposed capping interest rates saying it does not directly regulate banks on rates rather is left to their boards.Petitioner banks questioning NCDRC's jurisdiction to fix a ceiling on interest rates said advising interest rate is a statutory field reserved for the Reserve Bank.NCDRC had said charging interest rates in excess



of 30% was an unfair trade practice and said in most markets the rates are under 25%. For instance, in the US it's just 9.9%, in England it's 16.9%, Australia (18-24%), and 24-32% in Hong Kong. But in the Philippines, Indonesia, and Mexico, credit card interest rates vary from 36-50%. "If the RBI is considered to be one of the watchdogs of finance and the economy and the prevailing credit conditions are such as should invite its policy intervention, then, in our view, there is no justifiable ground for not controlling the banks, which exploit the borrowers by charging exorbitant rates of interest varying from 36% to 49% per annum, in

case of default by the creditcard holders to pay before the due date," the NCDRC had said in its order and capped the annual charges at 30% saying there is no justifiable ground for adopting the highest rate of interest here. With the 30% cap going, card issuers will now have more flexibility to set interest rates on late credit card payments, according to experts. The order can lead to higher charges for consumers who miss timely repayments. It also allows issuers to adjust rates

based on market conditions and individual risk assessments

Banks now have the flexibility to charge late payment charges higher than 30%, especially from high-risk customers, according to Gauhar Mirza of Cyril Amarchand Mangaldas.

Now card issuers can set interest rates that align with individual credit risks, and customers with poor repayment history may be charged higher rates, helping control defaults. Banks can also structure credit card offerings more competitively without being bound by an arbitrary cap, according to Sanjay Gupta of SNG & Partners.

Tuesday, 24 December 2024

Data Exclusivity Anti Poor, Anti-Farmer, Anti Self-Reliance: Ashwani Mahajan

New Delhi. Implementing data exclusivity could impact India's pharmaceutical and agricultural sectors and public health, Ashwani Mahajan, the co-convenor of Swadeshi Jagran Manch, has said. In a blog post on data exclusivity, Mr Mahajan said the topic has been a point of contention since the General Agreement on Tariffs and Trade (GATT).

Data exclusivity refers to the period during which a

manufacturer cannot rely on existing data to support the approval of a generic or Mr Mahajan says India's pharmaceutical similar product. This prevents companies from introducing generics or biosimilars until the exclusivity period expires. As a result, the introduction of affordable alternatives is delayed, directly impacting the consumer, particularly in sectors like pharmaceuticals, where price reductions



post-patent expiry are critical to ensuring affordable access to medicines.

industry has been able to manufacture generic versions of medicines as soon as patents expire, often reducing the price of medicines by up to 90%. This has led to the establishment of government schemes like the PM Jan Aushadhi Kendras, where generic medicines are sold at discounted

rates. The introduction of data exclusivity could put an end to these benefits, forcing consumers to pay much higher prices for medicines.

Despite the government's clear stance against data exclusivity, multinational corporations (MNCs) and foreign governments continue to push for its inclusion, particularly through Free Trade Agreements (FTAs). While these efforts have been largely unsuccessful for over two decades, recent developments signal a renewed push that could

harm domestic industries and public health.One example, Mr Mahajan points out, is a November 4, 2024, order from the Department of Agriculture and Farmers Welfare. "As per this order a committee has been constituted to explore and examine the provisions related to data protection for agrochemicals. This order, has been issued on the pretext, 'to study

the requirements of regulatory data protection and global best practices on data protection with the intent to introduce new molecules and pesticides that have no alternatives aimed at protecting major crops from these losses due to new invasive pests and diseases'," he writes.

India has consistently opposed data exclusivity in trade negotiations. Its withdrawal from the 2019 Regional Comprehensive Economic Partnership (RCEP) was partly due to provisions seeking to "extend pharmaceutical corporations' patent terms beyond the usual 20 years," says Mahajan, adding that such measures threaten access to affordable medicines."In many of the FTAs on table, including UK, USA and EU, this issue of data exclusivity is definitely, a cause of major concern for Indian industry, especially pharmaceutical and chemicals," he writes

Gangrape, fraud case against UP BJP MLA, 15 others, legislator calls it 'conspiracy'

The case against BJP MLA Harish Shakya, his brother Satendra Shakya and nephew, and several business persons was filed on charges of gangrape, fraud worth crores of rupees and implicating a man in a false case



NEW DELHI.A gangrape and fraud case has been filed against 16 people, including a BJP MLA and his relatives, in Uttar Pradesh's Badaun district after directions from a local court. The BJP MLA has, however, denied the allegations and called them a "political conspiracy". The case against MLA Harish Shakya from Badaun's Bilsi seat, his brother Satendra Shakya and nephew, and several businessmen was filed under charges of gangrape and fraud worth crores and implicating the complainant in false cases.

According to the FIR, the dispute revolves around land owned by a man identified as Lalit Kumar. The BJP MLA and his associates allegedly pressured the complainant and his family to sell the land at Rs 16.50 crore, which was below the

market price of Rs 18 crore, the complaint read. When the family resisted, they faced a series of retaliatory actions, including implication in false cases of murder and rape, along with coercion and threats by the accused BJP MLA and his accomplice, the FIR said. The MLA and his associates illegally acquired portions of the family's land, it alleged. The complainant also alleged that the MLA and two of his aides' gangraped his wife at his camp office on September 17. Senior Superintendent of Police (SSP) Brijesh Kumar Singh confirmed that a case was registered against 16 people, including the BJP MLA and his brother Satyendra Singh Shakya, a revenue clerk, in compliance with the court order, under the relevant sections of Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS)."The court has been informed. Inspector Manoj Kumar Singh, in charge of Civil Lines police station, will lead the probe," the SSP said. Speaking to news agency ANI, Harish Shakya denied the allegations, terming them a "political conspiracy". "All these allegations are baseless. This is a political conspiracy against me. An investigation is being done by the police and administration. I have faith in the investigation and the judicial system.

Madhya Pradesh man dies in accident, wife's 'preserve sperm' plea stumps doctors

New Delhi. A woman in Madhya Pradesh's Rewa made an unusual request to preserve the sperm of her late husband, leaving doctors and police at Sanjay Gandhi Memorial Hospital in a state of dilemma. The tragic incident followed the death of her husband, Jitendra Singh Geharwar, in a road accident just four months after their marriage. The incident unfolded when Jitendra's body was brought to the hospital for postmortem after police completed formalities. The grieving wife initially refused the post-mortem but later arrived at the hospital with a unique demand — to preserve her late husband's sperm so she could conceive his child and cherish his memory for a lifetime.

Since more than 24 hours had already passed since the husband's death, the doctors informed the woman that the procedure could not be performed.Dr Rajneesh Kumar Pandey, Head of the Forensic Department, explained, "Sperm must be preserved within 24 hours of death. Beyond this time frame, it becomes impossible. Additionally, our facility does not have the resources for such a procedure."Disheartened by the refusal, the woman created a scene at the hospital. It took significant effort from the doctors and police to pacify her. Eventually, the woman agreed to the postmortem, and the body was handed over to the family

BJP MPs, injured in Parliament face-off, discharged from Delhi hospital

New Delhi. Two BJP MPs who were injured during a scuffle between the Opposition INDIA bloc and ruling NDA members on the Parliamentary premises were discharged from Delhi's Ram Manohar Lohia (RML) Hospital on Monday, December 23.BJP MPs Pratap Sarangi (69) from Odisha's Balasore and Mukesh Rajput (56) from Uttar Pradesh's Farrukhabad suffered head injuries in the face-off and were rushed to Ram Manohar Lohia (RML) Hospital on December 19 for treatment. Speaking on the development, Raiput's PA said that the Lok Sabha MP had complained of a little giddiness and heaviness in his head on Monday. However, given the high influx of



patients at the RML Hospital, the two MPs were advised to go to Noida's Kailash Hospital for further assistance.

The two Lok Sabha MPs were kept under observation in the ICU and were shifted to a ward on Saturday, December 21."The condition of both the MPs is much better now, and they have been discharged," a senior

A face-off between the opposition and NDA MPs in Parliament premises over the alleged insult to BR Ambedkar left Sarangi and Rajput injured. The BJP accused Rahul Gandhi of pushing the senior member, a charge rejected by the Congress leader.On December 19, trouble began when the INDIA bloc members insisted on entering Parliament through the BJP MPs holding a protest instead of using the space left empty on one side of the staircase of the Makar Dwar, used by members to enter and exit the building. Rajput was also injured in the scuffle.

Congress MP counters Narayana Murthy's 70-hour week: Working longer meaningless

stance of working 70 hours a week

that had earlier snowballed into a topic

of debate. "First of all, I do not believe

in work-life balance," he said at the

CNBC Global Leadership Summit.

New Delhi. Congress MP Karti Last month, Murthy stood firm on his Chidambaram has criticised Infosys co-founder NR Narayana Murthy's proposal to work for 70 hours per week, stressing on the focus of efficiency instead of "meaninglessly" working for long hours. He

called for a four-day working week - 12 noon on Monday to 2 pm on Friday. Murthy has been a vocal advocate for a 70-hour workweek, believing it is essential for India's growth and competitiveness on the global stage."Working longer is meaningless, focus should be on efficiency. Daily life is as it is a struggle, battling inefficient and substandard infrastructure and

amenities. Work-life balance is most important for good social order and harmony. We should in fact move to a 4-day working week. 12 noon on Monday to 2 pm on Friday," Karti Chidambaram, the son of former Finance Minister P Chidambaram, tweeted on Sunday.

He expressed disappointment over India's transition from a six-day to a five-day workweek in 1986. "I am sorry. I have not changed my view. I will take this with me to my grave," he

The Infosys co-founder further said India needed a stronger work ethic, even suggesting earlier that Indians should work 70 hours a week to help the nation progress. Sharing insights from his career, Murthy highlighted how he had lived by the values he promoted. He said he worked long

hours throughout his career, spending up to 14 hours a day, six and a half days a week, on his professional duties. His routine, he said, involved starting at the office by 6:30 am and leaving only around 8:40 pm, a commitment he takes pride in. Murthy's position on the work ethic in India has often drawn parallels with countries like Germany and Japan, which he says rebuilt their economies after World War II through hard work and

perseverance. His remarks came amid continued debate over his previous suggestion that millennials in India should aim for a 70-hour workweek. The suggestion had sparked mixed reactions, with some agreeing on the need for a stronger work ethic while others criticised the idea as excessive.

New law repackaged sedition, should not be used to stifle dissent: High Court

New Delhi. The Rajasthan High Court has observed that Section 152 of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) appears to be reintroducing sedition Code (IPC) and should not be used to cripple legitimate dissent.Justice Arun Monga also pointed out that the BNS provision is similarly worded to the sedition offence originally

introduced by the British."It criminalises acts or attempts that incite secession, armed rebellion, or subversive activities, or encourage separatist sentiments that threaten the country's stability. Prima facie, it is appears to be rather reintroducing section 124-A (sedition) by another name," Justice Monga said.

It is rather debatable as to which of two provisions i.e. the one repealed (sedition) or the one reintroduced is more stringent," he added.



The High Court was hearing Sikh preacher's plea seeking quashing an FIR under the same BNS section filed against him after he posted a video on Facebook expressing sympathy with Canadian pro-Khalistan MP Amritpal Singh.

The court ruled that there must be a cautious application of Section 152 in consonance with the right to freedom of speech and expression. It also pointed out that the provision should not be seen as a sword against dissent but as a shield

necessary for national security."Explanatory provision thus provides the balancing Act. It balances national security with individual rights, not stifled under the pretext of maintaining sovereignty," legal news outlet Bar and Bench quoted the judge

Justice Monga underscored that there must be a direct and imminent link between the speech and the likelihood of rebellion or secession to invoke such provisions."Legitimate dissent or criticism cannot be equated with sedition or anti-national acts," the court said, also adding, "In cases involving Section 124A (sedition) of the repealed IPC, casual or rhetorical statements did not amount to sedition, unless, of course, they incite violence or public disorder". The BNS, which came into force on 1 July 2024, introduced the offence of 'Act

Sedition Law: The Rajasthan High Court observed that legitimate dissent or criticism cannot be equated with sedition or anti-national acts. It also pointed out that the new BNS provision is similar to sedition.

endangering sovereignty, unity and integrity of India', replacing section 124A of the IPC, which defined the offence of Sedition. While the government has asserted that it has completely repealed" the sedition laws, the opposition has accused the new law of being a vague replica of the old sedition law, with the potential for

Delhi Transport Department plans to implement AI-powered virtual assistance, dashboard to reduce pendency and improve service quality

NEW DELHI. The Delhi Transport Department plans to implement AIpowered virtual assistance solutions to enhance service delivery, streamline processes, improve service quality, and reduce delays in document verification and other processes. This system aims to eliminate the need for applicants to visit offices, operational glitches and provide faceless services on time, said officials. A senior official from the Transport Department stated that currently, 47 services offered by the department, including vehicle registration, transfer of vehicle ownership, duplicate registration certificates (RC), and no-objection certificates (NOC), are faceless. Approximately 2.6 million people have benefitted from these services."The number is expected to grow significantly in the next decade... But the current system is purely managed manually by staff to review and approve the applications for the different services, visit offices for the inquiry for proper information, and there is no dashboard for decision making and no visibility of the work done by staff for the applicants. So, to end this, the Department has come up with this plan," said a senior official from the Transport Department."By introducing the power of AI to assist applicants and staff for document verification, the turnaround time can be improved and delight the applicants and staff. Use of AI as virtual assistant to the applicant's query will improve the quality of service and avoid visits to the office," said an official. Under this project, the Department plans to implement three key solutions using AI technologies, designed to transform key areas of the department's operations, such as 'automated document verification' process, 'virtual assistance' and 'AIpowered dashboard' integrated with the Transport Department's website."For the automated document verification process, the Department wants to bring an AI-powered tool that detects



discrepancies in the uploaded documents such as Aadhaar card on the Vahan and Sarathi portals and ensures data matches the user's application... So that the legibility is improved, notifies users of errors, and speeds up the verification process," said an official.

Officials said that once developed, the Department will implement the solution for 13 services in phase-1 for testing purposes, such as NOC service, transfer of ownership, change of address in the driving licence, new vehicle registration certificate (RC), duplicate RC, new

permit issuance, renewal of permit, renewal of permit home authorisation, renewal and duplicate of fitness certificate, new learner's licence, driving licence and renewal. After analysing the results on these 13 services, the same solution will be extended to cover the remaining 34 citizen services in the next phase.

The second solution will be development of AI virtual assistant (ChatBot, GenAI), which will be integrated into the Department's

website to assist citizens and staff in English and Hindi."It will answer queries on services, required documents, application status etc...and help the people step by step... It will also identify errors, provide solutions, and offer quick access to relevant resources across 47 services, improving the overall user experience," said officials. Further, the department also has plans to develop an AI powered 'Analytics Dashboard' to provide advanced analytics for both department and citizens.

NEWS BOX

Trump appoints Indian American entrepreneur as senior policy advisor on Artificial Intelligence

SAN FRANCISCO.US President-elect Donald Trump on Sunday named Indian American entrepreneur, venture capitalist and author Sriram Krishnan as Senior White House Policy Advisor on Artificial Intelligence."Sriram Krishnan will serve as the Senior Policy Advisor for Artificial Intelligence at the White House Office of Science and Technology Policy," Trump said on Sunday as he announced a number of appointments on artificial intelligence or AI.

Krishnan, who has previously led product teams at Microsoft, Twitter, Yahoo!, Facebook and Snap, will work along with David O.Sacks who will be the White House AI & Crypto Czar."Working closely with David Sacks, Sriram will focus on ensuring continued American leadership in AI and help shape and coordinate AI policy across government, including working with the President's Council of Advisors on Science and Technology.

Sriram started his career at Microsoft as a founding member of Windows Azure," Trump said.

Krishnan said, "I'm honored to be able to serve our country and ensure continued American leadership in AI working closely with David Sacks."

Krishnan's appointment has been welcomed by the Indian American community.

"We heartily congratulate Sriram Krishnan and are delighted that he has been appointed by President-elect Donald Trump as Senior Policy Advisor in the White House Office of Science and Technology Policy," said Indiaspora's executive director Sanjeev Joshipura. "For several years, Sriram has been an insightful thinker and influential commentator in the artificial intelligence realm. His previous work blending public policy, international affairs, investing and technology will stand him in good stead as he serves the nation in this important role," he added.

"As Indiaspora continues our convening and thought leadership work on AI in the United States and abroad, we look forward to engaging closely with Sriram," Joshipura said.

Affecting Reputation": Malaysia Airlines Grounds New Airbus Jet Over Safety

World. Malaysia Airlines has grounded its new Airbus A330neo jet just days after its maiden flight because of technical issues, local media reported, another operational setback for the national carrier.

"The root cause is coming from the factory and it is affecting the reputation and brand of Malaysia Airlines," Chief Executive Officer Izham Ismail was quoted as saying in the New Straits Times on Sunday "Safety is paramount. I will not risk anything on safety." Ismail said technical faults with a new aircraft were "not

acceptable", adding: "To me, it's embarrassing."
The newspaper said plane's inaugural flight from Kuala Lumpur to Melbourne on December 19 was marred by technical issuesAFP was unable to get comment from Malaysia Airlines. The airline has suffered several setbacks this year, with reduced routes and manpower issues. In 2022, it agreed to acquire 20 Airbus A330neo planes to update its fleet of widebody jets. The A330neo, powered by Rolls-Royce Trent 7000 engines, is considered more fuel-efficient. "We need Airbus and Rolls-Royce to investigate the root cause of these issues on the brandnew aircraft." Izham told the New Straits Times.

Rolls-Royce told the paper that it had found a faulty component, while Airbus said it was ready to assist Malaysia Airlines.

Demonic" US Man Beheads 1-Year-Old Son, Injures Wife, Mother-In-Law

A man in the US has been arrested for allegedly beheading his one-year-old son with a knife and attacking his wife and mother-in-law, officials said. The accused, Andrey Demskiy, described as "demonic" by the New York Post, first attacked his wife and mother-in-law around 4 am on Friday. The two women then fled the residence and called the police. When the police arrived and attempted to contact Demskiy at the residence, the 28-year-old refused to answer the door and surrender "peacefully", the Sacramento County Sheriff's Office said in an official statement."A short time later, Deputies learned that a one-year-old male child was inside the residence alone with Demskiy, and that he had possibly injured the child after throwing him," the statement read.

Fearing for the child's safety, the police officers "forced" entry into the residence and attempted to detain



Demskiy, who was "uncooperative" and became "physically resistive", the officials said.

As they took him into custody, they recovered the severed child's head in the bedroom where Demskiy was contacted and detained.

Based on their investigation, officials said that Demskiy was initially involved in a domestic violence incident with his wife and mother-in-law and once they exited the residence, he used a knife to behead and murder his one-year-old son.He has been sent to the Sacramento County Main Jail for the "gruesome" murder and is scheduled to appear in court on December 24.

Trump vows to 'stop transgender lunacy' as a top priority

PHOENIX. President-elect Donald Trump on Sunday pledged to "stop the transgender lunacy" on day one of his presidency, as Republicans -- set to control both chambers of Congress and the White House -continue their push against LGBTQ rights.

'I will sign executive orders to end child sexual mutilation, get transgender out of the military and out of our elementary schools and middle schools and high schools," the president-elect said at an event for young conservatives in Phoenix, Arizona. He also vowed to "keep men out of women's sports," adding that "it will be the official policy of the United States government that there are only two genders, male and female."Speaking to the AmericaFest conference in a border state he easily carried in the November election, Trump further promised immediate measures against "migrant crime," vowed to designate drug cartels as foreign terrorist organizations, and doubled down on his talk of restoring US control of the Panama Canal.Transgender issues have roiled US

politics in recent years, as Democratic- and Republican-controlled states have moved in opposite directions on policy such as medical treatment and what books on the topic are allowed in public or school libraries.Last week, when the US Congress approved its annual defense budget, it included a provision to block funding of some gender-affirming care for the transgender children of service members.In his speech Sunday, which amounted to something of a victory lap, Trump made expansive promises for his second term -- and drew a dark picture of the four years preceding it, under President Joe Biden and Vice President Kamala Harris, the latter of whom he defeated in the 2024 election."On January 20, the United States will turn the page forever on four long, horrible years of failure, incompetence, national decline, and we will inaugurate a new era of peace, prosperity and national greatness," Trump said, referring to his swearing-in.'Golden age"I will end the war in Ukraine. I will



stop the chaos in the Middle East, and I will prevent, I promise, World War III."He added: "The golden age of America is upon us."The president-elect has yet to explain publicly how he plans to bring a quick end to the war in Ukraine, or to bring peace to the Middle East. But in the sort of bellicose language he sometimes used even against US allies in the past, Trump said Sunday that Panamanian authorities "haven't treated us fairly" in their operation of the Panama Canal. He had said earlier that fees for use of the canal -- construction of which was begun by France and completed by the United States -- are "ridiculous." And he

added Sunday that if the principles behind the 1970s treaty that gave Panama full control of the canal are not followed, "then we will demand" that it be returned to the United States "in full, q u i c k l y a n d w i t h o u t question."Thousands of ships transit the key Central American waterway every year, making it critical to US and international commerce. The president-elect, who regularly blames migrants

from Latin America for America's drug problems, renewed his vow to immediately begin "the largest deportation operation in American history" upon taking office, and later went further, saying he would "immediately designate the (drug) cartels as foreign terrorist organizations.""This criminal network operating on American soil will be dismantled, deported and destroyed," Trump said.During his first term in 2019, after the killing in Mexico of nine American citizens from a Mormon community, Trump vowed to apply the terrorist designation to Mexican cartels.

Russia's Tatarstan Declares Emergency After Ukrainian Drone Attacks

World. Russia is not angry. Russia is concentrating." "Gradually, as Russia was concentrating, it returned all its rights in the Black Sea as well, grew stronger and so on," said Putin. Last week, Russia had issued an advisory for its citizens warning them not to travel to the US and other western countries claiming they could be "hunted" by the authorities in those states, Al Jazeera reported. Ministry of Foreign Affairs

spokeswoman Maria Zakharova was cited by the outlet as describing the US-Russia relations as "on the verge of rupture". Putin said Russia is ready to build relations with other countries, provided that such efforts do not compromise Russian interests. "If we establish relations with someone, we



will do so only based on the interests of the Russian state," he said. Putin drew from the 19th and 20th centuries to emphasise the changes in international relations and recalled that after the Crimea War of 1853-1856, when a series of restrictions were imposed on Russia, then-Foreign Minister of the Russian Empire Alexander Gorchakov sent out a letter with the following words:Russia is not angry. Russia is concentrating."
"Gradually, as Russia was concentrating, it returned all its rights in the Black Sea as well, grew stronger and so on," said Putin. Last week, Russia had issued an advisory for its citizens warning them not to travel to the US and

other western countries claiming they could be "hunted" by the authorities in those states, Al Jazeera reported. Ministry of Foreign Affairs spokeswoman Maria Zakharova was cited by the outlet as describing the US-Russia relations as "on the verge of runture"

Single Chinese Women Are Doing Maternity Photoshoots Wearing Fake Baby Bumps. Here's Why

World. Reflecting a changing societal landscape, single women in China are now opting for maternity photoshoots with fake baby bumps, capturing this milestone in their lives despite the country's declining birth rate and low marriage rates. This trend, as reported by the South China Morning Post (SCMP), challenges traditional Chinese values that once stigmatized single pregnancy. The rise of this trend can be attributed to women's desire to capture beautiful maternity photos while maintaining their current physique, anticipating potential body changes during future pregnancies.

The "premade maternity photos" trend gained national attention after a Generation Z influencer shared a video and photos of her experience on social media. Meizi Gege, who boasts over 5.7 million followers on a prominent social media platform, explained, "While I'm still slim, I wore a fake belly to take maternity photos and enjoyed a pre-made life. I even did it with my best friend!"In



Don't Need "Proxy Force" To Take Action: Iran Ayatollah's Latest Warning

Tehran, Iran. Iran's supreme leader denied Sunday that militant groups around the region functioned as Tehran's proxies, warning that if his country chose to "take action", it would not need them anyway. The remarks came after a year in which Iran-backed

Hezbollah in Lebanon and Hamas in Gaza suffered heavy losses in wars with Israel, and two weeks after the fall of Syrian President Bashar al-Assad, who had been a key link in Tehran's so-called axis of resistance. Another spoke of that axis, Yemen's Huthi rebels, have been repeatedly targeted by the United States and Britain over their attacks on Red Sea shipping lanes, launched in solidarity with Palestinians.

"The Islamic Republic does not have a proxy force. Yemen fights because it has faith. Hezbollah fights because the power of faith draws it into the field. Hamas and (the Islamic) Jihad fight because their beliefs compel them to do so. They do not act as our proxy," Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei told a group of visitors in Tehran. "They (the Americans) keep saying that the Islamic Republic has

lost its proxy forces in the region! This is another mistake," he said, adding: "If one day we want to take action, we do not need a proxy force."

Earlier this month, Syrian rebels' lightning push to Damascus from their strongholds in the northwest ended the



decades-long rule of Assad's family, which had been an ally of Tehran.Khamenei predicted "the emergence of a strong, honourable group" in Syria, saying the country's young men had "nothing to lose".

young men had "nothing to lose."
"His university, school, home, street and life are insecure; what should he do? He must stand with strength and determination against those who have designed this insecurity and those who have implemented it, and God willing,

Ayatollah Khamenei's
remarks came after a year
in which Iran-backed
Hezbollah in Lebanon and
Hamas in Gaza suffered
heavy losses in wars with
Israel.

he will overcome them."

Assad had long played a strategic role in Iran's anti-Israel axis of resistance, particularly in facilitating the supply of weapons to Hezbollah in neighbouring Lebanon. The axis of resistance also includes Hamas, the Huthis and smaller Shia militia groups in Iraq.

All of the groups are united in their opposition to Israel and its main backer the United States. The supreme leader, who has the final say in major state policies, also accused the United States of trying to create chaos and unrest in Iran."The Iranian nation will trample under its strong feet anyone who accepts America's mercenary role in this regard," he said.

the video, Meizi proudly displays her slim figure while wearing the "fake belly." According to SCMP, a 26-year-old woman revealed she had taken her maternity photos at 23, despite not being married, while another woman mentioned taking wedding photos at 22, "just in case I get wrinkles by 30."However, the trend has sparked criticism for promoting narrow beauty standards that idealize being "white, skinny, and young." Critics argue that it fosters body image anxiety among new mothers by perpetuating the unrealistic expectation that women should maintain a youthful, slim figure during pregnancy.

A user wrote, "I will shoot my 70th birthday photos now and then post them on social media later. It will make me look so young!"

3 Khalistani Terrorists, Who Attacked Punjab Police Post, Gunned Down In Encounter In UP

Three Khalistani terrorists
were neutralised in an
encounter in Uttar Pradesh's
Pilibhit. The police said that
they were involved in an
attack on a police post in
Punjab.

World .Three Khalistani terrorists, who were accused of carrying out an attack on a police post in Punjab's Gurdaspur, were killed in an encounter in Uttar Pradesh's Pilibhit, officials said on Monday.The Punjab and UP Police had conducted a joint operation against three terrorists belonging to the Khalistani Commandos Force.Who Were Three Terrorists And What Did

They Do?The slain terrorists were identified as Gurvinder Singh, Virender Singh alias Ravi, and Jaspreet Singh alias Pratap Singh – all of who hailed from Gurdaspur.

The police said that the three criminals had thrown grenades and bombs at a police station in Gurdaspur.Two AK-47 rifles, two Glock pistols, and ammunition were recovered after the encounter.A team of Punjab Police informed the UP Police about the presence of the three terrorists in an area that falls under the jurisdiction of the Puranpur police station of Pilibhit. The police of both states launched a joint operation as they received the tip-off about the accused's presence in Puranpur.

The gunfight broke out in the early hours of Monday after which the

three accused were gunned down."The encounter took place in the jurisdiction of Puranpur police station. The joint operation was conducted by teams of Punjab Police and Úttar Pradesh Police," the police said in a statement. Elon Musk Condemns Magdeburg Christmas Market Attack That Killed 5Pilibhit SP Avinash Pandey detailed the encounter and said that when the terrorists were chased and stopped, they opened fire on the police teams, prompting to police to retaliate. The three terrorists sustained critical injuries, after which they were rushed to the District Hospital where they were declared dead. "Two of our constables, Sumit and Shahnawaz have been injured and are under treatment," the SP



Chess star Tania Sachdev calls out Delhi government for lack of support to sport

New Delhi. Decorated chess player Tania Sachdev expressed her disappointment with the Delhi government on Monday, alleging a lack of support for chess players in the state. Tania highlighted how support from other state governments has propelled their players to achieve great success in chess and revealed that she has received no recognition for her Olympiad victories in 2022 and 2024."Having played for India since 2008, it's disheartening to see a lack of recognition from the Delhi government for achievements in chess. States that support and celebrate their champions directly inspire excellence and motivate talent. Sadly, Delhi has yet to take this step," Tania said in a post on X, formerly Twitter."In the 2022 Chess Olympiad, I came back with a historic team bronze and an individual medal. Two years later, in 2024, the historic Chess Olympiad gold, and to date, there has been no acknowledgement or recognition by the state govt," she wrote, urging the ruling Aam Aadmi Party to "see value in supporting their chess players."In the 2024 Chess Olympiad held in Budapest, Tania Sachdev played a pivotal role in the Indian



women's team's triumph, securing their firstever gold medal in the event. Tania, who met Prime Minister Narendra Modi with the winning team, had highlighted that the Olympiad double could prove to be a watershed moment for Indian chess. The seasoned campaigner, who enjoys commentary when not playing, also played a key role in India's bronze medal-winning campaign in 2018. Tania's comments come just days after the Tamil Nadu government announced a prize of Rs 5 crore for Gukesh Dommaraju, who won the World Chess Championship in Singapore in December. Gukesh was also felicitated by the state government in a grand ceremony. Tamil Nadu has been a strong backer of chess talent in the state, with the 2022 Chess Olympiad hosted in Chennai after Moscow was stripped of the hosting rights. India's first World Champion, Viswanathan Anand, spoke about the support for chess from the Tamil Nadu government during the felicitation ceremony. The state has produced two World Champions (Anand and Gukesh) and 31 Grandmasters so far.

Jasprit Bumrah best in the world, but I have my plans: Sam Konstas

19-year-old Sam Konstas is not fussed about facing Jasprit Bumrah at the Boxing Day Test match. Konstas, who replaced Nathan McSweeney in the Australia squad for the Melbourne Test, said that he had watched a lot of Bumrah and had his own plans against the star India pacer. Konstas was brought into the Australian side after his impressive showing against India A in the Prime Minister's XI tour game. Konstas was the lone man standing for the Australian side, and scored a terrific century against a pace attack that had Prasidh Krishna, Akash Deep and Mohammed Siraj. Konstas had hit 107 off just 97 balls in Australia's 247 runs.Konstas hailed Bumrah as the best bowler in the world and was also respectful



about the rest of the Indian attack. One of the reporters present in the press conference compared Konstas with Watson, to which Konstas replied that his method of batting was somewhat similar to Watson's as he likes to take on the attack." I have my plans against Bumrah, but of course I am not going to say what it is. I am generally going to put pressure back on the bowler. Jasprit Bumrah is the best in the world but they are all good bowlers," Sam Konstas said in the press conference on Monday, 23 December."I am quite familiar with Shane Watson. I like to take the game on and put pressure on the bowlers. Shane Watson is a legend of the game, hope I get to do the same this week," Konstas further added at the MCG. The batter was not fussed about making his debut at the MCG, in the Boxing Day Test - which is expected to garner record attendance."It's just another day for me. A bit special because my parents are coming. But its pretty simple, I am going to just back myself," Konstas concluded.

Tired pitches for India, fresher ones for Australia: MCG practice row explained

Australia vs India, 4th Test: After India trained on used pitches at the Melbourne Cricket Ground over the weekend, the home team got a spicier one during their first training session on Monday. Here's why the two teams were given pitches with different nature in the lead-up to the Boxing Day Test.

New Delhi. The Indian cricket team was not overly impressed with the quality of practice pitches provided at the Melbourne Cricket Ground (MCG) over the weekend. India began training on the practice surface on Saturday, December 21 and continued the following day before taking a break on Monday. While the Test match pitch is expected to offer significant bounce, the practice wickets, which are in the stadium

MELBOURNE. On a hot Saturday afternoon at the AH Butler Oval,

Frankston Peninsula Cricket Club was

playing against Camberwell Magpies Cricket Club in the local game on the outskirts of Melbourne. On the field, things were not going well for FPCC.

Even as the current coach Peter Marshall

sat with the team in the dugout, keeping

an eye on the action, watching along the

boundary ropes was former coach David

David hadn't been at the ground for a while and his wife wanted to see some of the renovated facilities at the venue. As one

reaches the Oval after a 40-minute cab ride

from the Melbourne Cricket Ground, saying

one particular name can change the mood of

any person present— Scott Boland. Instantly there was a wide smile and one

could sense the happiness and the feeling of pride that comes along. After all, this is the ground where the Australian pacer — who

made his debut at the MCG with a record figure of 6/7 against England three years ago— arrived as a teenager from Parkdale

McClean and his wife.

complex, reportedly lacked carry. On Saturday and Sunday, the Indian team was offered used pitches that provided little assistance to their fast bowlers, including Jasprit Bumrah, Mohammed Siraj, and Akash Deep. Reports suggest that the ball only bounced waist-high when the bowlers hit the deck hard. During Sunday's session, a delivery from a throwdown specialist kept unexpectedly low and struck captain Rohit Sharma on the knee. Rohit required medical attention and spent 30 minutes off the field with an ice pack applied to his knee. However, pace bowler Akash Deep later assured that Rohit appeared fine by the end of the session, avoiding any serious injury concerns."I think this wicket was for white ball which is why the ball kept low at times. But these blows are common in training. There are no major concerns because of that," the Indian fast bowler had said. Adding to the row, fresh practice pitches with more pace and bounce were allocated to the Australian team starting Monday, raising questions about the fairness of preparations.

WHY INDIA WERE GIVEN USED PITCHESHowever, MCG curator Matt

The making of fast bowler

Boland: Cult hero of MCG

guy even then," recalls David sitting in the

viewing area of FPCC. "He struggled with

his weight. But when we got Nick Jewell here as coach, he noticed Scotty. We used to

push him pretty hard to get the best out of

asked if he could put in some work through

the winter. Nick, in turn, asked Boland to

shed some weight and then would get the

teenager admitted into a state programme.

Boland followed through and so did Nick.

was. And Greg Shippard, who was the Victorian coach at the time, noticed him

'We got him to bowl to one of the touring sides in the summer. I can't remember who it

In the winter of 2009, Boland went to Nick and

himself," he added.

Page addressed the issue, explaining that it is standard practice for Australian curators to provide fresh practice pitches only from three days prior to the start of a Test match. We got the schedule of the Indian team well



ahead. But we usually give match-centric wickets only three days before the match. It's applicable for all teams," Page clarified.It is understood that the training facility at the MCG has two sets of practice pitches. The Australian team waited until Monday to begin training in order to utilise the fresher set of pitches.f fresher pitches are made available to teams well in advance - for example, five days before the start of the match – they are likely to become worn

there and took a bit of an interest. It was

from there his career started to take off,"

David mentioned. Even then, Boland was

not one of the prodigal talents who was fast-

tracked. He had to work hard at every step,

every level, bide his time to make his way up. Perhaps a little more than others. Boland

first made the Victoria second XI, then eventually made his first-class debut in

2011 for Victoria. From there on, it was one

long grind that lasted for a decade. That he

was playing at an era where Australia have

Pat Cummins, Mitchell Starc, Josh Hazlewood — and had Peter Siddle,

Mitchell Johnson and James Pattinson in the

oland, however, wasn't thinking about all this.

He never thought he would get this far in the

first place. They used to call him 'Barrel' when Boland joined FPCC as a batting all-

they worked on everything and due credit to

Boland, who put in the work no questions

first half of the last decade -

opportunities were hard to come by.

out as the Test approaches. To prevent this, ground staff typically allocate fresher training pitches from three days before the start of the game.

SPICIER BUILD-UP FOR BOXING DAY

Meanwhile, uncapped Australian opener Sam Konstas, who has replaced Nathan McSweeney, addressed the press on Monday, expressing satisfaction with the team's first training session. The 19year-old is expected to make his debut in the Boxing Day Test as part of the squad for the fourth and fifth matches of the Border-Gavaskar Trophy.The build-up to the Boxing Day Test has been spicier

than for the first three Tests. The Australian media, often described as the team's 12th man, criticised Ravindra Jadeja for not taking questions in English during his press conference in Melbourne on Saturday. This came a day after Virat Kohli confronted an Australian journalist for taking photos and videos of his family without permission. With the series level at 1-1, India and Australia are set to resume their rivalry in the Boxing Day Test, starting on 26 December at the iconic MCG.

Mandhana climbs another mountain as India beat West Indies

CHENNAI: There is a famous bridge that connects the city of Sangli with the rest of the world on the river Krishna called Irwin Bridge. Built in the early 1900s, named after then-Viceroy Lord Irwin, it became a reality after the devastating floods of 1914 and 1916. It is also said that the former Chief Minister of Maharashtra, Late Vasantdada Patil who led the freedom struggle in Western Maharashtra himself jumped into river Krishna from Irwin Bridge when he was chased by the British army. The red-colored stone bridge still stands tall close to completing 100 years having seen multiple floods since its completion. Ask anyone from Sangli and they will tell you how special that bridge is.

Smriti Mandhana comes from the same place as the iconic bridge. She might not have seen as much history unfold as the bridge has, but she sure has stood up for her team time and again. And the calendar year of 2024, especially in ODIs has proved it again. On Sunday, batting



almost 20 years ago."He was a very likable Pakistan completes a 3-0 sweep of ODI series against South Africa

JOHANNESBURG. Pakistan completed a 3-0 sweep of its ODI series against South Africa, winning the third match by 36 runs under the DLS method on Sunday.

Opener Saim Ayub hit 101 runs in 94 balls as Pakistan scored 308-9 at the Wanderers in a game reduced to 47 overs by rain. South Africa was all out for 271 in 42 overs in pursuit of a winning target of 308.

Pakistan batted first after losing the toss and was 1-1 when it lost Abdullah Shafique in the first over. The innings took off

with Ayub involved in two key stands — 114 runs for the second wicket with Babar Azam (52 in 71), and 93 runs for the third with South Africa pacer Kagiso Rabada took 3-56. 22-year-old Ayub, who scored 109 in the first ODI, was caught behind against



debutant Corbin Bosch. Ayub hit two sixes and 13 fours. Middle-order batter Salman Agha padded the total with a 33-ball 48.

captain Mohammad Rizwan (53 in 52). The In reply, Heinrich Klaasen top scored for the hosts with 81 runs in 43 balls, and Bosch finished 40 not out. Pakistan spinner

←Pakistan had already secured the one-day international series, winning the opener by three wickets and the second ODI by 81 runs.

Sufiyan Muqeem took 4-52 in eight overs. Pakistan had already secured the one-day international series, winning the opener by three wickets and the second ODI by 81 runs.South Africa won the three-match Twenty20 series 2-0. The teams will play two tests, starting Thursday at Centurion. Pakistan's fifth successive bilateral ODI series win puts it in good stead for the Champions Trophy it will host in February.

at the newly built Kotambi Stadium in Vadodara where she scored 91 runs and went past South Africa captain Laura Wolvaardt to score the most runs in the calendar year as India defeated West Indies in the first ODI by a whopping 211 runs, it was proved once again.Mandhana left 2023 on a high with 112 runs across two innings as India defeated Australia in a one-off Test match at Wankhede. By her standard, it was a lean year as she scored 140 runs in four ODIs and 433 in 18 T20Is. The left-hander finished behind Jemimah Rodrigues with 573 runs across both white-ball formats. And the way she started against Australia in the white-ball series at the start of the year did not specifically indicate that there will be any change in the way she has batted. Despite bravely facing Ashleigh Gardner and Darcie Brown, two Australians who have frequently troubled her, the aggression against Alana King did not go well. In the final ODI of the series, in the chase of 339, she again fell early. A break in the international calendar following that series and a successful season at the Women's Premier League did change a few things for India's vice-captain.

Border-Gavaskar Trophy: Words of wisdom for Yashasvi ahead of MCG Test

MELBOURNE.KL Rahul was in the middle of the second nets at the Melbourne Cricket Ground with Yashasvi Jaiswal on Sunday morning. He was taking turns with the opening partner and on one such occasion, he stopped the youngster and had a long chat with Jaiswal.

The Mumbai batter, on his first trip Down Under, has blown hot and cold so far. He, although scored a century in the second innings of Perth, since then has struggled to spend time in the middle. Here, at the MCG, on what Akash Deep described as "low and slow surfaces" Jaiswal was facing India's first-choice pace attack — Jasprit Bumrah, Akash Deep, Nitish Reddy and Mohammed Siraj. And clearly, Jaiswal was all over the place.The 22-year-old switched between batting inside and outside the crease while not getting in line with the delivery to play with a straight bat. Oftentimes, he would go

back and forth on whether to get on the front foot and ended up playing length deliveries awkwardly. Rahul, in the middle of nets before going for one of his many stints, would pull up the youngster and have a long chat with him. Watching from the outside, it seemed like he was talking about how the bat was coming down and where he was meeting the ball.Jaiswal, especially, while facing Bumrah was getting hurried by the senior pacer as he was non-committal on how to play the delivery. However, to others, he confidently batted outside the crease while getting on front foot with ease. Again and again, he was tentatively pushing away from the body while facing length deliveries from Bumrah. This time, Kohli, who was facing the throwdowns in the adjacent net, pulled Jaiswal aside and had a talk with the youngster. From the time he made his debut, whether it is Rohit Sharma or Kohli or Rahul,



the seniors have been fiercely protective of Jaiswal, not just because of the journey he has had but also because of what he is capable of. In his short career so far, Jaiswal has shown enough proof to make one understand why. "I won't say anything on

Jaiswal. Everyone is talking about him. Let him play. He is playing well, it's good for us and he is in good form. I am not going to say much more than that. Itna bas hai abhi ke liye (this is enough for now)," Sharma had said earlier this year during the home Test series against England. Here in Australia, they were doing the same, for they knew what Jaiswal brings to the table and why he is important for the team. And it is not just the seniors, when he got to the other end, head coach Gautam Gambhir was on his ears as well. In the stint after, Jaiswal started leaving the balls more regularly. It seemed like he was consciously trying to trust the bounce and leave balls off length while meeting the ones he have to play under the eye. Almost after every delivery, he was even shadow practicing the same. It was when he moved to the nets where spinners bowled, Jaiswal unleashed himself to play some shots.

Tuesday, 24 December 2024





onakshi Sinha has packed her bags and jetted off to Australia with her husband, Zaheer Iqbal. The couple, who got married in June this year, has been on their never-ending honeymoon. After the Philippines, the US and Italy, the two have been enjoying their vacation amid nature in the Oceania country. Recently, Sonakshi on Instagram shared an oh-so-gorgeous picture of herself from the trip.On December 21, the 37-year-old actress delighted her fans by sharing a "sun-kissed" picture of herself from the vacation on Instagram Stories. In the photo, Sonakshi wore a spaghetti top and chose golden hoop earrings to complement her look. She left her hair down, cascading over her face, which beautifully accentuated her features. Sonakshi shared the picture sans any caption, just with a "Sunkissed" sticker.

Just days ago, Sonakshi shared a series of pictures from her "epic dive day" with her husband at the Great Barrier Reef. In the first few pictures, the couple was seen carefully understanding the instructions given by their dive guide. Other snippets from their scuba diving diaries include the two gearing up for the adventure and enjoying their time underwater surrounded by marine life. After their adventurous dive, Sonakshi and Zaheer clicked some mushy selfies.

In the caption, Sonakshi wrote, "EPIC Dive day at the Great Barrier Reef! Thank you to our amazing dive guide Chris @quicksilverdive who showed us the best spots, helped us find Nemo and made sure we had the best time! @australia @queensland @quicksilvercruises #seeaustralia #thisisqueensland#hosted#sonazahtraveltales." Sonakshi and Zaheer kept their relationship under wraps for seven years. But ever since they tied the knot, they have made sure to express their love out loud in public and never shy away from packing on PDAs. One of the forms of affection between the two is teasing one another.

Arjun Kapoor Says He Opens Up To Sister Janhvi Kapoor: 'Things That I Never Confessed To My Own Self'



fter Sridevi's passing, Arjun Kapoor and his sister Anshula became closer to their half-sisters Janhvi and Khushi. Arjun shared that the difficult circumstances they all faced brought them together. He mentioned that, at such a vulnerable time, they connected deeply, with shared grief forming a strong bond between them. During a chat with Raj Shamani on his podcast, Arjun said, "I think I am the most vulnerable with my sisters, which is a good thing. Because when I got connected with Janhvi and Khushi, the circumstances that were there, there was nothing left. We were at the lowest in terms of... Me and Anshula had experienced something, then Janhvi and Khushi were going through something that we wouldn't wish for our worst enemies and it happened in our house. So we started with being vulnerable.' Arjun and Anshula Kapoor, the children of Boney

and Mona Kapoor, grew close to their half-sisters Janhvi and Khushi after their mothers' deaths. Despite a strained relationship with their father, they supported him and their halfsiblings following Sridevi's passing in 2018. "Now when I talk to Janhvi, Khushi and Anshula, I feel the most myself with them, it's a strange thing. I have spoken about such things with Janhvi that I never even confessed to my

Despite a strained relationship with their father, they supported him and their half-siblings following Sridevi's passing in 2018. "Now when I talk to Janhvi, Khushi and Anshula, I feel the most myself with them, it's a strange thing. I have spoken about such things with Janhvi that I never even confessed to my own self.





Shilpa Shetty's

Birthday Wish For 'Forever Hero' Govinda Is Superhit

misfired).

hilpa Shetty and Govinda have a deep, long-standing friendship, glimpses of which are often found in their social media posts for one another. Even during their appearances outside the movie premieres or at various events, their camaraderie never seems to take a back seat despite being in the film business for so many years. They have worked together in several films, including Pardesi Babu, Gambler, Hathkadi, Chhote Sarkar and Aag. Today, on December 21, as Govinda turns a year older, the actress



penned a lovely wish for him. Taking to her Instagram stories, Shilpa Shetty posted a lovely photo featuring Govinda. The snap was from the sets of an event attended by both of them. They were grooving to the beats of a song while enjoying themselves to the fullest. The candid moment is a testament to their profound friendship and unbreakable bond. Sharing it, Shilpa added a "Happy Birthday" sticker and penned a note atop it, "To

everyone's forever HERO #Not @govinda herono1 Wishing you love happiness and great health

Govinda once shared a hilarious reaction from Shilpa Shetty after he accidentally shot himself. This occurred when the actor graced Kapil Sharma's show and opened up about an unfortunate accident. While delving into the details of the incident during the show, Govinda revealed how Shilpa had reacted to it. He stated in Hindi, "When Shilpa came to meet me, she first asked me, 'ChiChi, how did you hurt yourself? Where was Sunita?' I told her, 'Sunita was out; she was visiting a temple." The actor, known for his comic timing, then revealed that Shilpa had queried whether he was shot by his wife, Sunita. "She then asked, 'Who shot you then?' (laughs)," he explained. Govinda's revelation left everyone in splits on the Kapil Sharma Show.For the unversed, Govinda was rushed to a hospital in Mumbai on October 1 after he had accidentally shot himself in the leg. As per reports, the actor was alone at the time of the incident, that is, early in the morning between 4:45 and 5:00 am, as he was getting ready to travel to Kolkata. After being discharged from the hospital, he talked about the incident to the press, stating, "I was preparing to leave for the show... for Kolkata. It was around 4:45-5:00 am. Woh giri aur chal padi (the revolver fell and



Deshmukh, the film features Abhishek Bachchan, Shreyas Talpade, Chunky Panday, Jacqueline Fernandez, Nargis Fakhri, and more. Directed by Tarun Mansukhani, the film promises the franchise's signature chaotic humor and high-energy performances.o so much." Another wrote, "Kamaal

Slated for release on June 6, 2025, Housefull 5 is highly anticipated by fans, as it marks the continuation of one of Bollywood's most successful comedy series. The buzz around the film has already begun, with fans eagerly awaiting the release of its first look. The first film of the Housefull series, directed by Sajid Khan, was released in 2010. Two years later, the film's second instalment was released. In 2016, the film's third part, directed by Sajid-Farhad, was released. Meanwhile, Housefull 4 was released back in 2019, leaving the fans

hai karan lag gayi Bollywood becomes Pollywood."

waiting for the fifth film.